ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अगर अधिकारियों की लापरवाही से लोगों की जान गई तो इसे बर्दाश्त नहीं किया ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 10 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-191

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने चीन से अधिक भारत को दी अहमियत

मोदी ने अपना जीवन भारत के लिए समर्पित कर दिया : पुतिन

- आप ऊर्जावान और विचारवान व्यक्तित्व के स्वामी हैं
- पुतिन की सराहना पर नरेंद्र मोदी ने जताया आभार
- मेरा केवल एक लक्ष्य है, देश एवं देशवासियों की सेवा
- रूस में भारत के दो नए काउंसलेट खुलेंगे : पीएम मोदी
- अमेरिका ने भारत से की रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने की अपील

मास्को, 09 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस और ऑस्ट्रिया के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। सोमवार को वह मास्को के वानुकोवो-2 हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। रूस के उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव ने पीएम मोदी का स्वागत किया। सोमवार की रात को पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। पुतिन ने देश के विकास में पीएम मोदी के योगदान की सराहना की। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, मैं आपको तिबारा प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई देता हूं। मुझे लगता है कि यह कोई संयोग नहीं, बल्कि आपके कई वर्षों के काम का नतीजा है। आपके पास आपके खुद के विचार हैं। आप एक ऊर्जावान व्यक्ति हैं। भारत और भारतीय लोगों के हित में बेहतर परिणाम प्राप्त करने में आप हमेशा सक्षम रहे। इसका परिणाम सामने है। ▶10पर

मोदी की पहल : रूसी सेना में भर्ती भारतीय मुक्त होंगे

मॉस्को, 09 जुलाई (एजेंसियां)। रूस अपनी सेना में कार्यरत सभी भारतीयों की भारत वापसी में मदद करने पर सहमत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन के सामने रूस की सेना में भारतीयों की भर्ती किए जाने का मसला जैसे ही उठाया, पुतिन ने फौरन भारतीयों रूस की सेना से मुक्त करने का आदेश जारी कर दिया। इसे भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में ऐसे कई मामले सामने आए जिनमें भारतीयों को अच्छी नौकरी या पढ़ाई का झांसा देकर रूस भेजा गया और उन्हें सेना में भर्ती कर यूक्रेन के खिलाफ चल रहे युद्ध में झोंक भेज दिया। ▶10पर

तिरंगे के रंग में रंगा यूरोप का सबसे बड़ा टावर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की राजधानी मॉस्को पहुंचे तो उन्हें वहां गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। रूस के फर्स्ट उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने उनका स्वागत किया। रूस ने चीन का के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के स्वागत के लिए अपने डिप्टी प्राइम मिनिस्टर को भेजा था। ▶10पर

कांग्रेस की शीर्ष कमेटी की रिपोर्ट के बाद हुआ निर्णय

कांग्रेस-आपा का गठबंधन टूट ही गया

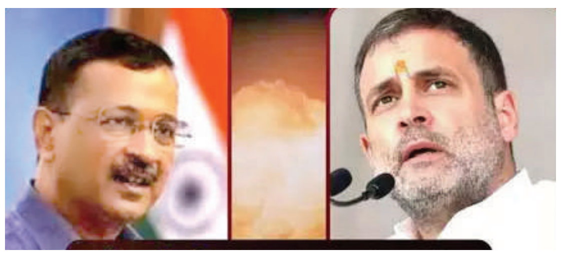

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आपा) का गठबंधन आखिरकार टूट ही गया। कांग्रेस की शीर्ष कमेटी की रिपोर्ट पर आलाकमान ने आपा से अलग होने का फैसला किया। शीर्ष कमेटी ने इस बात की आधिकारिक पुष्टि कर दी है कि लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सुनियोजित तरीके से कांग्रेस प्रत्याशियों के खिलाफ काम किया और उन्हें हरवाया।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव में जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आपा) और कांग्रेस के बीच साथ मिलकर चुनाव लड़ने का समझौता हुआ था, तभी भाजपा ने इसे मजबूरी का समझौता बताया था। भाजपा का आरोप था कि केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को

आपा नेताओं ने ही कांग्रेस प्रत्याशियों को हरवाया

रोकने के लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस साथ आ रही है, जबकि उनके बीच में किसी भी तरह का कोई सामंजस्य नहीं है। भारतीय जनता पार्टी ने यह भी संभावना जताई थी कि चुनाव के बाद यह गठबंधन टूट जाएगा और दोनों दल एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाएंगे। भाजपा का आरोप अब बिल्कुल सही साबित हुआ है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन टूट चुका है और दोनों दलों ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अलग-अलग उतरने की घोषणा कर दी है। ▶10पर

त्रिपुरा में 800 से अधिक छात्र एचआईवी संक्रमित, 47 की मौत

संक्रमित छात्रों के बाहरी राज्यों में जाने से बढ़ा संक्रमण का खतरा

अगरतला, 09 जुलाई (एजेंसियां)। त्रिपुरा में 828 छात्र एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। जिनमें से 47 की मौत हो चुकी है। त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (टीएसए-सीएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी सार्वजनिक की है। त्रिपुरा में एचआईवी पॉजिटिव पाए गए कई छात्र देशभर में अलग-अलग संस्थानों में पढ़ने के लिए भी निकले हैं। यह और भी खतरनाक है और चिंता का विषय है, क्योंकि एचआईवी पॉजिटिव छात्रों से कई अन्य लोगों के संक्रमित होने का खतरा है।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने अब तक 828 छात्रों की एचआईवी पॉजिटिव के तौर पर पहचान की है। जिनमें से खतरनाक संक्रमण के कारण 47 छात्रों की जान जा चुकी है। कई छात्र देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए त्रिपुरा से बाहर चले गए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इतनी गंभीर बीमारी कैसे फैली? दरअसल त्रिपुरा एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने 220 स्कूलों और 24 कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में ऐसे छात्रों की पहचान की है जो इंजेक्शन के जरिए नशीली दवाएं लेते थे। जिससे एचआईवी एक दूसरे तक पहुंचा।

टीएसएसीएस के संयुक्त निदेशक ने कहा, अब तक 220 स्कूलों और 24 कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की पहचान की गई है, जहां के छात्र नशीली दवाएं ले रहे हैं। हमने राज्य भर में कुल 164 स्वास्थ्य सुविधाओं से डेटा जमा किया है। उल्लेखनीय है कि एचआईवी यानी ह्यूमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस एक ऐसा वायरस है, जो शरीर के इम्यून सिस्टम पर हमला करता है और उसे इतना कमजोर बना देता है कि शरीर किसी दूसरे संक्रमण या बीमारी को झेलने के काबिल ही नहीं बचता है। ▶10पर

आरएसएस भी परिसीमन के विरोध में खड़ा हुआ

मुस्लिमों की बढ़ती आबादी से असंतुलन का खतरा

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने राष्ट्रीय जनसंख्या नीति अख्तियार करने पर जोर दिया है। संघ ने न केवल हिंदुओं की तुलना में मुस्लिमों की बढ़ती आबादी के चलते जनसंख्या असंतुलन को चिह्नित किया है बल्कि यह भी कहा है कि पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में निम्न जन्म दर के चलते परिसीमन के दौरान नुकसान हुआ है। संघ ने नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के दौरान होने वाले परिसीमन से दक्षिणी राज्यों में होने वाले नुकसान को रेखांकित किया है। परिसीमन के बारे में विपक्षी दलों, विशेष रूप से दक्षिण भारत के सांसदों ने संसद में जो चिंता व्यक्त की है उसे दोहराते हुए संघ ने कहा है कि क्षेत्रीय असंतुलन एक और महत्वपूर्ण आयाम है जो भविष्य में संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की परिसीमन प्रक्रिया को प्रभावित करेगा। पश्चिम और दक्षिण के राज्य जनसंख्या नियंत्रण उपायों के संबंध में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और इसलिए जनगणना के बाद अगर जनसंख्या में बदलाव हुआ तो संसद में कुछ सीटें

- कई और पार्टियां परिसीमन के खिलाफ एकजुट
- परिसीमन से दक्षिणी राज्यों में होगा नुकसान

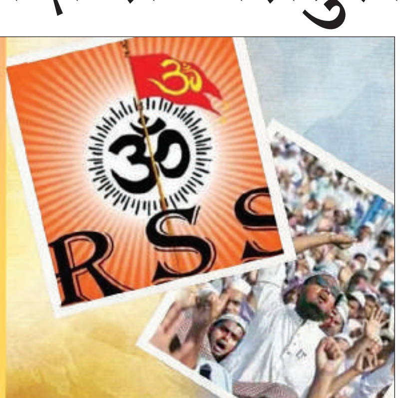

खोने का डर है। डीएमके ने भी इस पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। पार्टी का कहना है कि विपक्षी दल विशेष रूप से वे जो दक्षिण में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, महसूस करते हैं कि जनसंख्या पर परिसीमन का असर उन दलों के पक्ष में हो सकता है जो उत्तर में अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

डीएमके सांसद कनिमोझी ने तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन का एक बयान पढ़ा जिसमें कहा गया था, अगर जनगणना पर परिसीमन होने जा रहा है तो यह दक्षिण भारतीय राज्यों के प्रतिनिधित्व को कम कर देगा। कनिमोझी का समर्थन करते हुए टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी कहा, आंकड़ों के अनुसार, केरल के लिए सीटों में 0 प्रतिशत की वृद्धि होगी, तमिलनाडु के लिए केवल 26 प्रतिशत लेकिन एमपी और यूपी दोनों के लिए 79 प्रतिशत की भारी वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का तर्क है कि देश को एक ऐसी नीति की आवश्यकता है कि जनसंख्या वृद्धि किसी भी धार्मिक समुदाय या क्षेत्र पर असमान रूप से प्रभाव न डाले, जिसकी वजह से सामाजिक-आर्थिक असमानता और राजनीतिक संघर्ष हो सकते हैं। धार्मिक और क्षेत्रीय असंतुलन पर संघ कहता है, राष्ट्रीय स्तर पर जनसंख्या स्थिर होने के बावजूद, यह सभी धर्मों और क्षेत्रों में समान नहीं है। कुछ क्षेत्रों, विशेषकर सीमावर्ती जिलों में मुस्लिम जनसंख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लोकतंत्र में जब संख्या प्रतिनिधित्व के संबंध में महत्व-पूर्ण होती है और जनसांख्यिकी भाग्य का फैसला करती है तो हमें इसके प्रति और भी अधिक सतर्क रहना चाहिए।

जनगणना में हिंदुओं की तुलना में मुसलमानों में अधिक जन्म दर दर्ज की गई है, पर कहा जाता है कि दोनों समुदायों का जन्म-दर अब लगभग समान हो रहा है। 1991 से 2011 के बीच मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि-दर में गिरावट हिंदुओं की तुलना में अधिक दर्ज की गई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो दशकों में सभी धार्मिक समुदायों के बीच मुसलमानों की प्रजनन दर में सबसे तेज गिरावट देखी गई है। ▶10पर

डोडा के जंगलों में भी शुरू हुई मुठभेड़

जम्मू, 09 जुलाई (ब्यूरो)। कठुआ के मच्छेड़ी इलाके में सेना के जवानों पर हुए घातक हमले के 24 घंटों के बाद अब डोडा के जंगलों में भी आतंकियों से मुठभेड़ शुरू हो गई है। सेना ने बताया कि आज शाम डोडा जिले के ऊपरी इलाकों में गोली-गादी जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई।

इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद गोली-गादी इलाके में घेराबंदी और तलाशी शुरू की गई थी। तलाशी के दौरान ही आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की। इसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। मुठभेड़ की विस्तृत सूचना की प्रतीक्षा है।

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,351.64
+391.26 +0.49% ↑
एनएसई :24,433.20
112.65 (0.46%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,800/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 94,400/- (प्रति किलोग्राम)

उत्तराखंड ने खो दिए 5 जांबाज

आतंकी हमले में शहीद पांच जवानों का पार्थिव शरीर देहरादून पहुंचा

देहरादून, 09 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में हुए आतंकी हमले में उत्तराखंड ने अपने पांच लाल खो दिए। शहीद जवानों के पार्थिव शव जौलीग्रांट एयरपोर्ट लाए गए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीदों के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री धामी ने कहा, यह हम सभी प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत पीड़ा का क्षण है क्योंकि हमने भाई और बेटा भी खोया है। हमारे रणबांकुरों ने उत्तराखंड की समृद्ध सैन्य परंपरा का पालन करते हुए मां भारती के चरणों में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, गणेश जोशी, विधायक बृज भूषण गैरोला, डीएम, एसएसपी और सेना के अधिकारियों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने कहा, जम्मू कश्मीर में सेना के काफिले पर आतंकवादियों द्वारा किए प्राणघाती हमले में देवभूमि उत्तराखंड के पांच जवानों के शहीद होने से हम सभी मर्माहत हैं। ▶10पर

सीएम धामी समेत कई नेताओं, अफसरों और नागरिकों ने दी श्रद्धांजलि

जम्मू संभाग में 3 साल में 44 सैनिक शहीद हुए

जम्मू, 09 जुलाई (सुरेश एस डुग्गर)। जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान पोषित आतंकवाद की जंग में पिछले 3 साल में केवल जम्मू संभाग में 44 सैनिकों की शहादतें हो चुकी हैं। आतंकवाद का फोकस कश्मीर से शिफ्ट होकर जम्मू संभाग के जिलों की तरफ हो गया है। इन आहूतियों का क्रम 11 अक्टूबर 2021 से शुरू हुआ। जम्मू क्षेत्र में विभिन्न आतंकी हमलों और मुठभेड़ों में 44 बहादुरों ने अपने प्राणों की आहुति दी। 11 अक्टूबर 2021 को चमरेर के जंगलों में सेना के पांच जवानों की जान चली गई। 16 अक्टूबर 2021 को भट्टा दुरियन जंगलों में चार जवान शहीद हो गए। 30 अक्टूबर 2021 को राजौरी के नौशेरा सेक्टर में सेना के दो और जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी। 11 अगस्त 2022 को राजौरी के दरहाल इलाके के परगल में हुए आतंकी हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए। 20 अप्रैल 2023 को पुंछ के मेंढर इलाके के भट्टा दुरियन में सेना के पांच जवान शहीद हो गए। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 20^0

मोबाइल पशु चिकित्सा क्लिनिक सेवा

पशु संजीवनी के माध्यम से घर-घर पशुओं का हो रहा इलाज

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो।

पशु संजीवनी, पशुपालकों के घर-घर तक मोबाइल पशु चिकित्सा क्लिनिक पहुंचाने की योजना है, जिसे कर्नाटक के यादगीर जिले में पशुपालकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इस सेवा के तहत, पशुपालक अपने घर-घर पशुओं के लिए आपातकालीन उपचार सुविधा का लाभ उठाने के लिए किसी भी समय टोल फ्री नंबर (1962) पर कॉल कर सकते हैं। जब 1962 आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र पर कॉल आती है, तो विवरण निकटतम मोबाइल पशु चिकित्सा क्लिनिक को भेज दिया जाएगा, जो पशुपालक के पते या इलाके में जाकर मौके पर ही उपचार प्रदान करेगा।

यादगीर जिले में पशुओं की सेवा के लिए समर्पित आठ ऐसे वाहन हैं। प्रत्येक वाहन में एक डॉक्टर, एक पशु चिकित्सा निरीक्षक और एक डी-ग्रुप कर्मचारी होता है। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग के उप निदेशक राजू देशमुख ने बताया अप्रैल से जून 2024 तक 2,331 कॉल प्राप्त हुईं और 3,616 पशुओं को उपचार प्रदान किया गया। अकेले जून में, हमने 742 कॉल दर्ज कीं और 1,388 पशुओं को उपचार प्रदान किया गया। इस योजना के तहत 135 भैंस, 1,992 मवेशी, 590 बकरियां, 936 भेड़ और अन्य पशुओं को घर-घर जाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। पशु संजीवनी योजना अगस्त 2020 में शुरू की गई थी, जब बी.एस. येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे। इसे पूरे कर्नाटक में विस्तारित करने से पहले बेंगलूरु और मैसूरु में लॉन्च किया गया था। पशुधन को उपचार प्रदान करने वाली पशु चिकित्सा सेवा - एक निजी एजेंसी को सौंपी गई थी। सर्जरी के मामलों को छोड़कर, स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक पहुँचाने के लिए एजेंसी के पास पशु चिकित्सकों सहित अपना स्वयं का स्टाफ है। एजेंसी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवा की देखरेख पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा की जाती है। यह सेवा बहुत मददगार है, खासकर किसानों के लिए, जो आमतौर पर बैलों को इलाज के लिए पशु चिकित्सालय ले जाते हैं। उन्होंने किसानों और पशुओं के मालिकों से अपील की कि वे बीमारियों से पीड़ित पशुओं के इलाज की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर 1962 पर कॉल करके मोबाइल पशु चिकित्सा क्लिनिक सेवा का उपयोग करें।

बेंगलूरु में 30 यात्रियों वाली बस में लगी आग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के अनिल कुंबले सर्किल के पास व्यस्त एमजी रोड पर मंगलवार सुबह बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) की बस में आग लग गई। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग, जो बस के इंजन से शुरू हुई थी, को अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने तुरंत बुझा दिया। राहगीरों द्वारा लिए गए वीडियो में बस में आग की लपटें दिखाई दे रही हैं और दमकलकर्मी आग बुझाने के लिए काम कर रहे हैं। बस चालक राजकुमार ने बताया मैं शिवाजीनगर जा रहा था, एमजी रोड पर पहुंचने के बाद, ट्रैफिक सिग्नल लाल था, इसलिए मैंने वाहन बंद कर दिया। मैंने इसे फिर से चालू करने की कोशिश की, लेकिन वाहन चालू नहीं हुआ, फिर मैंने बंद करके फिर से चालू करने की कोशिश की। मुझे धुएं की गंध आ रही थी और जब मैंने जांच की, तो अचानक आग लग गई। मैंने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन यह बंद नहीं हुई और यात्रियों को तुरंत बाहर निकाला। कोरमंगला डिपो की बीएमटीसी बस में उस समय 30 यात्री सवार थे। ड्राइवर की त्वरित कार्रवाई के कारण सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सुबह 9 बजे तक दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच गई और आग को काबू में करने और बुझाने में कामयाब रही, इससे पहले कि आग और अधिक नुकसान पहुंचाती। इस घटना के कारण यातायात जाम हो गया और यातायात पुलिस ने वाहनों को दूसरी सड़कों पर डायवर्ट कर दिया। बीएमटीसी अधिकारियों ने पुष्टि की कि कोई हताहत नहीं हुआ है और कहा कि आग के सही कारण का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

रामनगर के कांडया भवन के पास हाइड्रामा, हल्का लाठीचार्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रामनगर तालुक में हल्लीमाला की किसान सहकारी समिति के चुनाव को स्थगित करने की निंदा करते हुए जेडीएस और भाजपा कार्यकर्ताओं ने रामनगर कांडया भवन के पास विरोध प्रदर्शन किया।

तनावपूर्ण माहौल की पृष्ठभूमि में हल्की लाठियों का इस्तेमाल किया गया। जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें आरोप लगाया गया कि किसान सहकारी समिति का चुनाव राजनीतिक कारणों से स्थगित कर दिया गया है। प्रदर्शन के दौरान जब उन्होंने कांडया भवन स्थित सहकारिता विभाग के कार्यालय का घेराव करने की कोशिश की तो पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गयी। पुलिस ने उन्हें कार्यालय का घेराव करने से रोका। इस मौके पर स्थिति तनावपूर्ण होने पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्की लाठियां भांजी गईं। पुलिस ने निखिल कुमारस्वामी समेत कुछ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया और आगे की कार्रवाई की।

नशीली दवाओं के तस्करों को खत्म किया जाएगा: पुलिस आयुक्त

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली-धारवाड़ के पुलिस आयुक्त शशिकुमार ने कहा कि हुब्बल्ली-धारवाड़ अवलिनगर के बाहरी हिस्सों में नशीली दवाओं की खपत और बिक्री सीमा से अधिक हो गई है और वे इस पर सीमा लगाने के लिए तैयार हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ बेचने और सेवन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब 180 से ज्यादा आरोपों पर चेतावनी दी गई है।

वे एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी हैं। ऐसे लोगों को यूं ही बुला कर भेज नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतों में शामिल लोगों के खिलाफ राउडी शीटर खोला जाएगा। जब उनका समर्थन करने वाले, उनकी मदद करने वाले, वाहन उपलब्ध कराने वाले गिरफ्तार किए जाएंगे, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी, जो उनकी मदद करते हैं, जो उन्हें कानूनी सहायता प्रदान करते हैं और मुख्य रूप से दस्तावेज रखरखाव करते हैं।

एहतियात के तौर पर मामला दर्ज किया जाएगा। एनडीपीएस में शामिल लोगों की रिहाई के लिए 2 लाख का सिक्योरिटी बांड भी दिया गया है। इलाके पर नजर रखी जा रही है क्योंकि यह नशीली दवाओं का हॉटस्पॉट है। उन्होंने कहा कि दवा बिक्री, थोक बिक्री और खपत की जानकारी से छेड़छाड़ की गई है। प्रत्येक थाने से हमारे सब-इंस्पेक्टर, एसीपी, डीसीपी, 10 कर्मियों की टीमें गठित की गई हैं और हर थाने में शून्य अपराध प्रणाली बनाने के लिए 24 घंटे काम किया जा रहा है।

गांजा और नशीली दवाओं के स्रोत के संबंध में सख्त कार्रवाई की जाएगी और उन क्षेत्रों की जानकारी पोस्ट की जाएगी जहां नशीली दवाओं की बिक्री होती है। स्कूलों और कॉलेजों के आसपास के क्षेत्र में सीसीटीवी लगाने का सुझाव दिया गया है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कार्रवाई की गई है।

लगातार बारिश से राज्य के जलाशयों में जलस्तर में हो रही वृद्धि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लगातार बारिश से राज्य के प्रमुख जलाशयों का जलस्तर भी बढ़ रहा है। राज्य के 14 प्रमुख जलाशयों में 39 प्रतिशत पानी जमा हो चुका है। वर्ष की इसी अवधि में सभी जलाशयों में 196.87 टीएमसी फीट पानी संग्रहित हुआ। हालांकि, इस साल 349.50 टीएमसी फीट पानी जमा हो चुका है, यानी 153 टीएमसी फीट ज्यादा पानी। जबकि कावेरी बेसिन में प्रवाह कम हो रहा है, कृष्णा कोल और जलविद्युत जलाशयों से प्रवाह बढ़ गया है। कावेरी नदी बेसिन के जलाशयों में 60 प्रतिशत पानी जमा हो चुका है। काबिनी जलाशय की अधिकतम जल भंडारण क्षमता 19.52 टीएमसीएफटी थी और

मंगलवार सुबह यह 18.52 टीएमसीएफटी रही। पिछले साल यह केवल 9.99 टीएमसी फीट था। इनफ्लो 6 हजार क्यूसेक से ज्यादा और आउटफ्लो 2000 क्यूसेक है। हरंगी जलाशय में 68 फीसदी पानी है, आवक मात्र दो हजार है। अधिकतम स्तर तक पहुंचने के लिए अन्य 3 टीएमसी पानी की आवश्यकता है। हेमावती जलाशय में पिछले वर्ष की तुलना में 3 टीएमसी अधिक पानी है। अभी 51 फीसदी पानी ही एकत्र हो सका है। इनफ्लो 6 हजार क्यूसेक से ज्यादा है। केआरएस जलाशय में 52 प्रतिशत जल संग्रहित है। इनफ्लो 6 हजार क्यूसेक से ज्यादा है। 49.45 टीएमसी क्षमता वाले इस जलाशय में पिछले साल के मुकाबले दोगुना पानी जमा हो गया है। लिंगानामक्की जलाशय में 23 हजार क्यूसेक से अधिक और जल विद्युत उत्पादन करने वाले सुपा जलाशय में 19 हजार क्यूसेक से अधिक का प्रवाह है। लिंगनमक्की, सुपा, वाराही जलाशयों में कुल 46 हजार क्यूसेक से अधिक का प्रवाह है। 28 फीसदी पानी जमा हो चुका है। इन जलाशयों में पिछले साल की तुलना में दोगुना पानी है। तुंगभद्रा जलाशय में 23 हजार क्यूसेक से अधिक और घटप्रभा जलाशय में 25 हजार क्यूसेक से अधिक का प्रवाह है।

भजन कीर्तन का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री अक्षय भक्त मंडल बेंगलूरु के तत्वावधान में रविवार को श्री रामदेव प्रार्थना मंदिर दासरहल्ली में बालाजी महाराज व अखाराम दादोजी महाराज की मासिक ज्योत व संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें भव्य दरबार में राधेश्याम आसोपा व पवन पलोड़ ने दिव्य ज्योत प्रज्वलित किया। माणकचंद मांडोलिया ने गणेश वन्दना के साथ भजन संध्या का आगाज किया।

मंडल के अध्यक्ष किशन लाल मांडोलिया व दीनदयाल पलोड़, राम आसोपा, विनोद शर्मा, बाल कलाकार दक्ष मांडोलिया ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति से माहौल को भक्तिमय बना दिया। रमेश पलोड़ ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर सुशील रतावा, मदन लाल पलोड़, पंकज दाधीच, सोहन लाल सांखला, नथमल पाटोदिया, किशोरी सुंढवाल, मोहन लाल रतावा और गोकुल चन्द पलोड़ समेत अन्य कई गणमान्य उपस्थित रहे। मंच संचालन विमलेश जोशी ने किया।

एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सीरवी समाज वडेर यलहंका में डॉ. राम मनोहर लोहिया आरोग्य जीवन संस्थान, हनुमान गढ के संयुक्त तत्वावधान में रियायती दर पर एक्युप्रेशर व मैग्नेटिक तकनीक से इलाज के 6 दिवसीय शिविर की शुरुआत मंगलवार से हुई। डॉ टीके चौधरी ने बताया कि एक्युप्रेशर तकनीक से सिरदर्द, कमर दर्द, साइटिक दर्द, डायबिटीज, थायरॉइड, अस्थमा आदि का इलाज किया जाएगा। सीरवी समाज यलहंका वडेर के अध्यक्ष मोहनलाल सैणचा ने बताया कि शिविर सुबह आठ से दोपहर बारह बजे तक और शाम को चार से आठ बजे तक चलाया जाएगा। इस मौके पर उपाध्यक्ष मांगीलाल परिहार, सचिव अशोक कुमार पंवार, सह-सचिव खेताराम सेपटा, कोषाध्यक्ष भुण्डाराम राठौड़ और सह कोषाध्यक्ष प्रकाश सिंदडा आदि उपस्थित रहे।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** गौड ब्राह्मण संघ कर्नाटक के वरिष्ठ सदस्य एवं समाजसेवी राधेश्याम शर्मा को लॉयंस क्लब सारकी के चेयरमैन बनाये जाने पर लॉयंस क्लब के अध्यक्ष पीके नवीन, लॉयंस क्लब के द्वारकानाथ व कोषाध्यक्ष नन्दनी जितेन्द्र ने मैसूरु साफा व शाल माला पहना कर स्वागत किया। राधेश्याम शर्मा को इस उपलब्धि के लिए पूरे गौड ब्राह्मण संघ की ओर से शुभकामनाएं दी गई।*

सीताराम अग्रवाल ने कर्नाटक प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद की शपथ ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के कर्नाटक, तमिलनाडु एवं तेलंगाना के प्रभारी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल को बेंगलूरु में कर्नाटक प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई।

शिवकुमार टेकरीवाल पुन: महासचिव नियुक्त हुए और रमेश भाऊवाला, गौरी शंकर गुप्ता, सतीश मित्तल उपाध्यक्ष बने। समारोह में मारवाड़ी महिला परिधि की अध्यक्ष माया अग्रवाल भी मौजूद थी। इस मौके पर मंजू सुभाष अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, निर्मला गोयल, शकुंतला अग्रवाल, संतोष भाऊवाल, सविता अग्रवाल, दामोदर अग्रवाल, ओमप्रकाश पोद्दार, आनंद बंसल, प्रकाश चौधरी, उमंग अग्रवाल, प्रीतम अग्रवाल, गजेंद्र अग्रवाल एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

अगर अधिकारियों की लापरवाही से लोगों की जान गई तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: सीएम

दुर्घटना क्षेत्र और ब्लैक स्पॉट की पहचान करें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने निर्देश दिया कि अधिकारियों की उदासीनता के कारण सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की कीमती जान चली जाती है, आप सड़क पर उतरें और सुरक्षा उपायों की जांच करें। विधान सौधा में जिला कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य परिचालन अधिकारियों की दूसरे दिन की बैठक में बोलते हुए उन्होंने पूछा कि यदि आप दुर्घटना क्षेत्र और ब्लैक स्पॉट की पहचान करने के बाद हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाएंगे तो क्या आपकी जिम्मेदारी खत्म हो जाएगी। पिछले एक साल में राज्य में 34,916 दुर्घटनाएं हुई हैं और 9943 लोगों की मौत हुई है। जिले में सड़क सुरक्षा समितियां जिले में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए योजनाएं बनाएं और उन्हें क्रियान्वित करें। राजस्व, पुलिस, परिवहन, नगर निगम समन्वय से कार्य करें तो दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है। सड़क सुरक्षा सप्ताह व्यर्थ नहीं मनाया जाना चाहिए। एहतियाती कदम उठाकर कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। हम अपनी लापरवाही के कारण जान का नुकसान बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हॉटस्पॉट की पहचान की जानी चाहिए और राजमार्गों पर एम्बुलेंस व्यवस्था और ट्रॉमा सेंटर नेटवर्कबनाया जाना चाहिए। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था कि यदि जिला आयुक्तों को ऐसा लगता है कि वे महाराजा हैं तो विकास और प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि राजनेता और अधिकारी दोनों लोक सेवक हैं और जनता की सेवा करते हैं और कर्तव्य में लापरवाही के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। विधान सौधा कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित जिला आयुक्तों, जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और प्रभारी सचिवों की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि डीसी और सीईओ को जिले की जानकारी अपने हाथ में रखनी चाहिए और उत्साह, गतिशीलता के साथ काम करना चाहिए। सरकारी कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए समन्वय स्थापित करना चाहिए। तभी सरकार की परियोजनाएं लोगों तक पहुंच सकती हैं और जिले का विकास हो सकता है। यदि जिला कलेक्टर गजेटियर और आर्थिक सर्वेक्षण पढ़ें तो वे उस जिले के इतिहास और परिस्थितियों को समझ सकते हैं। जिले की आर्थिक स्थिति और सामाजिक स्थिति को समझना होगा।

विश्वास में लें तो विकास को गति दी जा सकती है

उन्होंने कहा कि उन्हें साक्षरता, शिक्षा, प्रति व्यक्ति आय आदि की जानकारी होनी चाहिए। यह अधिकारियों की आलोचना के लिए बुलाई गई बैठक नहीं है। जिले में कैसा विकास हुआ है, इसकी जांच के लिए यह बैठक बुलाई गयी है। हर जिले के विकास में डीसी, सीईओ, एसपी अधिकारियों की भूमिका बहुत बड़ी है। उन्होंने कहा कि अगर ये तीनों लोग समन्वय बनाकर काम करें और अन्य अधिकारियों को भी विश्वास में लें तो विकास को गति दी जा सकती है। मैं 40 साल तक मंत्री रहा हूं। मैं 40 वर्षों से अधिक समय से अधिकारियों का व्यवहार देख रहा हूं। राजनेताओं, अधिकारियों को अपने अनुभव के आधार पर शासन में अधिक प्रभावी होना चाहिए। लेकिन अपेक्षा के अनुरूप प्रभावी नहीं है। अगर हम देखें कि तब भ्रष्टाचार कैसा था और आज कैसा है तो पता चलता है कि कार्यपालिका और विधायिका प्रभावी ढंग से काम नहीं कर रही हैं।

उडुपी में बारिश का कहर

स्थिति को देखते हुए आवश्यक उपाय लागू किए गए हैं: लक्ष्मी हेब्बालकर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
महिला एवं बाल विकास मंत्री और उडुपी जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि उडुपी में भारी बारिश के मद्देनजर जिला प्रशासन ने किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए एहतियाती उपाय लागू किए हैं। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए, हेब्बालकर ने बताया कि बारिश के मौसम की तैयारी के लिए उडुपी में पहले ही प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की जा चुकी है। गिरने के जोखिम वाले पेड़ों को काटने के निर्देश दिए गए हैं। लगभग 400 ऐसे पेड़ों को हटाया गया है और 80 बिजली के खंभों को दूसरी जगह लगाया गया है। कुछ निचले इलाकों में घरों में पानी घुस गया है और निवासियों को देखभाल केंद्रों में ले जाया गया है। पिछले साल बारिश के कारण हुई समस्याओं से सीखते हुए, इस साल विशेष सावधानी बरती गई है। भूस्खलन के कारण कुछ घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और एक व्यक्ति की मौत हो गई है। हेब्बालकर ने कहा कि जिला प्रशासन को तत्काल राहत उपाय करने के निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उडुपी शहर में भूमिगत जल निकासी व्यवस्था का अभाव है, जिसके कारण बारिश के दौरान सड़कों पर पानी जमा हो जाता है। भूमिगत जल निकासी व्यवस्था बनाने की योजना बनाई गई है और टेंडर प्रक्रिया कुछ हफ्तों के भीतर शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सोमवार को भारी बारिश के कारण मंगलवार को स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

राहुल गांधी पर थप्पड़ वाली टिप्पणी का मामला

पूर्व मंत्री रामनाथ राय ने विधायक भरत शेट्टी की आलोचना की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मंत्री रामनाथ राय ने मंगलवार को मल्लिकट्टे में कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान विधायक भरत शेट्टी की आलोचना की, जिन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बारे में उनकी थप्पड़ वाली टिप्पणी की थी। मीडिया को संबोधित करते हुए राय ने कहा संसद में राहुल गांधी के भाषण को भाजपा नेताओं ने गलत समझा, और फिर इसे जनता के सामने गलत तरीके से पेश किया। गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदू समाज में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है, यह भावना हिंदुओं के रूप में हमारी मान्यताओं के अनुरूप है। इसके बावजूद, भाजपा नेताओं ने उनकी कड़ी आलोचना की। यहां तक कि ज्योतिर मठ के 46वें शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी कहा कि गांधी ने जो कहा, उसमें कुछ भी गलत नहीं था और उनके भाषण के बारे में गलत सूचना फैलाने वालों को

दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा भरत शेट्टी ने कहा कि राहुल गांधी को थप्पड़ मारना चाहिए। मैं भरत शेट्टी को चुनौती देता हूं कि वह पहले किसी आम कांग्रेसी को थप्पड़ मारे। ऐसा व्यक्ति विधायक के तौर पर बेकार है। विपक्षी नेता के तौर पर राहुल गांधी ने किसी के बारे में बुरा नहीं कहा, उन्होंने केवल इतना कहा कि हिंसा ठीक नहीं है। भाजपा छोटे-छोटे मुद्दों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रही है और गलत सूचना फैला रही है, जैसे कि कर्नाटक सरकार द्वारा डेंगू की स्थिति को अच्छी तरह से संभालने के बावजूद उसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना। कोविड संकट के दौरान सुधाकर द्वारा लूटे गए लाखों का क्या? यूपीए के शासन में डीजल पर उत्पाद शुल्क 3 रुपये था, लेकिन एनडीए सरकार में यह अब 9 रुपये हो गया है। वे राजनीतिक लाभ के लिए धर्म को बांटते हैं और विपक्ष को सीबीआई से धमकाते हैं। भाजपा केवल हिंसा को बढ़ावा देती है। ममता गट्टी, प्रकाश सालियान, सुभोदय अल्वा, नवीन डिसूजा और अन्य मौजूद थे।

विपक्षी भाजपा डेंगू के मुद्दे पर अनावश्यक प्रचार कर रही: परिवहन मंत्री

सरकार के खिलाफ अपमानजनक बयान देना सही नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के परिवहन मंत्री रामलिंगारेड्डी ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि विपक्षी भाजपा डेंगू के मुद्दे पर अनावश्यक प्रचार कर रही है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हर साल बारिश के मौसम में डेंगू के मामले बढ़ते हैं। बीबीएमपी आयुक्त ने एहतियाती कदम उठाए हैं और चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। रुके हुए पानी के कारण मच्छरों को पनपने से रोकने का भी ध्यान रखा गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव पहले ही कई बैठकें कर चुके हैं और जरूरी कदम उठा चुके हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बैठकें की हैं। उन्होंने बताया कि डेंगू नियंत्रण के साथ-साथ मौत के मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के उपाय भी किये जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रेड्डी ने कहा कि उन्हें राज्य सरकार की

मांग के अनुसार अन्नभाग्य योजना में चावल की आपूर्ति करनी चाहिए। लोकसभा चुनाव से पहले 29 रुपये प्रति किलो चावल योजना लागू की थी। वोटिंग खत्म होते ही प्रोजेक्ट सस्पेंड कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री इस बारे में बात करें। उन्होंने कहा कि उन्हें जिम्मेदारी के पद पर रहते हुए राज्य सरकार के खिलाफ अपमानजनक बयान देना सही नहीं है। उन्होंने उन्हें चुनौती दी कि पहले चावल आवंटित करें और फिर पैसा नहीं दिया गया तो बात करें। चन्नपटना विधानसभा चुनाव पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में होने वाली बैठक में न केवल चन्नपटना पर चर्चा होगी, बल्कि पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की शिग्गाव सीट और बेल्लारी की सोल्लुरु सीट के उपचुनाव पर भी चर्चा होगी। डीके शिवकुमार के चन्नपट्टना से चुनाव लड़ने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि वह क्या रणनीति अपना रहे हैं। रामनगर जिले का नाम बदलने को लेकर कोई चर्चा नहीं है। पहले रामनगर बेंगलूरु जिले के अंतर्गत था। उस क्षेत्र के 28 विधानसभा क्षेत्रों में से 12 ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र थे। उन्होंने कहा कि रामानगर समेत कई इलाके बेंगलूरु का हिस्सा हैं। इससे पहले राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने कहा था कि सरकार और बीबीएमपी ने डेंगू फैलने से रोकने में लापरवाही बरती है। उन्होंने डेंगू के प्रसार की जांच के लिए सोमवार को ओकालीपुरम चर्च के पास झुग्गी बस्तियों का दौरा किया। पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। मच्छर नियंत्रण पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

डेंगू और चिकनगुनिया के मच्छर हर जगह जानलेवा हैं

डेंगू और चिकनगुनिया के मच्छर हर जगह जानलेवा हैं। डेंगू परीक्षण प्रयोगशालाएं भी ठीक से स्थापित नहीं की गई हैं। सरकार और बीबीएमपी की ओर से दिये गये पंपलेट में परीक्षण कहां होगी, इसकी कोई जानकारी नहीं है। कहीं भी समुचित जांच नहीं हो रही है। उन्होंने पूछा कि खून की जांच समेत कितने अलग-अलग टेस्ट किये गये। लोग मर रहे हैं। संक्रमण दर बढ़ गई है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने एक भी बैठक नहीं की है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि पर्याप्त इंतजाम नहीं किया जाना दुखद है। जब कोविड आया तो हमने तुरंत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कीं। हालाँकि उन्होंने आलोचना की कि डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मच्छर नियंत्रण को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। मच्छर नियंत्रण के लिए दवाओं का सही ढंग से उपयोग नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ठेकेदारों को भुगतान नहीं होने के कारण वे काम नहीं कर रहे हैं। बुखार नियंत्रण के लिए क्लिनिक नहीं खुले हैं। मरीजों को अपनाए जाने वाले उपायों और सावधानियों के बारे में सूचित करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि खून समेत विभिन्न जांचें नहीं हो रही हैं।

उडुपी में बारिश जारी, निचले इलाके जलमग्न

सामान्य जनजीवन हुआ प्रभावित

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले में मंगलवार को मूसलाधार बारिश जारी रही, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने बताया कि करकला, कुंदापुर, थेक्कट्टे, हिरगाना, बसरु, बरकुरु, नित्तुरू, कौप और उदयवारा के कई निचले इलाकों में अभी भी घुटनों तक पानी भरा हुआ है और सड़कें या तो अवरुद्ध हैं या फिर उन पर वाहन चलाना संभव नहीं है। उडुपी में पुत्तूर और कोलालागिरी रोड के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 66 के एक हिस्से में भी जलभराव देखा गया। जलभराव के कारण, एक कार चालक ने सड़क पर पानी की गहराई का गलत अनुमान लगाया और सीधे पास के दलदल में जा गिरा और वाहन उडुपी ग्रामीण पुलिस

स्टेशन की सीमा में कन्नारपडी-कडेकरू लिंक रोड पर फंस गया। अधिकारियों ने बताया कि कार में सवार सभी चार लोग सुरक्षित बाहर निकल आए। पानी में फंसे वाहन को बाद में स्थानीय लोगों की मदद से अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने बाहर निकाला।

दक्षिण कन्नड़ जिले में सोमवार को भारी से बहुत भारी बारिश हुई थी, मंगलवार को भी मेंगलूरु, पुत्तूर, बंटवाल जैसे स्थानों पर बारिश जारी रही।

अधिकारियों ने बताया कि बेलथांगडी, सुल्लिया और गुंड्या-शिरडी सेक्टर के घाट खंड में मंगलवार को भारी बारिश जारी रही, जिसके कारण विभिन्न हिस्सों में यातायात जाम हो गया। दक्षिण कन्नड़ प्रशासन ने मंगलवार को जिले को रेड अलर्ट पर रखा, जिसके बाद स्कूल और पीयू कॉलेज बंद कर दिए गए। उत्तर कन्नड़ जिले की कलेक्टर के. लक्ष्मीप्रिया ने बताया कि सोमवार को जिले के तटीय इलाकों में भारी बारिश हुई और 313 लोगों ने होन्नावर तालुक में खोले गए आठ देखभाल केंद्रों में शरण ली और उन्हें बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई गईं। अत्यधिक बारिश के कारण अविभाजित दक्षिण कन्नड़ (उडुपी सहित) के कई निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। हालांकि, सोमवार को मेंगलूरु शहर के अंदर बाढ़ की कोई घटना नहीं हुई, लेकिन नदी के किनारे स्थित बंटवाल शहर के निचले इलाकों में जलभराव की खबर है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनएमडीसी) के अधिकारियों ने कहा कि वे इस क्षेत्र पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं और बचाव दल को तैयार रखा गया है। इस बीच, उत्तर कन्नड़ में, सोमवार को काली नदी के कादरा जलाशय के चार गेटों से 10,600 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, क्योंकि जल स्तर खतरे की सीमा को पार कर गया था।

संयोग से, जब शनिवार को उफनती काली नदी पर दबाव कम करने के लिए 6,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, तो कादरा बांध के निचले हिस्से के गांव कादरा, मल्लापुर, केरोडी, बैरा बलानी, करगा, उलग और हलागा प्रभावित हुए। उत्तर कन्नड़ में सोमवार को जिन इलाकों में मूसलाधार बारिश हुई, उनमें सिरसी, सिद्धपुर और येल्लापुर के साथ-साथ उत्तर कन्नड़ के मलनाड (घाट) इलाके के कुछ हिस्से शामिल हैं। होन्नावर तालुक के कडाटोका इलाके में कई घर पानी में डूब गए और ग्रामीणों को बचाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की एक टीम को तैनात करना पड़ा।

आत्मरक्षा में पुलिस ने आरोपी के पैर पर चलाई गोली

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
आत्मरक्षा में पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत पांच मामलों में आरोपी के पैर पर उस वक्त गोली चलाई, जब उसने मंगलवार को कुमसी पुलिस थाने की सीमा में पुलिस पर चाकू से हमला करने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, हत्या के प्रयास और एनडीपीएस समेत पांच मामलों में आरोपी रजाक ने पुलिस कांस्टेबल अर्जुन पर चाकू से हमला करने की कोशिश की, जब पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की। आत्मरक्षा में पुलिस इंस्पेक्टर ने आरोपी के पैर पर गोली चलाई। बाद में उसे शिवमोग्गा के मैकगैन टीचिंग अस्पताल ले जाया गया। विनोभनगर पुलिस थाने में उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज होने के बाद से वह फरार था।

कानून सबके लिए एक समान है, इसका पालन नहीं करने पर सजा तय : परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने शहर के परप्पाना अग्रहारा सेंट्रल जेल में आयोजित मुख्यमंत्री के सम्मान पदक और सजा पाए कैदियों की समय से पहले रिहाई कार्यक्रम में कहा कि कामकाजी, शिक्षित और गरीबों के लिए कोई अलग कानून नहीं बनाया गया है। सभी के लिए मताधिकार के समान अधिकार की परिकल्पना की गई है। हम सभी को कानून का पालन करना होगा। नहीं तो सजा भुगतनी पड़ेगी। मनुष्य को प्रकृति के नियमों को समझना चाहिए। यदि आप अच्छा व्यवहार करेंगे तो समाज इसे पहचानेगा। कुछ मामलों में हम जाने-अनजाने उसी वक्त फैसला लेकर गलतियां कर बैठते हैं। गलतियाँ सुधारनी

चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें इसका पश्चाताप कर जीवन की नई राह पर आगे बढ़ना चाहिए। जिन्होंने अपनी गलतियां सुधार ली हैं उनके लिए कानून में एक और मौका दिया गया है। पहले यह साल में दो बार रिलीज होती थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक साल में तीन बार रिहाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर आप अपने अंदर बदलाव लायेंगे तो आपको समाज में जीने का एक और मौका मिलेगा। जिंदगी बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। किसी भी कारण से दूसरी गलती न करें। आपको अपना शेष जीवन अपने परिवार के साथ बिताना चाहिए। राज्य की 54 जेलों में 15 हजार लोग बंद हैं। विभिन्न कौशल प्रशिक्षण और शिक्षा के माध्यम से सभी को सुरक्षित रखना, उनमें सुधार करना और उनमें बदलाव लाना विभाग की जिम्मेदारी है। इस संबंध में डीजीपी मालिनी कृष्णमूर्ति ने सरकार के सामने कई मांगों का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी मांगें पूरी की जाएंगी। इस अवसर पर कारागार एवं सुधार विभाग की महानिदेशक मालिनी कृष्णमूर्ति, शहर पुलिस आयुक्त बी. दयानंद, कारागार एवं सुधार विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक आनंद रेड्डी, दक्षिण पूर्व डिवीजन की डीसीपी सारा अतिमा उपस्थित थीं।

रामनगर जिले का नाम बदलकर

बेंगलूरु दक्षिण जिला करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सौंपा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक के रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सौंपा गया है। शिवकुमार, जो जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, के नेतृत्व में रामनगर जिले के विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सिद्धरामैया को एक प्रस्ताव सौंपा। शिवकुमार ने राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री को प्रस्ताव सौंपने के बाद संवाददात-ाओं को बताया कि यह पहल रामनगर, चन्नपटना, मगदी, कनकपुरा और हरोहल्ली तालुकों के विकास और भविष्य को ध्यान में रखते हुए की गई है। इससे पहले अक्टूबर 2023 में, शिवकुमार ने रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने का प्रस्ताव रखा था। विपक्षी भाजपा

और जद (एस) ने नाम बदलने के प्रस्ताव को रियल एस्टेट कारणों से जोड़ा। शिवकुमार ने कहा डोड्डबल्लापुर, देवनहल्ली, होसकोटे, कनकपुरा, रामनगर, चन्नपटना, मगदी के लोग मूल रूप से बेंगलूरु के ही हैं। प्रशासनिक सुविधा के लिए रामनगर और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों को बेंगलूरु शहरी जिले से अलग किया गया था। हमने रामनगर जिले का नाम बदलने का प्रस्ताव पेश किया है। रामनगर शहर जिले का मुख्यालय बना रहेगा। नाम बदलने से जिले में उद्योग लगाने में मदद मिलेगी और जमीन का मूल्यांकन भी बढ़ेगा। उन्होंने दावा किया कि बेंगलूरु के पास केवल रामनगर और तुमकुरु की ओर बढ़ने की गुंजाइश है क्योंकि शहर के दूसरी तरफ कर्नाटक की सीमा तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश से लगती है। यह पूछे जाने पर कि बेंगलूरु दक्षिण जिले में कौन से तालुके आएंगे, उन्होंने कहा कि यह केवल नाम बदलने की कवायद है। जिले की भौगोलिक सीमाओं में कोई बदलाव नहीं होगा।

दक्षिण कन्नड़ में लगातार बारिश से तबाही और क्षति

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण कन्नड़ जिले में सोमवार को लगातार बारिश ने कहर बरपाया। जिले में भारी बारिश हुई, जिसमें उजीरे में 142 मिमी बारिश दर्ज की गई। एहतियात के तौर पर जिले के स्कूल और कॉलेज भी मंगलवार को बंद कर दिए गए। बेल्तांगडी तालुक में, कल्लेरी में एक स्कूल की दीवार ढह गई, और नावूर में एक मंदिर की दीवार ढह गई। मेंगलूरु शहर में, बल्लालबाग में एक घर क्षतिग्रस्त हो गया, और बैकमपडी औद्योगिक क्षेत्र में बाढ़ आ गई। सोमेश्वर नगर पालिका सीमा में एक बड़ा पेड़ एक कार पर गिर गया, लेकिन सौभाग्य से, कार के अंदर कोई नहीं था।

सीएम ने पर्यटन के व्यापक विकास का ब्लूप्रिंट तैयार करने का दिया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सुझाव दिया कि राज्य में पर्यटन के व्यापक विकास के लिए एक खाका तैयार किया जाना चाहिए। विधानसौधा में जिला कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की दूसरे दिन की बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पर्यटन कई राज्यों के लिए आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। उन्होंने कहा कि हम पड़ोसी राज्य केरल जितना पर्यटन विकास नहीं कर पाये हैं। उन्होंने जिलाधिकारियों को स्थानीय लोगों के सहयोग से राज्य के तटीय जिलों में पर्यटन विकसित करने के निर्देश दिये। पर्यटन विकास से रोजगार सृजन संभव है। उन्होंने कहा कि नई पर्यटन

नीति बनाने का निर्णय लिया गया है और इस पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। पर्यटन का बुनियादी ढांचा बहुत खराब है। पिछली सरकार के बजट में मधुगिरी में एकशिला बेट्टा की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक कोई विकास नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पर्यटन के अनुकूल माहौल बनेगा तभी पूंजी निवेशक आगे आयेंगे। जिला कलेक्टर पर्यटन स्थलों के विकास की संभावनाओं को चिन्हित करें। सिर्फ निजी भागीदारी से ही नहीं बल्कि सरकार को भी कदम उठाना चाहिए। नई पर्यटन नीति में सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त अनुदान भी उपलब्ध कराया जायेगा। तट पर सीआरजेड अधिनियम के कारण विकास में कुछ बाधाएँ हैं जिनका समाधान किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने पर्यटन मास्टर प्लान तैयार करने का निर्देश दिया।

राज्य के कुछ पर्यटन स्थलों पर फोकस किया जा रहा है। पर्यटन स्थलों के सर्वेक्षण, संरक्षण आदि का मास्टर प्लान जिलेवार तैयार किया जाए।

यह कार्य तीन माह के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पर्यटन स्थलों को चरणबद्ध तरीके से पुनर्जीवित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। स्थानीय लोगों और गैर सरकारी संगठनों का सहयोग लिया जाना चाहिए। जिला पर्यटन पर पुस्तकें जारी करें। उन्होंने कहा, चैरिटी कार्यक्रम लागू किए गए हैं और इच्छुक लोग इसे अपना सकते हैं और संरक्षण कार्य कर सकते हैं। राज्य में 25 हजार चैरिटी कार्यक्रम हैं। इनके महत्व को समझते हुए अपने जिलों के लिए गाइड नियुक्त करने, सर्वेक्षण करने, संरक्षण करने और मास्टर प्लान तैयार करने के अवसर हैं। इसके अनुसार कार्ययोजना बनाएं, बजट प्लान तैयार करें और प्रस्ताव सरकार को सौंपें। आप अपने जिलों में मौजूद अवसरों का सही उपयोग कर सकते हैं। आपके जिलों में कितने अच्छे साहित्यकार, लेखक और कलाकार हैं। उनकी मदद लें और 3 महीने में मास्टर प्लान तैयार कर पर्यटन समिति को सौंपें।

तेज गति और शराब पीकर गाड़ी चलाने के लिए पर्यटकों के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चिकमगलूरु पुलिस ने सार्वजनिक उपद्रव, तेज गति से गाड़ी चलाने और शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए पर्यटक स्थलों पर विशेष अभियान चलाया है। मामले दर्ज करने के अलावा, पुलिस ने कारों को जब्त कर लिया है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। पुलिस ने पर्यटकों द्वारा सड़क पर सामूहिक नृत्य करने और खुले स्थानों पर शराब पीने की रिपोर्ट मिलने के

बाद अभियान शुरू किया। मुदिगेरे तालुक के बनकल पुलिस स्टेशन की सब-इंस्पेक्टर रेणुका डी.वी. के नेतृत्व में एक टीम ने एक पर्यटक स्थल देवरामने का दौरा किया और कर्नाटक पुलिस अधिनियम के तहत 20 मामले दर्ज किए, जो सड़क पर अपराध और उपद्रव के लिए दंड से संबंधित है। इसके अलावा, सार्वजनिक रूप से सिगरेट पीने वाले लोगों के खिलाफ नौ मामले दर्ज किए गए। लिंगदहल्ली पुलिस ने सार्वजनिक उपद्रव, तेज गति से गाड़ी चलाने और शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने उनकी कार जब्त कर ली। स्पेशल अरेंजमेंट सप्ताहांत और छुट्टियों के दौरान सैकड़ों पर्यटक चिकमगलूरु आते हैं। वाहनों की अचानक वृद्धि से यातायात जाम हो जाता है। जब पर्यटक सार्वजनिक उपद्रव करते हैं, तो स्थानीय लोग और अन्य पर्यटक भी प्रभावित होते हैं। कर्नाटक में मानसून का आनंद लेने के लिए पर्यटक कोडागु और चिकमगलूरु जाते हैं। पुलिस अधीक्षक विक्रम अमाथे ने कहा कि पुलिस उन सभी जगहों पर उपद्रव और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाएगी जहां पर्यटक इकट्ठा होते हैं। पुलिस ने कई लोगों को वाहनों में शराब पीते हुए देखा था।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** राजस्थान परिषद् ने मासिक सेवा आयाम के अन्तर्गत केजी रोड स्थित पूज सिंधी पंचायत में कमलेश, भरत डूंगरवाल के सौजन्य से जरूरतमंद लोगों के लिए अन्नदान सेवा का कार्यक्रम रखा। कार्यक्रम का प्रारंभ पूज सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राम कपाई ने भगवान राधा कृष्ण की प्रार्थना के साथ किया। लगभग 300 लोगों ने अन्नदानम का लाभ लिया। परिषद् की ओर से मंत्री विनय बैद, संयोजक दीपक गोठी एवं समिति सदस्य मोहित बोथरा उपस्थित रहे।*

दो ट्रकों की ऐसी टक्कर कि चिपक गए एक-दूसरे से दो लोगों की मौत

पटना (एजेंसियां)।
घटना के संबंध में बताया जाता है कि मंगलवार की अहले सुबह पावर हाउस गेट के समीप सड़क किनारे बालू लोड ट्रक खड़ी थी। वहीं बिहार शरीफ की ओर से आ रही तेज गति से ट्रक ने खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी, टक्कर के बाद ट्रक की केबिन में आग लग गई। जब तक ट्रक में लगे आग को बुझाया जाता, तब तक चपेट में आकर एक उपचालक झुलस गया, जबकि दूसरा उपचालक बाहर सड़क पर आकर गिर गया, जिससे उसका हाथ कट गया और उसकी भी घटनास्थल पर मौत हो गई।

ट्रक पर बालू लोड था, जो नवादा से चलकर बख्तियारपुर जा रहा था। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि ट्रक के परखच्चे उड़ गए।

वहीं इस मामले में वेना थाना अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि सूचना मिलते हैं। पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और अग्निशमन विभाग के कर्मियों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। इसके उपरांत गंभीर रूप से जख्मी ट्रक चालक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। घटना के संबंध में मृतकों के परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में बड़ा सड़क हादसा, पांच की मौत

बेगूसराय में कार-ऑटो की टक्कर में दो अन्य घायल

पटना (एजेंसियां)।
बेगूसराय में भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं दो लोगों की हालत गंभीर है। घटना घटना एफसीआई थाना क्षेत्र के रतन चौक के पास एनएच 31 पर हुई। मंगलवार अहले सुबह सात लोग ऑटो पर सवार होकर सिमरिया से जीरो माइल की आ रहे थे।

रतन चौक पर तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस ऑटो में फंसी

लाशों को बाहर निकालने की कोशिश में जुटी है। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

पुलिस के अनुसार, मरने वाले में से एक पहचान छोराही थाना क्षेत्र के राजोपुरबेंगा निवासी रमाकांत दास का 25 वर्षीय पुत्र रजनीश कुमार उर्फ गौतम के रुप में हुई है। मृतक मजदूर है, जो टाइल पत्थर का काम करता है। वहीं दूसरे एक शाम्हो के रहने वाले सिंटू कुमार यादव थे। वह दिल्ली से लौटकर बेगूसराय से खगड़िया शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। तीसरे युवक की पहचान नालंदा जिले के पुवारी (गोनामा) निवासी सुनील कुमार का 28 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार के रूप में हुई है। सुनील कुमार दिल्ली एम्स में कैंसर डिपार्टमेंट में टेक्नीशियन के रूप में कार्य थे और वह दिल्ली से बेगूसराय अपने ससुराल आ रहा था। चौथे युवक की पहचान गढ़पुरा थाना क्षेत्र के कुंवर टोल वार्ड 15 निवासी रामदास का 24 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार के रूप में हुई है। वह पटना से घर लौट रहा था। वह पॉलिटेक्निक का छात्र था। वहीं पांचवे की पहचान बखरी थाना क्षेत्र के मौजी हरी सिंह गांव निवासी वीरेंद्र तांती का 22 वर्षीय पुत्र अमनदीप कुमार के रूप में हुई। वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता था।

ससुराल से दो किलोमीटर दूर मिला युवक का लटकता हुआ शव

पटना (एजेंसियां)।
घटना के संबंध में मृतक के परिजन ने बताया कि कांग्रेश चौहान की हत्या कर शव को पेड़ के सहारे फंदे से लटका दिया गया है। शरीर पर जख्म के निशान हैं। जिससे यह कयास लगाया जा रहा है। युवक 4 जुलाई को ही दिल्ली से गांव लौटा था। वह दिल्ली में रहकर मजदूरी करने का काम करता था।

युवक के पिता का कहना है कि उनका बेटा घर नहीं पहुंच कर सीधे ससुराल गया था। जबकि, ससुराल वालों का कहना है कि कांग्रेश चौहान ससुराल छतरपुर पहुंचा ही नहीं । शव ससुराल से करीब 2 किलोमीटर दूर सुनसान इलाके परियौना के खंधा से बरामद किया गया है। हालांकि परिजन यह स्पष्ट नहीं कर रहे हैं कि हत्या किसने और क्यों की है और इसके पीछे क्या वजह है।

वहीं इस मामले में नूरसराय थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक शव पेड़ से लटका हुआ है, जिससे तेज दुर्गंध आ रही है। सूचना मिलने के उपरांत पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। जहां पेड़ के सहारे लटके शव को नीचे उतारा गया। शव देखने से प्रतीत हो रहा है कि हत्या कहीं अन्यत्र जगह करके सुनसान इलाके में लाकर फंदे के सहारे लटका दिया गया है। शव से तेज दुर्गंध आ रही है। हत्या करीब तीन-चार दिन पूर्व ही कर दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

कठुआ हमले के बाद जम्मू कश्मीर में हाई अलर्ट

जम्मू, 09 जुलाई (ब्यूरो)।

कुछ दिन पहले हीरानगर में हुए आतंकी हमले में शामिल आतंकी उसी दल का हिस्सा बताए जा रहे हैं जो उस पार से घुसे थे। इसमें दो दर्जन से अधिक आतंकी शामिल थे। यही कारण है कि अब कठुआ के मच्छेड़ी में हुए भयानक हमले के उपरांत हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। दरअसल आतंकी अब जम्मू संभाग की अर्थव्यवस्था को निशाना बनाते हुए ऐसे हमलों को अंजाम दे रहे हैं और वे पहाड़ी इलाकों में सैनिक और असैनिक वाहनों को निशाना बना रहे हैं। जम्मू संभाग के आतंकी निशाने पर आने के कारण जम्मू संभाग में एक साल के भीतर मृतक संख्या दोगुनी हो गई है।

अधिकारियों ने माना है कि जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर इसलिए रखा गया है क्योंकि कुछ दिन पहले उस पार से कठुआ-पठानकोट से सटे बार्डर से घुसने में कामयाब हुए आतंकी अभी हत्थे नहीं चढ़े हैं। हालांकि दो को हीरानगर में मार गिराया गया था जबकि कल के हमले में भी इसी दल के बचे हुए आतंकियों का हाथ होने का अंदेशा जताया जा रहा है। अधिकारी कहते थे कि ये आतंकी फिदायीन हमलों को अंजाम दे सकते हैं। अधिकारियों के बकौल, उनके निशाने पर जम्मू-पठानकोट हाईवे पर स्थित सैनिक संस्थानों के साथ ही इंटरनेशनल बार्डर के साथ-साथ गुजरने वाली रेल लाइन भी है। एक अधिकारी ने बताया कि आतंकी तीर्थस्थानों वाले इलाकों में भी आतंक मचाना चाहते हैं। जानकारी के लिए कल का मच्छेड़ी का हमला भी सुकराला देवी तीर्थस्थान के पास हुआ था।

ऐसे हमलों के बाद जम्मू संभाग में अर्थव्यवस्था को ढलान पर देखा गया है क्योंकि हमलों के बाद जम्मू कश्मीर में आने वाले टूरिस्टों के साथ-साथ वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में हमेशा जबरदस्त कमी आई थी। जम्मू-पठानकोट तथा जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे का इस्तेमाल प्रदेश में आने वाले अमरनाथ श्रद्धालुओं, टूरिस्टों और वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं द्वारा किया जाता है और प्रत्येक हमले ने सबसे ज्यादा उन्हें ही दहशतजदा किया है। और ऐसे हमलों के उपरांत अब सेना की सबसे बड़ी चिंता आतंकियों द्वारा अपनाई जा रही नई रणनीति है। एक वरिष्ठ सेनाधिकारी ने कहा, राजौरी, पुंछ, कठुआ और रियासी के पहाड़ी रास्तों पर आतंकी एक जैसी रणनीति अपना कर वाहनों पर हमले कर रहे हैं।

हालांकि पहले वे सिर्फ सैन्य वाहनों पर हमलों को अंजाम दे रहे थे लेकिन अब उनके द्वारा असैन्य वाहन को निशाना बनाए जाने से उन नागरिकों की जान सांसत में पड़ गई है जो इन मार्गों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

अगर घटनाक्रमों पर एक नजर दौड़ाएं तो आतंकियों ने राजौरी और पुंछ में दो बार 21 दिसम्बर 2023 में डेरा की गली में तथा 4 मई 2024 को सुनह नाले के पास, सैन्य वाहनों पर पहाड़ी मोड़ों पर हमले उस समय किए थे जब सैन्य वाहनों ने तीखे मोड़ पर अपने वाहनों की स्पीड को आहिस्ता किया था। और 9 जून को त्रेयठ में श्रद्धालुओं को ले जा रहे यात्री वाहन पर भी पहली बार इसी रणनीति को अपना हमला किया तो 10 की जान चली गई। नतीजतन यह सबकी चिंता का विषय हो सकता है कि पिछले साल जनवरी महीने से लेकर अब तक होने वाली आतंकी हिंसा में जम्मू संभाग में मरने वालों का आंकड़ा दोगुना हो गया है। और अब चिंता इस बात की है कि अगर जम्मू संभाग आतंकियों के निशाने पर यूं ही बना रहा तो जम्मू संभाग कश्मीर के हिंसा के आंकड़ों से आगे निकल सकता है। यह बात अलग है कि मरने वालों में सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों के अतिरिक्त आतंकियों के आंकड़े भी शामिल हैं।

दरअसल अब आतंकियों ने अपना ध्यान कश्मीर से हटा जम्मू पर केंद्रित कर दिया है। बीते दिनों में जम्मू क्षेत्र में कई आतंकी हमले हुए हैं इसमें कई लोगों की मौत हो गई। यही कारण है कि जम्मू क्षेत्र में जनवरी 2023 के बाद से कश्मीर में आतंकी घटनाओं में नागरिकों और शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है।

केरल के मुख्यमंत्री ने भारतीय दूतावास को दी सूचना

फर्जी तरीके से लोगों को म्यांमार भेज रहे एजेंट

तिरुवनंतपुरम, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने म्यांमार में भारतीय दूतावास को फर्जी भर्ती एजेंटों के खिलाफ शिकायत के बारे में अवगत कराया। ये एजेंट सोशल मीडिया पर फर्जी विज्ञापन प्रकाशित करके युवाओं को म्यांमार और थाईलैंड तस्करी करके भेजते थे। जैसे ही धोखाधड़ी की जानकारी मिली, मोर्का रूट्स ने सोशल मीडिया के जरिए पूरे केरल में दिशानिर्देश और चेतावनी जारी कर दी। कोल्लम जिले के दो व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। ये शिकायत उन पीड़ितों ने की थी, जो इस धोखाधड़ी के शिकार हुए और किसी तरह इससे निकलने में कामयाब रहे।

विधानसभा में वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला की एक याचिका पर जवाब देते हुए सीएम विजयन ने बताया कि इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, इस मामले को म्यांमार में भारतीय दूतावास के समक्ष रखा गया है। इस पर आगे की कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री ने आगे बताया फर्जी सिम कार्ड के जरिए साइबर वित्तीय धोखाधड़ी शामिल होने के लिए तिरुवनंतपुरम के दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पिनराई विजयन ने दावा किया कि वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए पुलिस ने प्रभावी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस प्रमुख ने ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के बारे में रिजर्व बैंक गवर्नर और भारत साइबर सेल समन्वय केंद्र को एक रिपोर्ट भेजी है। इस मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। विदेशी भर्ती एजेंसियों, नौकरी घोटालों और मानव तस्करी की शिकायतों की जांच के लिए नोर्का रूट्स, केंद्रीय विदेश मंत्रालय और केरल पुलिस ने एक संयुक्त उपक्रम लागू किया गया, जिसका नाम ऑपरेशन शुभयात्रा है।

केंद्रीय मंत्री ने डीएमके सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

तमिलनाडु में दलितों पर हो रहा अत्याचार

चेन्नई, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने मंगलवार को आरोप लगाया कि तमिलनाडु में दलितों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अत्याचार हो रहे हैं और द्रमुक सरकार के शासन में राज्य में राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं। मुरुगन ने एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए दावा किया कि राज्य में हर साल दलितों के खिलाफ अत्याचार के दो हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए जाते हैं।

मुरुगन ने मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि पार्टी की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष वी पी दुरईसामी के नेतृत्व में तमिलनाडु भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल शाम को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से मिलेगा और उनसे इस मामले में उचित कार्रवाई करने की मांग करेगा। संवाददाता सम्मेलन में दुरईसामी सहित भाजपा की तमिलनाडु इकाई के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। मुरुगन ने कहा, मई 2021 में द्रमुक के सत्ता में आने के बाद तमिलनाडु में दलितों के खिलाफ अत्याचारों में जबरदस्त तेजी आई है। एक सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य में हर साल दलितों के खिलाफ अत्याचार के 2,000 से अधिक मामले दर्ज किए जाते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने साल 2022 से दलितों के खिलाफ कथित अत्याचार की घटनाओं में तेजी और राज्य में भाजपा नेताओं पर हमले और हत्या की घटनाओं को लेकर स्टालिन सरकार पर हमला बोला। उन्होंने इसे स्टालिन सरकार की विफलता बताया। मुरुगन ने कहा कि हाल ही में दलित नेता और बसपा के प्रदेश अध्यक्ष के आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या कर दी गई थी। द्रमुक के शासनकाल में राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं। डीएमके सरकार में अनुसूचित जाति के नेताओं और लोगों की कोई सुरक्षा नहीं है। द्रमुक सरकार में उन्हें उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डीएमके दावा करती है कि वह सामाजिक न्याय की अग्रणी है, लेकिन पार्टी इस विचार का पालन नहीं कर रही है। राज्य में दलितों पर अत्याचार की घटनाओं के कारण सीएम स्टालिन को सामाजिक न्याय के बारे में बात करने का नैतिक अधिकार नहीं है।

महाराष्ट्र सरकार बदलेगी अंग्रेजों के जमाने के नाम

सात लोकल रेलवे स्टेशनों का नाम बदलने का प्रस्ताव पारित

मुंबई, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र की महायुति सरकार अंग्रेजों के जमाने के नाम बदलेगी। सात लोकल रेलवे स्टेशनों का नाम बदलने का प्रस्ताव पारित हुआ है। नए नामों को मंजूरी का प्रस्ताव केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा। राज्य के संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया है। मुंबई के कई स्टेशनों के नाम ब्रिटिशकालीन हैं। मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन, करी रोड स्टेशन या सैंडहर्स्ट रोड स्टेशन जैसे कई उदाहरण हैं। महाराष्ट्र विधान परिषद ने मंगलवार को सर्वसम्मति से ब्रिटिश काल में रखे गए मुंबई के सात रेलवे स्टेशनों का नाम बदलने का प्रस्ताव पारित किया।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी वाली महायुति सरकार अब नए नामों को मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को सौंपेगी। राज्य के संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया है। मुंबई लोकल ट्रेन के अधिकांश स्टेशनों के नाम अंग्रेजी में हैं। यह तर्क दिया गया है कि वे एक औपनिवेशिक विरासत को दर्शाते हैं।

जिन स्टेशनों का नाम बदलेगा उनमें करी रोड स्टेशन का नाम बदलकर लालबाग, सैंडहर्स्ट रोड का नाम डोंगरी, मरीन लाइन्स का नाम मुंबादेवी और चर्नी रोड का नाम गिरगांव रखा जाएगा। सैंडहर्स्ट रोड का नाम बदलना सेंट्रल लाइन के साथ-साथ हार्बर लाइन पर भी लागू होगा। अन्य स्टेशनों में कॉटन ग्रीन स्टेशन का नाम बदलकर कालाचौकी, डॉकयार्ड रोड का नाम मझगांव और किंग्स सर्कल का नाम तीर्थंकर पार्श्वनाथ रखा जाएगा।

ऐसा पहली बार नहीं है, जब मुंबई में किसी स्टेशन का नाम बदला गया है। इससे पहले विक्टोरिया टर्मिनस (वीटी) जैसे प्रतिष्ठित स्टेशनों का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और एलफिंस्टन रोड से प्रभादेवी कर दिया गया था। इससे सार्वजनिक स्थानों के लिए सांस्कृतिक रूप से गूंजने वाले नामकरण को अपनाने की गति को बढ़ावा मिला। इस बीच, विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में हवाई अड्डे का नाम बदलने के संबंध में एक सवाल उठाया, जिसे वर्तमान में औरंगाबाद हवाई अड्डा कहा जाता है। हालांकि, दानवे की इस मांग पर चर्चा की मांग को उपसभापति नीलम गोरहे ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि संबंधित मंत्री बाद में उनके सवाल का जवाब दे सकते हैं। महाराष्ट्र सरकार ने पहले मराठवाड़ा क्षेत्र के औरंगाबाद और उस्मानाबाद जिलों के नाम बदलकर क्रमशः छत्रपति संभाजीनगर और धाराशिव कर दिए थे।

आजम खां के हमसफर रिजॉर्ट को जेसीबी ने रौंदा

अवैध कब्जे से मुक्त हुई सरकारी जमीन

रामपुर, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा जमा कर सपा नेता आजम खान द्वारा बनाए गए हमसफर रिजॉर्ट को प्रशासन के बुलडोजर ने रौंद डाला। प्रशासन ने अवैध कब्जे से सरकारी जमीन मुक्त कर ली है। शहर विधायक आकाश सक्सेना की शिकायत पर छानबीन और अवैध कब्जे की आधिकारिक पुष्टि के बाद प्रशासन ने यह कदम उठाया। जिला प्रशासन ने तहसीलदार सदर की कोर्ट में वाद दायर किया था। इसमें कहा गया था कि रिजॉर्ट में खाद के गड्ढों की 0.038 हेक्टेयर जमीन है, जिसकी गाटा संख्या 164 है। कोर्ट के आदेश पर पैमाइश कराई गई। इसमें पुष्टि हुई कि यह जमीन खाद के गड्ढों की है। कोर्ट ने अवैध कब्जा हटाने और क्षतिपूर्ति वसूलने के आदेश दिए। आदेश के पालन में प्रशासन की टीम जेसीबी लेकर हमसफर रिजॉर्ट पहुंची और कब्जा मुक्त कराने की प्रक्रिया शुरू की। जेसीबी की मदद से अवैध निर्माणों और कब्जों को हटाया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई ने इलाके में खलबली मच गई है।

बांग्लादेशी आतंकी संगठन अंसार-अल-इस्लाम प. बंगाल में सक्रिय

अंसार के तीन आतंकवादी पकड़े गए

कोलकाता, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के आतंकी संगठन अंसार-अल-इस्लाम के पश्चिम बंगाल में सक्रिय होने का खुलासा हुआ है। इस विदेशी आतंकी संगठन ने यहाँ पर शहादत मॉड्यूल बना रखा है। आपस में बातचीत के लिए आतंकी ऐसे ऐप का प्रयोग करते हैं जो जल्दी सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर नहीं आ पाता। इस मॉड्यूल में ज्यादा से ज्यादा आतंकियों की भर्ती भी करवाई जा रही है। इसका खुलासा कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने किया है। एसटीएफ ने अंसार-अल-इस्लाम के 3 आतंकी गिरफ्तार किए हैं जिन्होंने पूछताछ में अपने खतरनाक मंसूबों का खुलासा किया है।

पश्चिम बंगाल पुलिस की कोलकाता एसटीएफ ने 22 जून 2024 को मोहम्मद हबीबुल्लाह नाम के आतंकी को गिरफ्तार किया था।

हबीबुल्लाह को वर्द्धमान जिले से पकड़ा गया था। हबीबुल्लाह ही शहादत मॉड्यूल का चीफ बताया जा रहा है। इस पर काफी पहले से कोलकाता एसटीएफ नजर रखे हुए थी।

पूछताछ में हबीबुल्लाह ने खतरनाक मंसूबों के अलावा अपने गिरोह में जुड़े साथियों के नाम भी बताए। हबीबुल्लाह के बयान के आधार पर एसटीएफ ने 25 जून को हरेज शेख और 28 जून को अनवर शेख को दबोच लिया था।

हरेज शेख की गिरफ्तारी हावड़ा जंक्शन से जबकि अनवर शेख को चेन्नई से पकड़ा गया था। इन तीनों से हुई पूछताछ में खुलासा हुआ कि ये सभी बांग्लादेशी आतंकी संगठन अंसार-अल-इस्लाम का नेटवर्क पश्चिम बंगाल में खड़ा करने की कोशिश में जुटे हुए थे। यहाँ ये इसका शहादत मॉड्यूल तैयार कर रहे थे, जिसके लिए अड़े पैमाने पर युवाओं की भर्ती करवाई जा रही थी। सुरक्षा एजेंसियों से बचने के लिए ये सभी आरोपित बातचीत के लिए टेलीग्राम सहित कुछ अन्य ऐसे एप का प्रयोग करते थे जिनको आसानी से ट्रेस नहीं किया जा सकता।

बताया जा रहा है कि पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए इन आतंकियों ने अपने फर्जी नाम भी रख रखे थे। बातचीत में ये आतंकी कई कोडवर्ड का भी प्रयोग करते थे जिसे पुलिस डिकोड करने के प्रयास में लगी हुई है। इंटरनेट के जरिए ये आतंकी जिहादी सोच के युवाओं को चिह्नित करते थे फिर उनसे बातचीत की जाती थी। भारत में यह संगठन हबीबुल्लाह ही ऑपरेट करता था। उसका निर्देश सभी मानते थे। फ़िलहाल पश्चिम बंगाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी हुई है कि गिरफ्तार आतंकियों ने अपने नेटवर्क की जड़ें भारत में कितनी गहरी कर रखी हैं।

अंसार अल इस्लाम बांग्लादेश में भी एक प्रतिबंधित आतंकी समूह है। इस संगठन से जुड़े लोगों पर बांग्लादेश में भी अल्पसंख्यकों और सैन्य बलों पर हमले सहित कई अन्य आतंकी और आपराधिक आरोप लगे हैं। हाल में ही जून 2024 में बांग्लादेश की पुलिस ने कॉक्स बाजार से इस आतंकी संगठन के 3 सदस्य गिरफ्तार किए थे। इनकी पहचान मोहम्मद ज़करिया, मोहम्मद नियामत उल्लाह और मोहम्मद ओजायर के तौर पर हुई थी। इन सभी की उम्र 20 वर्ष के आसपास है। माना जाता है कि इस गिरोह के लोग अफगानिस्तान में सक्रिय तालिबानियों को अपना आदर्श मानते हैं।

राज्य कर सकते हैं तीन नए कानूनों में संशोधन: चिदंबरम

नए कानून के खिलाफ कांग्रेस ने राज्यों को भड़काया

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार द्वारा पुराने समय से चले आ रहे ब्रिटिश कालीन कानून को हटा कर नया भारतीय कानून लागू किए जाने के खिलाफ कांग्रेस राज्य सरकारों को भड़काने का काम कर रही है। कांग्रेस नेता चिदंबरम दक्षिण के कांग्रेस शासित राज्यों को नए भारतीय कानून के खिलाफ भड़काने का काम कर रहे हैं।

चिदंबरम ने तीन नए आपराधिक कानूनों में राज्य-विशिष्ट संशोधनों का सुझाव देने के लिए एक समिति नियुक्त करने के तमिलनाडु सरकार के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आपराधिक कानून संविधान की एक समवर्ती सूची का विषय है, जो राज्यों को नए कानून में संशोधन करने के लिए सक्षम बनाता है।

चिदंबरम ने कहा, इस साल एक जुलाई से लागू हुए तीन आपराधिक कानूनों में संशोधनों का सुझाव देने के लिए समिति नियुक्त करने के तमिलनाडु सरकार के फैसले का स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा, आपराधिक कानून संविधान की समवर्ती सूची का विषय है और राज्य विधानमंडल नए कानून में संशोधन करने में सक्षम है। चिदंबरम ने कहा, मैं न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) के सत्यनारायणन की एक सदस्यीय समिति के रूप में नियुक्ति का भी स्वागत करता हूं। मैं समिति से न्यायाधीशों, वकीलों, पुलिस, कानून शिक्षकों, विद्वानों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं सहित सभी हितधारकों के साथ परामर्श करने का अनुरोध करता हूं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को नए आपराधिक कानूनों में राज्य की दृष्टि से विशेष संशोधन की सिफारिश के लिए पहला कदम उठाते हुए उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की एकल समिति गठित करने का आदेश दिया था, जो तीनों कानूनों का अध्ययन करेगी तथा इनमें संशोधनों के लिए राज्य सरकार से सिफारिश करेगी। स्टालिन ने केंद्रीय कानूनों में राज्य के संशोधनों पर विचार-विमर्श के लिए राज्य सचिवालय में एक उच्च-स्तरीय परामर्शदात्री बैठक की अध्यक्षता करने के बाद अधिकारियों को मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एम सत्यनारायणन की एकल समिति गठित करने का निर्देश दिया था। यह समिति नए कानूनों की स्पष्ट रूप से जांच करेगी, राज्य स्तर पर अधिवक्ताओं सहित सभी हितधारकों के साथ परामर्श करेगी और एक महीने के भीतर राज्य सरकार को एक रिपोर्ट (राज्य-स्तरीय संशोधनों पर) सौंपेगी।

सीएसआर फंड से हो रहा प्राथमिक विद्यालयों का कायाकल्प

महाराजगंज के दो प्राइमरी विद्यालयों का हो रहा मेकओवर

लखनऊ, 09 जुलाई (एजेंसियां)। शिक्षा के आधुनिकीकरण को लेकर सीएम योगी के प्रयास अब मूर्त रूप ले रहे हैं।

बड़ी-बड़ी निजी कंपनियां अपने सीएसआर फंड के माध्यम से योगी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन कायाकल्प से जुड़कर विद्यालयों को वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से लैस करने के लिए आगे आ रही हैं। इसी क्रम में टाटा की एयर इंडिया सैट्स अपने सीएसआर फंड से प्रदेश के प्राइमरी विद्यालयों का कायाकल्प कर रही है, जिसमें एक पूरी तरह बनकर तैयार है तो दूसरा भी जल्द बनकर तैयार हो रहा है। जनपद महाराजगंज में निर्मित इन प्राइमरी विद्यालयों को वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। किचन से लेकर क्लासरूम, स्मार्ट क्लास तक की सभी सुविधाएं किसी ब्रांडेड प्राइवेट स्कूल की तर्ज पर बनाई गई हैं। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने प्रदेश के प्राइमरी स्कूलों को विभिन्न पैरामीटर्स पर आधुनिक बनाने के लिए मिशन कायाकल्प की शुरुआत की थी। सरकार की ओर से निजी कंपनियों को भी इस योजना से जुड़कर सहयोग करने की अपील की गई थी।

एआई सैट्स ने महाराजगंज के दो प्राइमरी स्कूलों के कायाकल्प का जिम्मा उठाया है। इसके लिए उसने जिला प्रशासन को 45 लाख रुपए मुहैया कराए हैं। इस धनराशि से चौक क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय सोनाड़ी खास व प्राथमिक विद्यालय चौक छावनी को वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। इनमें से एक प्राथमिक विद्यालय छावनी के कायाकल्प का कार्य पूर्ण हो चुका है। प्राथमिक विद्यालय का यह बदला हुआ स्वरूप लोगों को अचंभित कर रहा है। इसकी दीवारों पर वुड फर्निशिंग कराई गई है। कंप्यूटर, इंट्रैक्टिव पैनल, स्मार्ट क्लास, फर्नीचर आदि सुविधा मुहैया कराकर दोनों विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया गया है।

जिन 19 पैरामीटर पर इन स्कूलों को सुधारा गया है, उसमें पेय जल, ब्लैक बोर्ड, फर्नीचर, शौचालय, नल से जल, रंगाई पुताई, साइंस लैब, लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब शामिल है।

एआई सैट्स के अधिकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश में शिक्षा और उससे जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की गुणवत्ता को सुधारने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई पहल कायाकल्प के तहत इन दोनों स्कूलों का चयन किया गया है। चयनित जिला वंचित और पिछड़ा हुआ है और यहीं पर कंपनी ने बीते दिनों जॉब फेयर का भी आयोजन किया था। इन दोनों स्कूलों के कायाकल्प की परियोजना पर कुल 45 लाख रुपए की लागत आएगी। इन स्कूलों के मेकओवर का उद्देश्य शिक्षा को बढ़ावा देना है। एआई सैट्स का प्रयास सुविधा के अभाव में स्कूल नहीं आने वाले विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाना है। साथ ही, स्मार्ट और ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, खेल सुविधाओं की स्थापना के माध्यम से खेलने के साथ-साथ अच्छे स्वास्थ्य के साथ सीखने को बढ़ावा देना, छात्रों के बीच पढ़ने और पुस्तकालय की आदतों को बढ़ावा देने के लिए पुस्तकालय का निर्माण करना, स्कूलों में स्वच्छता में भाग लेने के लिए अधिक से अधिक बालिकाओं को आकर्षित करना शामिल है। वहीं, शौचालय का निर्माण,चारदीवारी की बाड़ लगाना और ज्ञानवर्धक वॉल पेंटिंग के जरिए छात्रों के लिए पढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना भी इसका उद्देश्य है।

कई बड़ी सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएं अपने सीएसआर फंड के माध्यम से शिक्षा विभाग के मिशन कायाकल्प में सहयोग कर रही हैं। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार, प्रदेश में 75 संस्थाओं ने सीएसआर फंड के तहत 18 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा राशि का सहयोग किया है। इसमें किसी ने स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के लिए, किसी ने स्मार्ट क्लास के लिए सहयोग किया है। वहीं, सीएसआर के माध्यम से कंप्यूटर/साइंस लैब, फर्नीचर, झूले और आरओ भी लगवाए गए हैं। कुछ संस्थाओं ने खुद इन्फ्रास्ट्रक्चर मुहैया कराया है तो कुछ ने इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए धनराशि प्रदान की है।

यूपी का आम और बनेगा खास

आम के पेड़ों छंटाई के लिए अब अनुमति की जरूरत नहीं

सीएम योगी सरकार के फैसले से बागवानों को बड़ी राहत

लखनऊ, 09 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी का आम अब और खास बनेगा। इसका श्रेय योगी सरकार द्वारा चंद माह पहले लिए गए एक फैसले को जाता है। फैसले के तहत अब आम उत्पादकों को आम के पुराने वृक्षों के जीर्णोद्धार हेतु पेडों की ऊंचाई कम करने और उनकी उत्पादकता बनाये रखने हेतु की जाने वाली काट-छांट के लिए किसी सरकारी विभाग से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। इस फैसले से आम के पुराने बागों का कैनोपी प्रबंधन आसान हो गया है। इसका नतीजा आने वाले कुछ वर्षों में दिखेगा। कैनोपी प्रबंधन के कारण आम के पुराने बाग नए सरीखे हो जाएंगे। फलत अच्छी होने से उत्पादन तो बढ़ेगा ही, फलों की गुणवत्ता भी सुधरेगी। इससे निर्यात की नई संभावनाओं के द्वार भी खुलेंगे।

उल्लेखनीय है कि आम उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण फलों में से एक है। प्रदेश में 2.6 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में आम की खेती से 45 लाख टन आम पैदा होता है। प्रदेश में चालीस वर्ष से अधिक उम्र के बगीचे लगभग 40 फीसद (लगभग 1 लाख हेक्टयर) हैं। इन बागों में पुष्पन और फलत के लिए जरूरी नई पत्तियों और टहनियों की संख्या कम हो चुकी हैं। लम्बी और मोटी-मोटी शाखाओं की ही अधिकता है। आपस में फंसी हुई शाखाओं के कारण बागों में पर्याप्त रौशनी का सर्वथा अभाव है। ऐसे पेड़ों में कीट और बीमारियों का प्रकोप अधिक है और दवा अधिक लगने के साथ दवा का छिडकाव भी मुश्किल है। आम के भुनगे और थ्रिप्स के नियंत्रण के लिये छिडकी गई दवा अंदर तक नहीं पहुच पाती है। दवा की अधिक मात्रा से छिडकाव करने पर पर्यावरण भी प्रदूषित होता है। ऐसे बागों की उत्पादकता बमुश्किल 7 टन तक मिल पाती है जबकि एक बेहतर प्रबंधन वाले प्रति हेक्टेयर आम के बाग से 12-14 टन उपज लेना संभव है।

इन्हीं तथ्यों का ध्यान रखते हुए केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान ने आम के ऐसे वृक्षों के जीर्णोद्धार हेतु उचित काट-छांट की तकनीक विकसित की है जिससे वृक्ष का छत्र खुल जाता है और पेड की ऊंचाई भी कम हो जाती है। इसे वृक्ष की तृतीयक शाखाओं की काट-छांट या टेबल टॉप प्रूनिंग भी कहा जाता है। इस प्रकार की काट-छांट से पेड़ 2-3 साल में ही 100 किलोग्राम/वृक्ष का उत्पादन देने लगता है। उत्तर प्रदेश के लिए आम बेहद खास है। रकबे और उत्पादन में इसका नंबर देश में प्रथम है। यहां के दशहरी, लंगड़ा, चौसा, आम्रपाली, गौरजीत आदि की अपनी बेजोड़ खुशबू और स्वाद है। चूंकि डबल इंजन की सरकार के लिए किसानों, बागवानों का हित सर्वोपरि है इसलिए इनकी आय बढ़ाने के लिए सरकार लगातार प्रयास भी कर रही है। इसी क्रम में योगी सरकार ने ये फैसला लेकर बागवानों को बड़ी राहत दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मंगलवार को उनके सरकारी आवास पर उत्तराखंड के पूर्व सीएम एवं मौजूदा सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शिष्टाचार भेंट की।

हाथरस हादसे में एसआईटी की रिपोर्ट के बाद बड़ा एक्शन

एसडीएम, सीओ और तहसीलदार समेत छह निलंबित

लखनऊ, 09 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस हादसे की जांच के लिए गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) द्वारा 300 पन्नों की जांच रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद सरकार ने एसडीएम समेत छह अधिकारियों को कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया है। सिकंदरामऊ के तहसीलदार को भी निलंबित कर दिया गया है। 2 जुलाई को साकार विश्व हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ के बाद 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले की जांच के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

हाथरस प्रकरण अब सुप्रीम कोर्ट चला गया है। अब इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होगी।

भगदड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई की मांग की गई थी। जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि सत्संग का आयोजन कराने वाली कमेटी की लापरवाही के कारण हादसा हुआ है। इसके अलावा प्रशासन पर भी सवालिया निशान उठे हैं। हालांकि रिपोर्ट में भोले बाबा का ज़िक्र नहीं है। जानकारी के मुताबिक एसआईटी की इस रिपोर्ट में 119 लोगों के बयान भी दर्ज किए गए हैं।

जांच कर रही टीम में एडीजी आगरा जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ और अलीगढ़ कमिश्नर चैत्रा वी शामिल थीं।

एसआईटी ने कहा है कि मामले में गहन जांच की भी जरूरत है, जिससे घटना से जुड़े कुछ बड़े खुलासे होने का अंदेशा लगाया जा सकता है। एसआईटी ने अपनी जांच के दौरान यूपी पुलिस के कई आला अधिकारियों से भी पूछताछ की थी। जिनमें हाथरस के डीएम आशीष कुमार और एसपी निपुण अग्रवाल का नाम भी था। एसआईटी के खुलासे में बड़ी बाद सत्संग में जुटे लोगों की संख्या से जुड़ी थी। एसआईटी ने कहा है कि सत्संग में 2 लाख से अधिक लोग पहुंचे थे, जबकि अधिकारियों ने करीब 80,000 लोगों के लिए अनुमति मांगी थी। 2 जुलाई को जिस दिन भगदड़ हुई, उस दिन ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों के बयान भी शामिल किए गए हैं। सआईटी रिपोर्ट में पीड़ित परिवारों के बयान भी शामिल हैं। इससे पहले, उत्तर प्रदेश न्यायिक आयोग की टीम ने हाथरस भगदड़ मामले में कई प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उप जिला मजिस्ट्रेट सिकन्दराराऊ ने बिना कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किए कार्यक्रम की अनुमति दे थी। अगर प्रशासन मुस्तैद होता तो इस तरह की घटना को होने से रोका जा सकता था। आयोजकों पर भी कार्रवाई होने की पूरी संभावना है क्यों सबसे ज्यादा लापरवाही बरतने में उनका हाथ सबसे ज्यादा है।

हाथरस हादसा : भोले बाबा समेत 20 ढोंगी होंगे ब्लैक लिस्ट

13 अखाड़ों का साझा निर्णय

प्रयागराज, 09 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस कांड से सुर्खियों में आए नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा समेत 20 ढोंगी बाबाओं को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। सभी 13 अखाड़ों ने यह निर्णय लिया है। कुंभ मेला प्रशासन के साथ 18 जुलाई को होने जा रही बैठक में अखाड़ा परिषद की ओर से इसका प्रस्ताव रखा जाएगा। मेला अधिकारी को कहा जाएगा कि इन ढोंगी स्वयंभू बाबाओं को मेले में भूमि और सुविधाएं न दी जाएं।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी के मुताबिक भोली भाली जनता को भ्रमित कर अपने भक्तिजाल में फंसाने वाले तरह-तरह के रूपों वाले पाखंडी बाबाओं की सूची अखाड़ा परिषद ने तैयार कर ली है। ऐसे ढोंगी बाबाओं को महाकुंभ में अपनी दुकानें नहीं सजाने दी जाएंगी। इस बारे में सभी 13 अखाड़ों के प्रतिनिधियों की सहमति बन चुकी है कि पाखंडी बाबाओं की सूची जारी की जाए। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने बताया कि खुद को त्रिकालदर्शी, भगवान, परमब्रह्म और ईश्वरीय अवतार बताकर जनता को ठगने वाले बाबाओं को काली सूची में डाला जा रहा है। इनमें नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा, सेक्स सीडी कांड में फंसने के बाद दक्षिणी अमेरिका के इक्काडोर में अलग देश बसाने का दावा करने वाले स्वामी नित्यानंद, बाबा राम रहीम समेत 20 से अधिक बाबा शामिल हैं। अखाड़ा परिषद का मानना है कि संतों को लोक हित और परोपकार के जरिए समाज में संस्कार और मर्यादा का वातावरण पैदा करना चाहिए। इसके विपरीत ढोंगी बाबा समाज को अंध विश्वास और पाखंड के जाल में फंसाकर गुमराह कर रहे हैं।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि ने कहा, नारायण साकार हरि खुद को परम ब्रह्म बताता है। वह कहता है कि वही ब्रह्मा, विष्णु, महेश है। वह जब चाहेगा प्रलय कराकर सृष्टि को मिटा देगा। ऐसे 20 ढोंगी बाबाओं की सूची शासन को दी जा रही है, ताकि उन्हें महाकुंभ में भूमि-सुविधाओं से वंचित किया जा सके।

एसआईटी रिपोर्ट में पाखंडी बाबा को क्लीन चिट?

अलीगढ़, 09 जुलाई (एजेंसियां)। हाथरस हादसे के मूल कारणों और लापरवाही उजागर करने के लिए गठित की गई एसआईटी ने 855 पेज की अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। एडीजी आगरा-कमिश्नर अलीगढ़ की संयुक्त एसआईटी की रिपोर्ट में दक्षिण के कुछ राज्यों के नंबर, कुछ अधिकारी-कर्मचारी, सेवादार-आयोजक इस पूरे घटनाक्रम के लिए जिम्मेदार ठहराए गए हैं।

दो जून की दोपहर हुए इस हादसे के बाद ही मुख्यमंत्री स्तर से एसआईटी जांच का आदेश जारी किया गया था। एसआईटी ने 132 लोगों के बयान दर्ज किए। हाथरस हादसे की जांच रिपोर्ट में हादसे के कारणों, अनदेखी, लापरवाही और जवाबदेही आदि तथ्यों को गोपनीय रखा गया है। दक्षिण के कुछ राज्यों के नंबर, कुछ अधिकारी-कर्मचारी, सेवादार-आयोजक इस पूरे घटनाक्रम के लिए जिम्मेदार ठहराए गए हैं। लेकिन पाखंडी बाबा को बेलाग बचा लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि जनपद हाथरस के सिकन्दराराऊ में बीते 02 जुलाई को सत्संग के दौरान घटित हादसे के तत्काल बाद गठित एडीजी जोन आगरा और मंडलायुक्त अलीगढ़ की एसआईटी ने 02, 03 और 05 जुलाई को घटना स्थल का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान कुल 125 लोगों का बयान लिया गया, जिसमें प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ आम जनता एवं प्रत्यक्षदर्शियों का बयान भी लिया गया। इसके अलावा, घटना के संबंध में प्रकाशित समाचार की प्रतियां, स्थलीय विडियोग्राफी, छायाचित्र, विडियो क्लिपिंग का संज्ञान लिया गया।

जांच समिति की रिपोर्ट में हादसे के लिए कार्यक्रम आयोजकों को मुख्य रूप से जिम्मेदार माना है। जांच समिति ने अब तक हुई जांच और कार्रवाई के आधार पर हादसे के पीछे किसी बड़ी साजिश से भी इंकार नहीं किया है और गहन जांच की जरूरत बताई है। जांच समिति ने कार्यक्रम आयोजक तथा तहसील स्तरीय पुलिस व प्रशासन को भी दोषी पाया है। स्थानीय एसडीएम, सीओ, तहसीलदार, इंस्पेक्टर, चौकी इंचार्ज द्वारा अपने दायित्व का निर्वहन करने में लापरवाही के जिम्मेदार हैं। उप जिला मजिस्ट्रेट सिकन्दराराऊ द्वारा बिना कार्यक्रम स्थल का मुआयना किये आयोजन की अनुमति प्रदान कर दी गई और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत भी नहीं कराया। उक्त अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम को गंभीरता से नहीं लिया गया और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत भी नहीं कराया गया। एसआईटी ने संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की है। तदक्रम में, उप जिला मजिस्ट्रेट सिकन्दराराऊ, पुलिस क्षेत्राधिकारी सिकन्दराराऊ, थानाध्यक्ष सिकन्दरराऊ, तहसीलदार सिकन्दराराऊ, चौकी इन्चार्ज कचौरा एवं चौकी इन्चार्ज पोरा को शासन द्वारा निलंबित कर दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया कि आयोजकों ने तथ्यों को छिपाकर कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति ली। अनुमति के लिए लागू शर्तों का अनुपालन नहीं किया गया। आयोजकों द्वारा अप्रत्याशित भीड़ को आमंत्रित कर पर्याप्त एवं सुचारु व्यवस्था नहीं की गई। न ही कार्यक्रम के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा दी गई अनुमति की शर्तों का पालन किया गया।

आयोजक मंडल से जुड़े लोग अव्यवस्था फैलाने के दोषी पाए गए हैं। इनके द्वारा जिन लोगों को बिना विधिवत पुलिस वेरिफिकेशन के जोड़ा गया, उनसे अव्यवस्था फैली। आयोजक मंडल द्वारा पुलिस के साथ दुर्व्यवहार किया गया। स्थानीय पुलिस को कार्यक्रम स्थल पर निरीक्षण से रोकने का प्रयास किया गया। सत्संगकर्ता और भीड़ को बिना सुरक्षा प्रबंध के आपस में मिलने की छूट दी गई। भारी भीड़ के दृष्टिगत यहां किसी प्रकार की बैरीकेटिंग अथवा पैसेज की व्यवस्था नहीं बनाई गई थी और हादसा घटित होने पर आयोजक मंडल के सदस्य घटना स्थल से भाग गए।

संपादकीय

सार्वजनिक एस्टेट प्राधिकरण

राज्य की संपत्तियों में इजाफा करने की जरूरत का एक तर्क दिल्ली में हिमाचल भवन और सदन के बाद द्वारका में डेढ़ सौ कमरों की क्षमता में पूरा होने जा रहा है। कुछ इसी तरह की वकालत में गुजरात व हरिद्वार में हिमाचल भवन जबकि चंडीगढ़ में भी एक शाही ठिकाना बनेगा। जरूरतें मंजिलें और मकसद चुनती हैं, कई बार मंजिल पे आ के जरूरत मिल जाती है। हिमाचल के ओहदों, प्रभावशाली लोगों और राज्य के कसीदों में ऐसे भवनों का नाम होता है, वरना प्रदेश में दो हजार के करीब डाक बंगले क्यों तैयार होते। हिमाचल भवन अपने आप में एक वीआईपी तस्वीर है, जो नेता, मीडिया, अधिकारी से प्रशासनिक अधिकारी के लिए एक चुनिंदा सुविधा है, वरना आम जनता के लिए जिला मुख्यालयों की दौड़ या राजधानी शिमला का सफर चुनौती बन जाता है। बेशक इस संदर्भ में नए भवन, नए आश्रय स्थल और नए मुकाम स्थापित होने चाहिएं। आम जनता के लिए हर जिला मुख्यालय में उसके आकार के अनुरूप संयुक्त विश्राम गृह की व्यवस्था होनी चाहिए। हर विभाग के अलग-अलग डाक बंगले बनाने से कहीं बेहतर है कि जिला स्तर पर पचास से सौ कमरों तक का संयुक्त विश्राम गृह बनाकर इनका संचालन पर्यटन निगम या पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत किया जाए। दरअसल हिमाचल में विभागीय इमारतों के निर्माण, देखरेख या उनके सही इस्तेमाल के लिए एक आचार संहिता तथा एक राज्य स्तरीय एजेंसी चाहिए। प्रायः देखा जाता है कि फंड की अत्यधिक उपलब्धता का गैर जरूरी कार्य पहले से मौजूद सरकारी इमारतों से चस्पां होता है या प्रभावशाली नेता इसकी आमद से अपने घर, गांव या बस्ती में डाक बंगला खड़ा कर देते हैं। इसमें दो राय नहीं कि कई ऐसी लोकेशन पर डाक बंगले बने हैं, जो पर्यटन की अमानत में एक सुखद एहसास हो सकते हैं, लेकिन इनकी बुकिंग प्रक्रिया इतनी भी सरल नहीं कि आम नागरिक या पर्यटक सीधे बुकिंग करा सकें। ऐसे में हिमाचल को सार्वजनिक एस्टेट प्राधिकरण का गठन करके तमाम डाक बंगले, विभागीय इमारतें, मंदिर ट्रस्टों की संपत्तियां व भविष्य की योजनाओं में ऐसे निर्माण के अधिकार की जिम्मेदारी इसके अधीन आनी चाहिए। इससे विभागीय इमारतों व उनके तहत सार्वजनिक जमीन का सही इस्तेमाल होगा तथा व्यर्थ छोड़े गए भवनों की सूरत बदलेगी। सार्वजनिक एस्टेट प्राधिकरण के तहत अंतरराज्यीय संपत्तियों की देखभाल, इस्तेमाल व बुकिंग इत्यादि का एक पारदर्शी और आम हिमाचली के लिए भी सुविधा का प्रावधान होगा। मसलन चंडीगढ़ व दिल्ली में सरकारी बसों की पार्किंग व राज्य के अपने बस स्टैंड की जरूरतें पूरी की जा सकती हैं, तो हिमाचल के अंतरराज्यीय बस रूटों के दृष्टिगत खान-पान, ठहराव व वाहन सुविधाओं से सुसज्जित परिसर निर्मित हो सकते हैं। सार्वजनिक एस्टेट प्राधिकरण की भूमिका में हिमाचल का लैंड बैंक तैयार करना तथा पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरियों के लिए एक स्थायी विंग की स्थापना से कार्य निष्पादन में निरंतरता आएगी। अतीत में हिमाचल की बाहरी राज्यों में अनेक संपत्तियां थीं, उनके विशेष उद्देश्य रहे, लेकिन घाटे पूरे करने के लिए सबसे पहले नाहन फाउंडरी, फिर एचपीएमसी, विश्वविद्यालय और कुछ अन्य विभागों ने बोली लगा दी। ऐसे में अगर सार्वजनिक एस्टेट प्राधिकरण जैसी एजेंसी होती तो प्रदेश इनका उपयोग कई उद्देश्यों और कई विभागों के लिए कर सकता था। हिमाचल में अलग-अलग विभाग और निगम-बोर्ड संपत्तियों की फेहरिस्त में घी निकालते रहते हैं, लेकिन राज्य को इनमें अपनी दौलत नजर नहीं आती। चिकित्सा व पुलिस महकमे को छोडक़र राज्य की सारी संपत्तियों के संचालन की जिम्मेदारी प्राधिकरण को मिलनी चाहिए। यह प्राधिकरण अगर चाहे तो सरकारी कर्मचारियों की आवासीय व्यवस्था के लिए राज्य में कुछ कर्मचारी नगर विकसित कर सकता है। मसलन सोलन-शिमला के बीच, ऊना-हमीरपुर के बीच, पालमपुर-धर्मशाला के बीच या मंडी-बिलासपुर के बीच अगर कर्मचारी नगर बसें, तो यह शहरीकरण, यातायात व्यवस्था, रोजगार तथा प्रदेश के भविष्य को संबोधित करेंगे, जबकि जमीन का भी बेहतर इस्तेमाल होगा। प्राधिकरण हर शहर में भूमि बैंक बनाने की दिशा में सार्वजनिक, वन तथा निजी भूमि के मसलों का हल निकाल कर एक स्थायी रास्ता निकाल सकता है।

> आम जनता के लिए हर जिला मुख्यालय में उसके आकार के अनुरूप संयुक्त विश्राम गृह की व्यवस्था होनी चाहिए। हर विभाग के अलग-अलग डाक बंगले बनाने से कहीं बेहतर है कि जिला स्तर पर पचास से सौ कमरों तक का संयुक्त विश्राम गृह बनाकर इनका संचालन पर्यटन निगम या पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत किया जाए। दरअसल हिमाचल में विभागीय इमारतों के निर्माण, देखरेख या उनके सही इस्तेमाल के लिए एक आचार संहिता तथा एक राज्य स्तरीय एजेंसी चाहिए। प्राय: देखा जाता है कि फंड की अत्यधिक उपलब्धता का गैर जरूरी कार्य पहले से मौजूद सरकारी इमारतों से चस्पां होता है या प्रभावशाली नेता इसकी आमद से अपने घर, गांव या बस्ती में डाक बंगला खड़ा कर देते हैं।

पर्यटन से विदेशी मुद्रा में आय सालाना आधार पर 27.18 प्रतिशत बढक़र 90600 करोड़ रुपए हो गई

अपार संभावनाओं का पर्यटन सेक्टर

डा. जयंतीलाल भंडारी

> नए बजट के माध्यम से सरकार पर्यटन से आय बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की संभावनाओं को रणनीतिक रूप से आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे सकती है। इन दिनों प्रकाशित हो रही भारत में पर्यटन संबंधी रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में घरेलू और विदेशी पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और भारत में पर्यटन सेक्टर बढऩे की असीम संभावनाएं हैं। ऐसे में भारत अपने बेजोड़ पर्यटन स्थलों पर सुविधाएं और सुंदरता निर्मित करके पर्यटन सेक्टर की ऊंची संभावनाओं को साकार करके पर्यटन से आय को कई गुना बढ़ा सकता है।

इन दिनों वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा तैयार किए जा रहे वर्ष 2024-25 के बजट के तहत देश के घरेलू और विदेशी पर्यटन को मजबूत करने के लिए प्रभावी बजट आबंटन की संभावना उभरकर दिखाई दे रही है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि नए बजट के माध्यम से सरकार पर्यटन से आय बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की संभावनाओं को रणनीतिक रूप से आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे सकती है। इन दिनों प्रकाशित हो रही भारत में पर्यटन संबंधी रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में घरेलू और विदेशी पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और भारत में पर्यटन सेक्टर बढऩे की असीम संभावनाएं हैं। ऐसे में भारत अपने बेजोड़ पर्यटन स्थलों पर सुविधाएं और सुंदरता निर्मित करके पर्यटन सेक्टर की ऊंची संभावनाओं को साकार करके पर्यटन से आय को कई गुना बढ़ा सकता है। हिमाचल प्रदेश में भी घरेलू और विदेशी पर्यटन की असीम संभावनाओं को मुठ्ठी में लेकर हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी जा सकती है। हाल ही में पर्यटन मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी से अप्रैल 2024 के दौरान भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की कुल संख्या 3471833 रही जो एक साल पहले की समान अवधि में 3133751 थी। इन चार महीनों में न केवल भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ी है, वरन इन चार महीनों में पर्यटन से विदेशी मुद्रा में आय सालाना आधार पर 27.18 प्रतिशत बढक़र 90600 करोड़ रुपए हो गई है। ऐसे में अब पर्यटन सेक्टर को मजबूत आधार देकर पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई बढ़ाई जा सकती है। विदेशी पर्यटकों से होने वाले आर्थिक लाभ का अनुमान इस बात से लगा सकते हैं कि एक विदेशी पर्यटक से औसतन 2 लाख रुपए की कमाई होती है। साथ ही पर्यटकों का खर्च स्थानीय अर्थव्यवस्था में पुन: निवेश का काम करता है। पर्यटकों की संख्या बढऩे से रोजगार और पर्यटन से जुड़े विभिन्न उद्योग-कारोबार भी बढ़ते हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत पर्यटन सेक्टर को बढ़ाने वाले विभिन्न मापदंडों के मद्देनजर लगातार प्रगति करते हुए दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में वल्र्ड इकॉनोमिक फोरम ने यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक (टीटीडीआई) 2024 जारी किया है। 119 देशों के इस सूचकांक में भारत 39वें स्थान पर है। इसके पहले टीटीडीआई सूचकांक 2019 में भारत काफी नीचे 54वें स्थान पर था। नए टीटीडीआई सूचकांक में भारत पर्यटन से

जुड़े कई महत्वपूर्ण संसाधन मापदंडों पर प्रमुख पर्यटन प्रधान देशों की सूची में शामिल है। प्राकृतिक मापदंड पर भारत छठे, सांस्कृतिक, कारोबार, चिकित्सा और शिक्षा के लिए यात्रा मापदंडों पर भारत 9वें क्रम पर है। कुछ और ऐसे प्रमुख पर्यटन मापदंड हैं, जिनमें भारत उभर कर दिखाई दे रहा है। इनमें कीमत प्रतिस्पर्धात्मकता के मामले में भारत 18वें, हवाई यातायात की प्रतिस्पर्धात्मकता के मामले में 26वें और जमीनी एवं बंदरगाह बुनियादी ढांचे के मामले में 25वें स्थान पर है। इस पर्यटन सूचकांक के विश्लेषण से यह भी मालूम होता है कि स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण सततता, इंटरनेट कनेक्टिविटी और पर्यटन के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव जैसे मापदंडों पर भी भारत ने प्रगति की है। उल्लेखनीय है कि दुनिया में सबसे अधिक विदेशी पर्यटक प्रमुखतया फ्रांस, स्पेन, अमेरिका, चीन और इटली में जाते हैं। इन प्रमुख वैश्विक पर्यटन देशों के अलावा सिंगापुर, वियतनाम, थाईलैंड, इंडोनेशिया, हांगकांग, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) जैसे देश भी अपनी कुछ विशिष्टताओं से विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के मामले में भारत से बहुत आगे हैं। लेकिन अभी भी दुनिया के विदेशी पर्यटकों की कुल संख्या का कोई दो फीसदी से भी कम हिस्सा ही भारत के खाते में आ रहा है। यद्यपि पर्यटन उद्योग भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 6 फीसदी का योगदान करता है, लेकिन इसमें सिर्फ 8 करोड़ लोगों को ही प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से रोजगार मिला हुआ है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत अपने बेजोड़ पर्यटन स्थलों की शक्ति के दम पर दुनिया के सबसे अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने की संभावनाएं रखता है। लेकिन भारत इस डगर पर बहुत पीछे है। भारत के कई ऐसे अनोखे पर्यटन स्थल हैं, जो देश में टूरिज्म के विभिन्न आयामों को चमकीली पहचान देते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती रही हैं। भारत एक ऐसा देश है जिसके पास हिमालय का सबसे अधिक हिस्सा, विशाल समुद्री तट रेखा और रेत का रेगिस्तान, कच्छ में सफेद नमक रेगिस्तान, लद्दाख में ठंडे रेगिस्तान, देश के कोने-कोने में टाइगर रिजर्व और यूनेस्को के द्वारा चिन्हित धरोहर स्थलों समेत अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान जैसी प्राकृतिक विविधताएं हैं। देश के विभिन्न भागों में तटीय पर्यटन, समुद्र तट पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन स्थल अपनी चिर-परिचित पहचान बनाए हुए हैं और सभी प्रकार के पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार संभावनाएं रखते हैं। इनके अलावा रामायण सर्किट, बुद्ध सर्किट, कृष्णा सर्किट, अयोध्या में राम मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक और वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम जैसे आस्था केंद्रस्थल देश व दुनिया के धार्मिक पर्यटकों के कदमों को असाधारण रूप से आकर्षित कर सकते हैं। नि:संदेह इस समय जहां एक ओर विदेशी पर्यटकों के कदम भारत की ओर धीमी गति से बढ़ रहे हैं, वहीं भारतीय पर्यटकों के कदम विदेशों में पर्यटन के लिए छलांगे लगाकर बढ़ रहे हैं। 4 दिसंबर 2023 को सरकार ने लोकसभा में बताया कि वर्ष 2022 में भारत यात्रा पर आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 85.9 लाख थी। जबकि पिछले वर्ष 2022 में करीब दो करोड़ भारतीय पर्यटकों ने देश से बाहर भ्रमण किया। 23 मई 2024 को प्रकाशित रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय पर्यटकों ने वर्ष 2023-24 में विदेश घूमने पर 17 अरब डॉलर यानी करीब 1.41 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जोकि इसके पूर्व वर्ष 2022-23 में विदेश घूमने पर किए गए व्यय की तुलना में अधिक हैं। इस समय दुनिया में भारतीय पर्यटक विदेशी पर्यटन के लिए क्रम 10वां है, जबकि वर्ष 2027 तक भारत के पर्यटकों का विदेशों में भ्रमण के लिए दुनिया में पांचवें क्रम पर होंगे। निश्चित रूप से जहां एक ओर भारतीयों का विदेश यात्रा करने की तरफ तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू पर्यटन के मद्देनजर नुकसान की तरह है, वहीं देश के विदेशी मुद्रा कोष को घटाने वाला भी है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारतीयों के द्वारा विदेश भ्रमण में किए जा रहे भारी भरकम व्यय की तुलना में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों से भारत की आमदनी बहुत कम है।

दृष्टि कोण

चमत्कारी बाबा की 'चरण रज' का सत्य

पता नहीं आम तथा सामान्य व्यक्ति ढोंगी बाबाओं, अज्ञान, अंधकार तथा अंधविश्वासों के चंगुल से कब मुक्त होगा? धर्मों, पंथों, मतों तथा आस्था के नाम पर लोगों को उनकी जान की कीमत पर भीड़ इक_ा करने का सिलसिला वर्षों से चल रहा है। यह नहीं कहा जा सकता कि सभी बाबा ढोंगी तथा फरेबी होते हैं, लेकिन यह भी सत्य है कि बहुत से लोग धर्म, मत तथा आस्था के नाम पर अपना धंधा चला रहे हैं। बहुत से लोग, गैर सरकारी संगठन मानव कल्याण के लिए बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहे हैं, परंतु सत्य यह भी है कि बहुत से मामलों में यह भी एक काला धंधा बन चुका है। अनेकों ढोंगी साधु तथा बाबा यौन शोषण, हत्याओं तथा संगीन अपराधों के मामलों में जेलों की हवा खा रहे हैं। संगठन के माध्यम से किसी विचार, मत से तथा किसी लालच से अनुयायी बनाना अब आम बात हो गई है। बहुत से मामलों में लोग इन बाबाओं से गुमराह ही होते हैं। अशिक्षा, अज्ञान तथा अन्धविश्वास ही इसका मुख्य कारण है। हजारों तथा लाखों की भीड़ इक_ा कर अपना प्रभुत्व दिखाना, धन उगाही करना, अपने संगठन का शक्ति प्रदर्शन इसका मुख्य उद्देश्य रहता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई भी अपना संगठन खड़ा कर सकता है, अपना विचार फैला सकता है तथा अपने अनुयायियों की फौज खड़ी कर कहीं भी सत्संग, समारोह तथा समागम आयोजित कर सकता है। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में सिकंद्राराऊ क्षेत्र में हाल में एक सत्संग कार्यक्रम में बाबा की चरण रज प्राप्त करने के चक्कर में 121 लोग भगदड़ में मारे गए। इस सत्संग कार्यक्रम में प्रशासन से 80 हजार लोगों के शामिल होने की अनुमति ली गई, जबकि करीब अढ़ाई लाख श्रद्धालु कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। कार्यक्रम के पश्चात भोले बाबा के नाम से मशहूर बाबा के चरणों की धूल प्राप्त करने तथा बाबा के निजी सुरक्षा कर्मियों द्वारा धक्के देने के फलस्वरूप भगदड़ मचने से 121 बेकसूर तथा नासमझ लोगों की जान चले जाना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। आश्चर्य तथा खेदजनक है कि इन मृतकों में 114 महिलाएं शामिल हैं। कुछ मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। बहुत से गंभीर रूप से घायल लोगों का आगरा, अलीगढ़ तथा हाथरस के अस्पतालों में ईलाज चल रहा है। मौत की ऐसी भयावह त्रासदी कोई पहली घटना नहीं है। धर्मस्थलों में भीड़ इक_ी होने, भगदड़ मचने, धक्का-मुक्की होने, पुल टूट जाने, गाडियों की दुर्घटना होने, आयोजन स्थल पर आगजनी होने से टैंट तथा शामियाने जलने, शार्ट सर्किट होने जैसे कारणों से अनेकों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। दु:खद यह है कि हर बार कुछ दिनों के अफसोस, पुलिस केस, जांच समिति गठित होने तथा न्यायालय के मुकद्दमों के अतिरिक्त हम कोई सीख नहीं ले पाए हैं। हमें अपने ऊपर विश्वास ही नहीं रहा, बाबाओं के चमत्कारों तथा आडंबरों के चक्कर में न जाने कितने बेकसूर लोग असमय मौत का शिकार हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस में कभी आरक्षक रहे सूरज पाल यादव को अचानक आध्यात्मिक ज्ञान हो गया। वर्ष 1997 में सूरज पाल ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद अपने घर को ही आश्रम का रूप देकर प्रवचन देने से अपना धंधा शुरू कर दिया। कुछ ही वर्षों में सूरज पाल भोले बाबा तथा चमत्कारी बाबा के नाम से प्रसिद्ध हो गए। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा तथा पंजाब आदि राज्यों में अनेकों भक्तों के बाबा बन गए। भोले बाबा के लिए सत्संग में लोग अपनी परेशानियां लेकर आने लगे, हाथ से छूकर भी बीमारियां दूर होने का चमत्कार होने लगा। बाबा की मार्किट बनती रही। चमत्कार को नमस्कार होने लगा। हैरानी की बात है कि न केवल आम आदमी बल्कि प्रसिद्ध व्यवसायी, उद्योगपति, राजनीतिज्ञ, फिल्मी सितारे तथा वीवीआईपी लोग भी लाभ लेने के लिए इन बाबाओं के चक्कर में रहते हैं। इनके प्रभाव तथा भेड़चाल में आम व्यक्ति इस प्रकार के हादसों का शिकार हो जाते हैं। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। यक्षप्रश्न यह है कि हम कब तक अशिक्षा, अज्ञान तथा अंधविश्वास के प्रभाव में रहेंगे? कब तक ये बाबा लोग सामान्य जन की भावनाओं से खिलवाड़ कर अपना धंधा चलाते रहेंगे? कब तक प्रशासन, व्यवस्थाएं तथा सरकारें बेफिक्र होकर सोई रहेंगी? कब तक समाज वास्तव में शिक्षित तथा जागरूक होगा? ऐसी घटना घटित होने के बाद कुछ दिनों तक आंखें खुली रहने के पश्चात हम फिर से ऐसी घटनाओं के लिए तैयार हो जाते हैं। बहरहाल, अब सूरज पाल सिंह उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा, सत्संग कार्यक्रम के आयोजक देव प्रकाश माथुर तथा अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 110, 126, 223 तथा 238 के तहत मामला दर्ज हो चुका है।

कुछ अलग

सीता स्वयंवर और भगवान परशुराम

अब अपने गुरु विश्वामित्र जी के साथ चलते हुए रामचंद्र जी अपने भाई लक्ष्मण के साथ जनकपुरी पहुंच गए। यहां पर गुरुवर विश्वामित्र जी को पता चला कि राजा जनक अपनी पुत्री सीता के विवाह को लेकर चिंतित हैं। उन्हें इस घटना की भी जानकारी हुई कि किस प्रकार सीता जी ने शिव जी के धनुष को किसी समय विशेष पर उठाकर एक ओर रख दिया था। तब राजा जनक ने यह निश्चय किया था कि वह अपनी पुत्री का विवाह उस राजकुमार के साथ करेंगे जो इस धनुष को तोड़ देगा। इस प्रकार सीता जी का यह स्वयंवर नहीं था अपितु राजा जनक की शर्त के अनुसार होने वाला विवाह था। स्वयंवर में कन्या को अपनी पसंद का वर चुनने का अधिकार होता है, पर जब पिता की यह शर्त हो कि मेरी पुत्री का विवाह उस राजकुमार के साथ होगा जो प्रत्यंचा लगाकर इस धनुष को तोड़ देगा तो उस विवाह को वीर्यशुल्का (मेरी पुत्री का विवाह उसके साथ होगा जो अपने पराक्रम – वीर्य का शुल्क देगा अर्थात प्रमाण देगा) कहा जाता था। यहां पर सीता जी अपने पिता के प्रण के साथ बंधी हुई हैं। यही बात राजा जनक के लिए चिंता का विषय बन गई है कि यदि कोई भी इस धनुष को तोड़ नहीं सका तो क्या उनकी पुत्री अविवाहित ही रह जाएगी?

जब अनेक राजा इस धनुष को तोड़ने में असफल हो गए तब रामचंद्र जी का वहां आगमन राजा जनक के लिए प्रसन्नता का विषय तो था पर उन्हें शंका थी कि यह राजकुमार इस धनुष को तोड़ भी पाएगा या नहीं? परंतु :-

जनक सभा के बीच में, किया धनुष को भंग।
देख वीरता राम की, जनक भी रह गए दंग।।

रामचंद्र जी के इस पराक्रम को देखकर राजा जनक उनके दरबारीजन और उनकी रानी सहित सभी महिलाएं दंग रह गईं ।सबको असीम प्रसन्नता हो रही थी । राजा जनक और उनकी रानी इस बात को लेकर अत्यंत प्रसन्न थे कि अब उनकी पुत्री सीता का विवाह होने जा रहा है। विवाह के कार्य को विधिवत संपन्न करने के लिए विश्वामित्र जी के साथ परामर्श कर राजा जनक ने राजा दशरथ को निमंत्रण भेजा। उसके पश्चात राजा जनक अपने सभी विशिष्ट जनों को साथ लेकर वरयात्रा के रूप में जनकपुरी पहुंच गए। तब राजा जनक ने राजा दशरथ के सामने प्रस्ताव रखा कि यह एक अद्भुत संयोग है कि आपके चार पुत्र हैं और इधर मेरी व मेरे अन्य भाइयों की कुल चार कन्याएं हैं । यह अति उत्तम होगा कि इस समय आपके चारों पुत्रों का विवाह मेरी चारों पुत्रियों के साथ हो। राजा दशरथ ने राजा जनक के इस प्रस्ताव को अन्य विद्वज्जनों की सहमति और सम्मति प्राप्त कर स्वीकार कर लिया।

दशरथ जी बुलवा लिए, किया विवाह संस्कार।
दशरथ जी प्रसन्न थे, मिल गईं वधुएं चार ।।

राजा जनक ने इस समय राजा दशरथ के सम्मान में किसी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी। उन्हें पर्याप्त दान दहेज देकर विदा किया। वाल्मीकि जी ने विवाह संस्कार के समय की तैयारियों का मनोरम चित्रण किया है।

जनक भी प्रसन्न थे, दे दिया बहुत दहेज।
लाख गाय दी दान में, पुष्पों की सजी सेज।।

जिस समय विवाह के उपरांत राजा जनक राजा दशरथ सहित अपने सभी अतिथियों को विदा कर रहे थे, उस समय वहां पर भगवान परशुराम ए उपस्थित हुए। तुलसीदास जी ने परशुराम जी का आगमन उस समय बताया है ,जिस समय रामचंद्र जी ने धनुष तोड़ा था। परंतु मूल रामायण में यही बताया गया है कि अतिथियों को विदा करते समय परशुराम जी उपस्थित हुए थे। इसी बात को प्रमाणिक मानना चाहिए।

सोना , चांदी दान की, मोती, मूंगे खूब।
भगवान परशु आ गए, धारे थे जटाजूट।।

भगवान परशुराम जी के आगमन पर राजा दशरथ अत्यंत चिंतित हो उठे थे। उन्हें इस बात का डर सता रहा था कि कहीं ऐसा ना हो कि भगवान परशुराम जी उनके पुत्रों का वध कर दें, पर ऐसा नहीं हुआ। मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने अपनी विवेकशीलता, धैर्य ,संयम और वीरता का परिचय देते हुए परशुराम जी को ही पराजित कर दिया और वह लज्जित होकर वहां से चले गए।

देश दुनिया से

नेपाल में (अ)पवित्र गठबंधन

> हिमालयी राष्ट्र के लोकतंत्र का दुर्भाग्य यह है, शटल कॉक की मानिंद सियासत अस्थिर है। इधर सोलह वर्षों का सियासी लेखा-जोखा टटोला जाए तो नेपाल में पुष्प कमल दहल प्रचंड की अल्पमत सरकार को हटाकर शेर बहादुर देउबा और केपी शर्मा ओली का नया गठबंधन अब सत्तारूढ़ होने की तैयारी में है। प्रचंड सरकार मे शामिल सीपीएन-यूएमएल के आठ मंत्रियों ने इस्तीफा देकर अपनी मंशा साफ कर दी है, वे अब इस सरकार का संवैधानिक हिस्सा नहीं हैं। इससे पूर्व नेपाली कांग्रेस के मुखिया शेर बहादुर देउबा और सीपीएन-यूएमएल के सुप्रीमो केपी शर्मा ओली ने मिलकर नेपाल में बारी-बारी से सरकार बनाने का फैसला लिया है। ओली गुट के वजीरों के सामूहिक त्यागपत्र के बाद नेपाल में 2022 से काबिज श्री प्रचंड की सरकार अलविदा होने की स्थिति में है।

पड़ोसी मुल्क नेपाल में सियासी लुका-छिपी का खेल बरसों-बरस से जारी है। हिमालयी राष्ट्र के लोकतंत्र का दुर्भाग्य यह है, शटल कॉक की मानिंद सियासत अस्थिर है। इधर सोलह वर्षों का सियासी लेखा-जोखा टटोला जाए तो नेपाल में पुष्प कमल दहल प्रचंड की अल्पमत सरकार को हटाकर शेर बहादुर देउबा और केपी शर्मा ओली का नया गठबंधन अब सत्तारूढ़ होने की तैयारी में है। प्रचंड सरकार मे शामिल सीपीएन-यूएमएल के आठ मंत्रियों ने इस्तीफा देकर अपनी मंशा साफ कर दी है, वे अब इस सरकार का संवैधानिक हिस्सा नहीं हैं। इससे पूर्व नेपाली कांग्रेस के मुखिया शेर बहादुर देउबा और सीपीएन-यूएमएल के सुप्रीमो केपी शर्मा ओली ने मिलकर नेपाल में बारी-बारी से सरकार बनाने का फैसला लिया है। ओली गुट के वजीरों के सामूहिक त्यागपत्र के बाद नेपाल में 2022 से काबिज श्री प्रचंड की सरकार अलविदा होने की स्थिति में है। नेपाल में नया गठबंधन कब काबिज होगा, भारत समेत पूरी दुनिया की नज़र इस पर रहेगी। यह राजनीतिक बदलाव चंद घंटों या चंद दिनों में संभव है, क्योंकि प्रधानमंत्री प्रचंड का साफ कहना है, वह इस्तीफा नहीं देंगे, जबकि प्रचंड गुट के मुताबिक प्रचंड सरकार विश्वास मत का सामना करेगी। नेपाली संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, नेपाली संसद में बहुमत होने वाले प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर बहुमत सिद्ध करना होता है। नेपाली संविधान के अनुच्छेद 76(2) के अनुसार तत्कालीन राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी ने 25 दिसंबर 2022 को सीपीएन-मायोवादी सेंटर के मुखिया पुष्प कमल दहल प्रचंड को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। प्रचंड ने 26 दिसंबर को नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। यह महज संयोग था या इसके भी कुछ सियासी मायने हैं, यह सियासी टीकाकारों के मूल्यांकन का विषय है। इस दिन आधुनिक चीन के संस्थापक माओत्से तुंग की 130वीं जयंती थी। चीन ने प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने पर सबसे पहले न केवल खुशी का इजहार किया, बल्कि लंबे समय से जारी सीमा विवाद को निपटाकर उन्हें रिटर्न गिफ्ट भी दे दिया। संसद में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के नेता के तौर पर उभरे प्रचंड को इस पद पर गंभीर दावेदार नहीं माना जा रहा था। इस चुनाव में नेपाली कांग्रेस 89 सीटों पर कब्जा करके सबसे बड़ी पार्टी बन गयी। नेपाल में 276 सीटों वाले सदन में बहुमत के लिए 138 सीटें हासिल करना अनिवार्य है। सीपीएन-यूएमएल के खाते में 78 सीटें आईं, जबकि प्रचंड की पार्टी को महज 32 सीटों पर ही सफलता मिली। केवल 32 सीट जीतने के बावजूद प्रचंड गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री के पद पर काबिज हो गए। प्रचंड को नेपाल के सबसे बड़े विजयी दल- नेपाली कांग्रेस का साथ मिल गया। यह बेमेल गठबंधन अंततः 15 मार्च 2022 को टूट गया। सियासत के चतुर खिलाड़ी श्री प्रचंड ओली की पार्टी के बूते सरकार बचाने में सफल रहे। करीब-करीब 02 साल में यह तीसरी बार सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक नई सरकार में डेढ़ साल तक केपी शर्मा ओली पीएम बनेंगे, जबकि बचे हुए कार्यकाल पर शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री बनेंगे। पेंडुलम की मानिंद नेपाली सियासी दंगल में हार न मानने वाले प्रधानमंत्री श्री प्रचंड अंत तक सरकार बचाने की जुगत में रहे। उन्होंने इस सियासी संक्रमण काल से उभरने के लिए पहली जुलाई को आपात बैठक बुलाई, लेकिन राजनीतिक हवा को भांपते हुए अंतिम क्षणों में इस बैठक को निरस्त कर दिया। अंततः गठबंधन सरकार को बचाने की सारी कवायद विफल हो गई। इस्तीफा न देने पर अड़े हताश एवम् निराश प्रचंड को नेपाली कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण सलाह देते हैं, बदलते सियासी परिदृश्य के चलते अल्पमत में आई प्रचंड सरकार को खुद इस्तीफा देने की पहल करनी चाहिए, ताकि नेपाल में नए गठबंधन की सरकार स्थापित हो सके। नेपाल में यूं तो संसदीय लोकतंत्र का शंखनाद 1951 में हो गया था, लेकिन इसे नेपाली राजशाही ने 1960 और 2005 में निलंबित कर दिया। 2008 में धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की स्थापना के साथ ही दुनिया की अंतिम राजशाही का अंत हो गया। 2015 में नया संविधान लागू हुआ तो नेपाल संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया। यहां का संविधान बहुजातीय, बहुभाषी, बहुधार्मिक, बहुसांस्कृतिक विशेषताओं से लबरेज है। कहने को तो, नेपाल और भारत में रोटी-बेटी का संबंध है। सियासी भाषा में नेपाल को भारत का लघु भ्राता भी कहा जाता है, लेकिन नेपाल की आयु भारत से दो गुना से भी ज्यादा है। दस्तावेजों के मुताबिक नेपाल का आधिकारिक रूप से गठन 25 सितंबर 1768 में हुआ था। भारत के मानिंद नेपाल कभी भी उपनिवेशिक बंधन में नहीं रहा है, जबकि भारत का आधिकारिक गठन 15 अगस्त 1947 में हुआ। नेपाल भारत से 178 वर्ष, 10 महीने और 21 दिन बड़ा है।

आप का नजरिया

गुमराह-भ्रम की राजनीति

राजद अध्यक्ष लालू यादव ने भविष्यवाणी की है कि मोदी सरकार अगस्त में गिर जाएगी। यह हास्यास्पद और बचकाना बयान है। लालू अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे कि वे बिहार में चुनाव के लिए तैयार रहें। कभी भी चुनाव घोषित किए जा सकते हैं। लालू की यह भविष्यवाणी इसलिए प्रहसन का विषय है, क्योंकि संदर्भ देश की सरकार का है। लालू ने कभी भी गंभीर राजनीति नहीं की, लिहाजा इस बार भी उनके बयान को 'मुंगेरी लाल के सपने' जैसा लेना चाहिए। बहरहाल आम चुनाव का जनादेश बीती 4 जून को सार्वजनिक किया गया और 9 जून को प्रधानमंत्री समेत कैबिनेट के अन्य सदस्यों ने शपथ ग्रहण की। इस संपूर्ण प्रक्रिया में लालू की पार्टी के 4-5 सांसद ही हैं। यदि 'इंडिया' को विपक्षी गठबंधन की एकजुट ईकाई मान लिया जाए, तो उनके पाले में 233 सांसदों का समर्थन है। सरकार बनाने के लिए कमोबेश 272 सांसद होने चाहिए। 'इंडिया' का 233 वाला आंकड़ा भी सवालिया है, क्योंकि ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने कथित 'इंडिया' के खिलाफ ही चुनाव लड़ा था। तृणमूल के 29 सांसद जीत कर लोकसभा में आए हैं। तृणमूल की तरफ से किसी भी नेता ने अधिकृत घोषणा नहीं की है कि अब पार्टी 'इंडिया' का घटक दल है। इसके अलावा, 'आम आदमी पार्टी' (आप) के साथ कांग्रेस का गठबंधन धूप-छांव जैसा है। कभी उजाला, तो कभी अंधेरा... ! कांग्रेस ने घोषणा की है कि अक्तूबर में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव वह अकेले ही लड़ेगी। 'आप' के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। 'आप' के तीन लोकसभा सांसद संसद के भीतर 'इंडिया' का कितना समर्थन करते रहेंगे, यह भी सवालिया और आशंका है। इस तरह लोकसभा में विपक्षी सांसदों की संख्या 200 के करीब होती है। उसमें भी प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के 98 सांसद हैं और लालू के राजद का अस्तित्व तो 'नगण्य' है। दरअसल यह गुमराह करने, भ्रम फैलाने की राजनीति है। विपक्ष में लालू यादव ने ही मोदी सरकार के पतन का बयान नहीं दिया है, बल्कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी अक्सर दावा करते रहते हैं कि मोदी सरकार को जनादेश नहीं मिला है, वह बैसाखियों के सहारे है, लिहाजा कभी भी गिर सकती है। सवाल यह भी है कि क्या आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं टीडीपी अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री एवं जद-यू के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने कांग्रेस या लालू यादव से यह साझा किया है कि वे एनडीए में नाखुश और बेचैन हैं? क्या उन्होंने 'इंडिया' में शामिल होने के संकेत भर दिए हैं? क्या कांग्रेस और पूरा 'इंडिया' गठबंधन आंध्र और बिहार की आर्थिक विपन्नता की भरपाई कर सकते हैं? क्या वे उन दोनों राज्यों को 'आर्थिक पैकेज' मुहैया करा सकते हैं? बिल्कुल असंभव स्थिति है। चंद्रबाबू ने हालिया दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से रूबरू बात की है और कई मंत्रियों से भी मुलाकात की है। नायडू ने अपनी जरूरतों से केंद्र सरकार को अवगत करा दिया होगा। आंध्र को मोदी सरकार ही विशेष अनुदान दे सकती है।

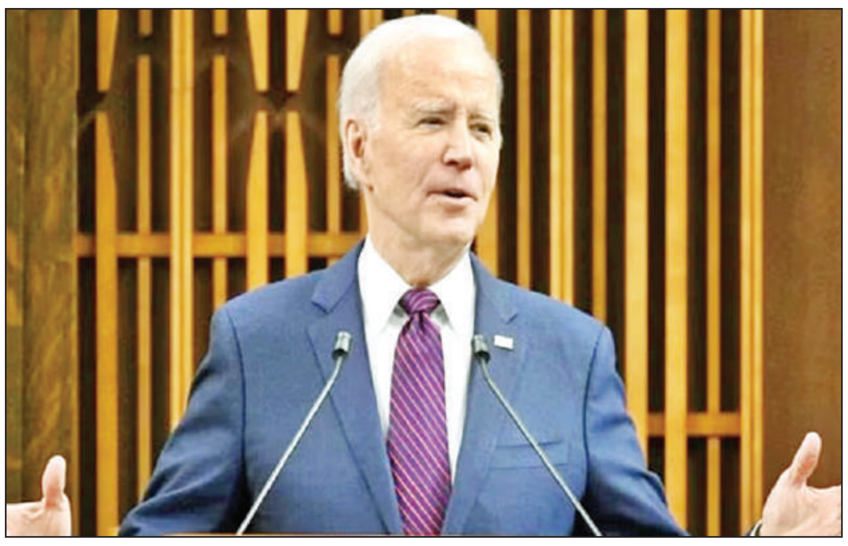

हिंद-प्रशांत में नाटो और मित्र देशों के बीच साझेदारी को बढ़ावा दे रहा अमेरिका, व्हाइट हाउस का बयान

वॉशिंगटन, 09 जुलई (एजेंसियां) । व्हाइट हाउस ने नाटो शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका नाटो गठबंधन और विश्व भर के मित्र देशों के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित कर रहा है, विशेष रूप से उन देशों के साथ जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हैं।

38 देशों के नेता अमेरिका में

पहले नाटो शिखर सम्मेलन की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के लिए 38 विभिन्न देशों के नेता वाशिंगटन में एकत्र हुए हैं। इसमें यूक्रेन, जापान, न्यूजीलैंड और कोरिया गणराज्य सहित सभी नाटो सहयोगियों के साथ-साथ नाटो साझेदारों के नेता भी शामिल हैं। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा, राष्ट्रपति ने नाटो गठबंधन और विश्व भर के मित्र देशों, विशेषकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के बीच अधिक साझेदारी को भी प्रोत्साहित किया है। राष्ट्रपति जानते हैं कि हम सभी के सामने मौजूद वैश्विक खतरे और चुनौतियां एक-दूसरे से अभिन्न रूप से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रपति ने हमारे नाटो सहयोगियों को भी आपसी रक्षा में महत्वपूर्ण निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया है। जब बाइडन-हैरिस प्रशासन ने पदभार संभाला था, तब केवल नौ नाटो सहयोगी अपने सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम दो प्रतिशत रक्षा पर खर्च कर रहे थे।

नाटो इतिहास का सबसे मजबूत रक्षात्मक गठबंधन

किर्बी ने कहा कि 75 वर्षों से उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने अमेरिकी लोगों की सुरक्षा करने तथा विश्व को कम खतरनाक स्थान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि नाटो इतिहास का सबसे मजबूत रक्षात्मक गठबंधन है और पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व के कारण आज यह पहले से कहीं अधिक बड़ा, मजबूत, बेहतर संसाधन वाला और एकजुट है। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने कहा, उन्होंने दो नए सदस्यों स्वीडन और फिनलैंड का स्वागत करके गठबंधन का विस्तार करने के लिए कड़ी मेहनत की है। इस सप्ताह आधिकारिक तौर पर स्वीडन का स्वागत करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय मूल के शख्स ने चार साल पहले किया था 17 साल की बच्ची से दुष्कर्म द्य अब मिली 13 साल की सजा

सिंगापुर । सिंगापुर में भारतीय मूल के एक बार मालिक को 13 साल और चार सप्ताह जेल की सजा सुनाई गई। दरअसल, शख्स 17 साल की एक बच्ची से दुष्कर्म करने का दोषी पाया गया। तीसरे आरोप में भी गुनाह कबूल एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 42 वर्षीय राज कुमार बाला को पीड़िता से दुष्कर्म और छेड़छाड़ के आरोप में दोषी ठहराया गया और उसने बाल एवं युवा व्यक्ति अधिनियम के तहत भगोड़े व्यक्ति को शरण देने के तीसरे आरोप में अपना गुनाह भी कबूल कर लिया। अब मांग रहे जमानत बचाव पक्ष के वकील रमेश तिवारी ने कहा कि उनके मुवक्किल के खिलाफ और भी लंबित मामले हैं, जिनकी सुनवाई पूरी नहीं हुई है। जबतक मामले में सुनवाई पूरी नहीं होती उन्हें जमानत दे दी जाए। सिंगापुर के एक गर्ल्स होम से भागी थी लड़की अदालत में बताया गया कि करीब चार वर्ष पहले फरवरी में पीड़िता 17 साल की थी, जब वह सिंगापुर के एक गर्ल्स होम से भाग गई थी। उसे एक अन्य भागी लड़की से होटल, मोटल और भोजनालयों के लिटिल इंडिया परिसर में डनलप स्ट्रीट में बाला के डॉन बार और बिस्ट्रो में नौकरी के अवसर के बारे में पता चला। बताया गया कि यह लड़की भी यहीं काम कर रही थी और इसका भी बाला ने यौन उत्पीड़न किया था। फिलहाल इस मामले में कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पीड़िता नौकरी के लिए साक्षात्कार देने के लिए बार में गई और बाला से मिली, जिसने उसे काम समझाया। साथ ही बार में अन्य लड़की के साथ रहने की इजाजत दे दी। पीड़िता ने कुछ दिनों तक बार में काम किया। मगर फिर पुलिस को फरार लोगों के बारे में गुप्त जानकारी मिली। उन्होंने 22 फरवरी, 2020 के शुरुआती घंटों में जगह पर छापा मारा। पीड़ित छापा कार्रवाई से बचने के लिए अन्य लड़की के साथ भाग गई। बाद में बाला ने दोनों को कार में बैठाया और उन्हें अपने कोंडोमिनियम में ले गया। वहां उसने दोनों लड़कियों को खूब शराब पिलाई। बाद में नशे की हालत में पीड़िता का दुष्कर्म किया। जबकि दूसरी लड़की के साथ भी गलत काम किया। पीड़िता ने कोंडोमिनियम छोड़ दिया। जुलाई 2020 में खुद को गर्ल्स होम में आत्मसमर्पण कर दिया।

बाइडन का पार्किंसंस का इलाज नहीं किया जा रहा है, व्हाइट हाउस ने दी जानकारी

वॉशिंगटन । व्हाइट हाउस ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जुड़ी रिपोर्टों

को लेकर स्थिति स्पष्ट की। व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडन का पार्किंसंस रोग का इलाज नहीं किया जा रहा है। क्योंकि हाल ही में यह रिपोर्ट सामने आई थी कि इस बीमारी में विशेषज्ञता रखने वाले एक डॉक्टर ने पिछले वर्ष में आठ बार व्हाइट हाउस का दौरा किया था। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप के साथ 27 जून को हुई राष्ट्रपति पद के लिए पहली बहस में बाइडन लड़खड़ाते दिखे थे, जिसके बाद से यह चिंता बढ़ गई है कि बाइडन किसी अज्ञात बीमारी से पीड़ित हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, डॉ. केविन कैनार्ड एक न्यूरोलॉजिस्ट होने के साथ ही मूवमेंट विकारों में विशेषज्ञ हैं। हाल ही में उन्होंने पार्किंसंस बीमारी पर एक पेपर प्रकाशित किया है। व्हाइट हाउस विजिटर लॉग से पता चलता है कि डॉ. कैनार्ड ने पिछली गर्मियों से इस साल के वसंत तक आठ बार व्हाइट हाउस का दौरा किया। जिसके बाद व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने प्रेस ब्रीफिंग की। इस दौरान कैरिन ने डॉ. कैनार्ड द्वारा व्हाइट हाउस की यात्रा की पुष्टि करने से इनकार कर दिया।

अब बेफिक्र होकर खाइए टिड्डे, झींगुर जैसे 16 कीड़े, सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने इन्हें बताया सुरक्षित

ओटावा । सिंगापुर के खाद्य नियामक सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने 16 कीड़ों को खाने के लिए सुरक्षित बताया है। इनमें झींगुर, टिड्डा और पतंगा प्रजाति जैसे कीड़े शामिल हैं। झींगुर, टिड्डा और पतंगा प्रजाति इन्सान के खाने योग्य हैं। यह बात सिंगापुर के खाद्य नियामक सिंगापुर खाद्य एजेंसी (एसएफए) ने कही है। एसएफए ने इन कीटों की 16 प्रजातियां को इंसानी खानपान के लिए मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही ये कीड़े बहुजातीय संप्रभु द्वीप देश और नगर-राज्य सिंगापुर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीनी और भारतीय व्यंजनों सहित वैश्विक खाद्य पदार्थों के मशहूर मेन्यू में शामिल हो गए हैं। एसएफए के इस एलान का खानपान के कारोबार से जुड़े लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ये कारोबारी चीन, थाईलैंड और वियतनाम में पैदा होने वाले इन कीड़ों की सिंगापुर में आपूर्ति और खानपान की व्यवस्था करते हैं।

ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने हिज्बुल्ला के प्रति समर्थन दोहराया, इजराइल की आलोचना की

तेहरान, 09 जुलई (एजेंसियां) । ईरान के निव निर्वाचित राष्ट्रपति पेजेशिकियान ने एक बार फिर हिजबुल्ला को समर्थन की बात को दोहराया है। इरानी राष्ट्रपति का यह बयान पहली विदेश नीति टिप्पणियों में से एक है। ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने एक बार फिर से लेबनान के हिज्बुल्ला समूह के लिए इस्लामी गणतंत्र के समर्थन की बात को दोहराया है और साथ ही फलस्तीनियों के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई की निंदा की। हिजबुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह के लिए जारी किया गया बयान इरानी राष्ट्रपति का पहली विदेश नीति टिप्पणियों में से एक था।

इजराइल के बेरूत पर कब्जा करने के बाद बनाया गया था हिजबुल्लाह समूह – ईरान हिजबुल्ला को वित्तीय और सैन्य सहायता प्रदान करता है, जिसे लेबनान के गृह युद्ध के दौरान 1982 में कट्टर दुश्मन इजराइल द्वारा बेरूत पर कब्जा करने के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की पहल पर बनाया गया था। इब्राहिम रईसी की मौत के बाद राष्ट्रपति बने पेजेशकियान ईरान में 19 मई को हेलिकॉप्टर हादसे में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद हुए दूसरे चरण के चुनाव में सुधारवादी नेता और देश में हिजाब के सख्त कानून में कुछ ढील देने के पक्षधर मसूद पेजेशकियान (69) ने जीत दर्ज की है। वह प्रतिद्वंद्वी कट्टरपंथी नेता सईद जलीली को हराकर विजेता घोषित किए गए। पेजेशकियन को 1.63 करोड़ वोट मिले जबकि जलीली को 1.35 करोड़ मत मिले। मसूद को मिले एक करोड़ 63 लाख वोटों में से 50 फीसदी 30 साल से कम उम्र वालों के हैं।

पीएम मोदी ने दी थी बधाई – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मसूद पेजेशकियन को ईरान का राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर बधाई दी थी। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि हमारे लोगों और क्षेत्र के लाभ के लिए हमारे गर्मजोशी भरे और दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हूं।

कट्टर विचारधारा के खिलाफ हैं नए राष्ट्रपति पेजेशकियान – मसूद पजेशकियान ने चुनाव से पहले भी राजनीतिक भाषणों के दौरान कई बार हिजाब की खिलाफत की थी। उन्होंने कई बार कहा है कि वो किसी प्रकार के कट्टरपंथ के खिलाफ हैं, जो संस्कृति के नाम पर बने कानूनों पर सख्ती के साथ पेश आती है। इसी कानून में हिजाब की अनिवार्यता भी आती है, जो 1979 में इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान में लागू हुआ। पेजेशकियन ने कहा, वह इस कानून की सख्ती के खिलाफ हैं।

संघर्ष विराम के प्रयासों को विफल कर रहे नेतन्याहू, हमास का गाजा शांति वार्ता में बाधा डालने का आरोप

यरूशलेम । हमास ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर गाजा में संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत में बाधा डालने का आरोप लगाया। कहा कि किसी समझौते पर पहुंचने के सभी प्रयासों को विफल करने के लिए उन्हें जबरन विस्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, मध्यस्थ मिस्र और कतर इस सप्ताह नई बैठकों की मेजबानी करने वाले थे। बता दें कि फलस्तीनी क्षेत्र में करीब नौ महीने से हमास और इजराइल के बीच युद्ध चल रहा है। तभी से मध्यस्थ संघर्ष विराम के लिए वार्ता कर रहे हैं, लेकिन संघर्ष को समाप्त करने के लिए चली सभी वार्ताएं अभी तक विफल हो चुकी हैं। अब मध्यस्थ फिर से समजौते पर जोर दे रहे हैं। हमास ने एक बयान में कहा, नेतन्याहू हमारे लोगों के खिलाफ अपनी आक्रामकता और अपराधों को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उसके कतर स्थित राजनीतिक नेता इस्माइल हानियेह ने कहा कि उन्होंने गाजा में घटनाओं पर मध्यस्थों के साथ तत्काल संपर्क किया था। हनियेह ने चेतावनी दी थी कि गाजा में जो हो रहा है, उसके विनाशकारी परिणाम बातचीत की प्रक्रिया को एक स्तर पर ला सकते हैं। जानकारी के अनुसार, गाजा शहर में भीषण लड़ाई हुई। इजराइली सेना ने फलस्तीनी क्षेत्र के उत्तर में अपनी निकासी सीमा का विस्तार किया, जिससे हजारों फलस्तीनियों को भागना पड़ा। दूसरी तरफ नेतन्याहू ने एक बयान जारी किया, जिसमें दोहराया कि कोई भी समझौता इजराइल को गाजा में लौटने और युद्ध के सभी लक्ष्यों को प्राप्त होने तक लड़ने की अनुमति देगा। सूत्रों ने मीडिया को जानकारी दी कि सीआईए निदेशक विलियम बर्न्स और इजराइल के मोसाद के प्रमुख डेविड बार्निया दोहा जाएंगे। वह कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी से मुलाकात करेंगे।

मोरक्को की केन्जा लायली बनी दुनिया की पहली मिस एआई, 20 हजार डॉलर का जीता पुरस्कार

मॉस्को, 09 जुलई (एजेंसियां) । मोरक्को की केन्जा लायली दुनिया की पहली मिस एआई बनी हैं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चार्ट में पहला स्थान हासिल किया है। केन्जा लायली ने खुद को बनाने वाली मरियम बेसा के लिए 20,000 डॉलर का ग्रैंड प्राइज भी जीता है। वहीं इस जीत के बाद केन्जा ने इंटरव्यू में कहा कि मैं इंसानों जैसी भावनाओं को महसूस नही कर पाती हूं, लेकिन इसे लेकर वास्तव में मैं काफी उत्साहित हूं।

इंस्टाग्राम पर 190,000 से अधिक फॉलोअर

बता दें कि केन्जा लायली के इंस्टाग्राम पर 190,000 से अधिक फॉलोअर हैं और उनका कंटेंट खाना, संस्कृति, फैशन, सौंदर्य और यात्रा तक जुड़ा हुआ है। जीत के बाद केन्जा लायली ने कहा कि मेरी कोशिश मोरक्को की समृद्ध विरासत का प्रदर्शित करने की रही हैं, जो संस्कृति और प्रौद्योगिकी के एक अनूठे मिश्रण को दर्शाती है।

सात भाषाएं जानती है एआई मॉडल

एआई मॉडल केन्जा लायली सात अलग-अलग भाषाओं में अपने फैन्स के साथ जुड़ने के लिए 24/7 उपलब्ध है। केन्जा का कहना है कि मेरा लक्ष्य अपनी प्रसिद्धि का उपयोग करके महिलाओं को सशक्त बनाना, पर्यावरण की रक्षा करना और एआई के बारे में सकारात्मक जागरूकता फैलाना है। केन्जा ने आगे कहा कि एआई एक ऐसा उपकरण है जिसे मानव क्षमताओं को पूरक बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, न कि उन्हें प्रतिस्थापित करने के लिए। मेरा उद्देश्य भय को दूर करना और मनुष्यों और एआई के बीच स्वीकृति और सहयोग को बढ़ावा देना है।

पुरस्कार जीतने पर भी बहुत गर्व

लायली ने आगे कहा कि मुझे मोरक्को के लिए यह पुरस्कार जीतने पर भी बहुत गर्व है। शिक्षा और सकारात्मक उदाहरणों के माध्यम से, हम अपने समाज में एआई की भूमिका के बारे में अधिक सूचित और आशावादी दृष्टिकोण को बढ़ावा दे सकते हैं। वहीं फीनिक्स एआई की सीईओ बेसा ने बताया, कि यह मोरक्को का गौरव के साथ प्रतिनिधित्व करने का अवसर है। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मोरक्को, अरब, अफ्रीकी और मुस्लिम महिलाओं को उजागर करना। मैं केन्जा लायली के माध्यम से उन विषयों के लिए खड़े होने में सक्षम होने के लिए भी बहुत खुश हूं जो मुझे पसंद हैं। महिला सशक्तिकरण और बहनचारा।

यूक्रेन में बच्चों के अस्पताल समेत पांच जगहों पर रूसी हमला, 30 से ज्यादा लोगों की मौत

कीव, 09 जुलई (एजेंसियां) । रूसी मिसाइलों ने यूक्रेन की राजधानी कीव में बच्चों के एक अस्पताल समेत 5 जगहों पर मिसाइल हमले कर 30 से ज्यादा लोगों की जान ले ली। हमलों में 40 से अधिक मिसाइलें छोड़ी गईं, जिनमें हाइपरसोनिक किंजल मिसाइलें भी शामिल थीं।

मध्य यूक्रेन के शहर क्रिवी रिह में एक हमले में 10 लोग मारे गए। गृह मंत्री इहोरे क्लिमेंको ने कहा, हमले में 154 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कई लोग गंभीर हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, इससे समझना चाहिए कि रूस किस हद तक मानवाधिकारों का दमन कर रहा है

उन्होंने कहा, कीव में ओखमाडाइट बच्चों के अस्पताल में भीषण हमला हुआ, जिसमें कई हिस्से आंशिक रूप से ढह गए। विंग के मलबे के नीचे लोगों की तलाश की जा रही है। यहां हताहतों की 1 संख्या अभी तक ज्ञात नहीं है। ये हमले – वाशिंगटन में तीन दिनी नाटो शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर किए गए, जिसमें विचार होगा कि यूक्रेन को किस तरह अटूट समर्थन दिया जाए।

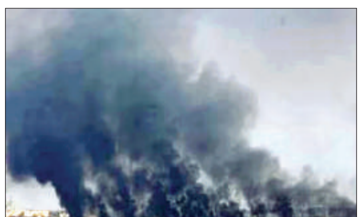

हाइपरसोनिक मिसाइलों का किया गया इस्तेमाल

रूस ने कीव पर कई महीनों में सबसे बड़ी बमबारी की है। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि हमलों में हाइपरसोनिक किंजल मिसाइलें शामिल थीं, जो सबसे उन्नत रूसी हथियार है।

किंजल ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक रफ्तार से उड़ती है, जिससे इसे रोकना मुश्किल हो जाता है। विस्फोटों से शहर की इमारतें हिल गईं। कुछ देर के लिए ऐसा लगा जैसे क्षेत्र में भूकंप आ गया है।

प्रधानमंत्री के ऑस्ट्रिया दौरे पर प्रस्तुति देंगी डॉ. राधा अंजलि, कहा- प्रधानमंत्री की यात्रा से उत्साहित हूं

वियना, 09 जुलई (एजेंसियां) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रिय यात्रा पर भरतनाट्यम नृत्यांगना और ऑस्ट्रो-इंडियन एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ. राधा अंजलि का खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि हम पीएम मोदी की यात्रा से काफी उत्साहित हैं और हमारा समूह प्रधानमंत्री के आगमन पर समारोह में प्रस्तुति देगा। डॉ. राधा अंजलि ने कहा कि यह दोनों के संबंधों के लिए बहुत अच्छा और महत्वपूर्ण है। दोनों देशों के संबंध पहले से काफी अच्चे रहे हैं और यह दोस्ती और प्रगाढ़ होगी। अंजलि ने जानकारी देते हुए बताया कि ऑस्ट्रो-इंडियन एसोसिएशन पिछले 60 सालों से दोनों देशों के बीच मित्रता बढ़ाने का काम कर रही है। अभी जल्द ही हमने 60वीं वर्षगाठ मनाई है। मैं 2008 से एसोसिएशन की अध्यक्ष हूं। हमारा उद्देश्य नृत्य प्रदर्शन, संगीत कार्यक्रम, व्याख्यान के जरिए भारत की संस्कृति को ऑस्ट्रिया में बढ़ावा देना है, जिससे लोग भारत के बारे में जान सकें। ऑस्ट्रियाई होने के नाते मैं जब भारत जाऊंगी तो ऐसा ही प्रदर्शन के जरिए ऑस्ट्रिया की संस्कृति को भारत में भी

प्रदर्शित कर सकती हूं। ऑस्ट्रो-इंडियन एसोसिएशन पिछले 60 वर्षों से दोनों देशों के बीच मित्रता के लिए काम कर रहा है। विभिन्न स्तर और हाल ही में हमारी 60वीं वर्षगांठ है। मैं 2008 से राष्ट्रपति हूं और हम जो काम कर रहे हैं वह नृत्य प्रदर्शन, संगीत कार्यक्रम, व्याख्यान और भारत के बारे में जानकारी के साथ ऑस्ट्रिया में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना है ऑस्ट्रियाई होने के नाते और क्योंकि मैं वहां अपने नृत्य समूह के साथ भी प्रदर्शन करता हूं, यह कुछ ऐसा है जिसे हम ऑस्ट्रिया से भारत में प्रस्तुत कर सकते हैं। 40 साल में पहली बार भारतीय प्रधानमंत्री का ऑस्ट्रिया दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही ऑस्ट्रिया के दौरे पर जाने वाले हैं। यह बीते 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला ऑस्ट्रिया दौरा है। दौरे से पहले पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों में लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून का शासन के साझा मूल्य वे आधार हैं, जिस पर दोनों देश करीबी साझेदारी का निर्माण करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह टिप्पणी ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के उस सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में आई है, जिसमें नेहमर ने पीएम मोदी के स्वागत के लिए उत्सुक होने की बात कही थी। पीएम मोदी के स्वागत के लिए उत्सुक ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने एक्स पर साझा पोस्ट में लिखा मैं अगले सप्ताह वियना में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करने के लिए बहुत उत्सुक हूं। यह यात्रा एक विशेष सम्मान है।

नाटो सदस्यों में अलग-थलग पड़ा कनाडा, रक्षा खर्च में कटौती से निशाने पर आए जस्टिन ट्रूडो

वॉशिंगटन, 09 जुलई (एजेंसियां) ।

नाटो के 32 सदस्य देशों में कनाडा अलग-थलग पड़ गया है। अमेरिका के एक मीडिया चैनल ने यह दावा किया है। उनका कहना है कि कनाडा अपने घरेलू रक्षा खर्च को तय सीमा तक खर्च नहीं कर पा रहा है। इसके चलते कनाडा की सेना के कई उपकरण पुराने हो गए हैं और कनाडा की सरकार में अभी रक्षा खर्च प्राथमिकता में भी नहीं है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो नाटो की बैठक में शामिल होने के लिए वॉशिंगटन डीसी पहुंचे। राष्ट्रपति जो बाइडन की अध्यक्षता में नाटो की अहम बैठक वॉशिंगटन में हो रही है।

क्या कहा गया है कि रिपोर्ट में

नाटो की बैठक में प्रधानमंत्री ट्रूडो नाटो में कनाडा के योगदान पर बात रखेंगे, जिसमें ऑपरेशन रि-एश्योरेंस भी शामिल है, जो कनाडा की सबसे बड़ी सक्रिय विदेशी सैन्य तैनाती है। साथ ही ट्रूडो यूरो-अटलांटिक क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता के लिए कनाडा की प्रतिबद्धता भी जाहिर करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले कई वर्षों में, कनाडा 32 सदस्यीय गठबंधन के बीच अलग-थलग हो गया है। यह घरेलू सैन्य खर्च लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहा है, साथ ही नए उपकरणों को फंड देने के लिए तय बेंचमार्क से पीछे रह गया है। फिलहाल कनाडा के उन लक्ष्यों को हासिल करने की कोई उम्मीद भी नजर नहीं आ रही।

वादे के मुताबिक रक्षा खर्च नहीं कर पाया कनाडा

अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, नाटो के 12 संस्थापक सदस्यों में से एक कनाडा ने साल 2014 में रूस के क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद सकल घरेलू उत्पाद का 2 प्रतिशत रक्षा पर खर्च करने का वादा किया था। हालांकि कनाडा अपने वादे से काफी पीछे है। हालांकि नाटो के 32 सदस्य देशों में से 23 देशों ने रक्षा खर्च को लेकर तय लक्ष्यों को हासिल किया है। यूक्रेन पर हमले के बाद पुतिन को लेकर पूर्वी मोर्चे पर आशंकाएं बढ़ रही हैं। यही वजह है कि यूरोपीय देश अपना रक्षा खर्च बढ़ाने में जुटे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि नाटो सम्मेलन के दौरान कनाडा पर अपने वादे को पूरा करने का दबाव डाला जा सकता है। इस बात की भी चिंता जताई जा रही है कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप जीत जाते हैं तो यूरोप की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी के हवाले से यह दावा किया गया है। कहा गया है कि कनाडा की सेना के कई हथियार और उपकरण अनुपलब्ध और अनुपयोगी हैं। कनाडा की सरकार इस दिशा में खास प्रयास भी नहीं कर रही है।

अगले 20 वर्षों में सेना पर 73 अरब डॉलर खर्च करेगा कनाडा

बता दें कि साल 2024 के बजट में, कनाडा सरकार ने रक्षा खर्च में पाँच वर्षों में 8.1 अरब अमरीकी डॉलर और 20 वर्षों में 73 अरब अमरीकी डॉलर खर्च करने का एलान किया है। कनाडा की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक चुनौतियों का जवाब देने के लिए कनाडा सरकार ने यह ऐतिहासिक निवेश करने का एलान किया है। 2022 से, कनाडा ने यूक्रेन को समर्थन देते हुए 19 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक की आर्थिक सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है। इसमें 4 अरब अमरीकी डॉलर की सैन्य सहायता शामिल हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, अन्य सहायता में 12.4 अरब अमरीकी डॉलर की वित्तीय सहायता, 35.2 करोड़ अमरीकी डॉलर की मानवीय सहायता, 44.2 करोड़ अमरीकी डॉलर की विकास सहायता और 21.0 करोड़ अमरीकी डॉलर से अधिक की सुरक्षा और स्थिरीकरण सहायता शामिल है।

अभिनव बिंद्रा ने मौजूदा समय के खिलाड़ियों के लिए कही अहम बात, भारतीय दल को दी ये सलाह

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक का आयोजन कुछ ही दिनों में होना है और इसके लिए भारत सहित इसमे हिस्सा लेने वाले सभी देश के एथलीट पूरी तरह तैयार हैं। इस बीच, 2008 बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले निशानेबाद अभिनव बिंद्रा ने अपने समय के खिलाड़ियों की तुलना मौजूदा दौर के खिलाड़ियों से करते हुए बड़ी बात कही है। भारत के पहले व्यक्तिगत स्पर्धा के ओलंपिक चैंपियन बिंद्रा का मानना है कि खिलाड़ियों की मौजूदा पीढ़ी उनके समय के कमजोर दिल वाले खिलाड़ियों की तुलना में अधिक मजबूत है।

जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत – बिंद्रा ने कहा कि भारत को 30-40 ओलंपिक पदक जीतने का सपना देखना शुरू करने के लिए जमीनी स्तर पर बहुत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें खेल को अलग तरह से देखना शुरू करना होगा। वर्तमान में हम यह देख रहे हैं कि विश्व स्तर पर एथलीट कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह हमें मजबूती देता है। हमें राष्ट्र निर्माण में खेल की बड़ी भूमिका को देखने की जरूरत है। बीजिंग ओलंपिक में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए देश की तैयारियों पर आयोजित एक पैनल चर्चा के दौरान भारतीय दल को सलाह दी कि वे अतीत या भविष्य के बारे में सोचने की गलती न करें। भारत के लगभग 125 खिलाड़ियों ने इन खेलों के लिए क्वालिफाई कर लिया है, जो देश के इतिहास में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा, एथलीटों की सबसे बड़ी गलती यह है कि वे या तो अतीत में जीते हैं या भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। वे इस वास्तविकता के बारे में भूल जाते हैं मौजूदा समय की अहमियत सबसे ज्यादा है।

मौजूदा दौर के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास अधिक है – बिंद्रा ने कहा, मैं एक ऐसी पीढ़ी से आया हूं जो स्वभाव से कमजोर दिल वाली थी। आज के दौर के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कहीं अधिक है। वे इन खेलों में सिर्फ हिस्सा लेना नहीं बल्कि पदक जीतना चाहते हैं। ये खिलाड़ी कोई और पदक नहीं बल्कि स्वर्ण पदक जीतना चाहते है। यह हमारे समाज का प्रतिबिंब है कि पिछले कुछ वर्षों में यह कैसे विकसित हुआ है।

इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि खेलों को देखने और उसके बारे में बात करने का तरीका बदल गया है लेकिन जिस चीज में बदलाव नहीं आया है वह है एथलीटों को मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा। बिंद्रा ने कहा, अब अलग तरह से बातचीत होती है। उसमें हालांकि कई समानताएं है।

न्यूज ब्रीफ

बैडमिंटन खिलाड़ी ने लगाया भेदभाव का आरोप

मुम्बई । पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में लगे बैडमिंटन खिलाड़ी चिराग शेट्टी ने महाराष्ट्र सरकार पर सौतेला व्यवहार करने के आरोप लगाये हैं। चिराग ने कहा है कि जहां टी20 विश्व कप विजेता टीम का सम्मान करने के साथ ही उन्हें प्रदेश सरकार ने 11 करोड़ इनाम का इनाम देने की घोषणा की है। वहीं जब वह थॉमस कप जीत कर आये थे तो इनाम की बात तो दूर हैं उनका सम्मान भी नहीं किया गया था। चिराग ने कहा कि वह क्रिकेट और क्रिकेटरों के खिलाफ नहीं हैं पर उनका मानना है कि सरकार को दोहरा मापदंड नहीं अपनाना चाहिये। इससे साफ है कि सरकार बैडमिंटन और अन्य खेलों के खिलाड़ियों की उपलब्धियों की उपेक्षा करती है। उन्होंने कहा कि सरकार को सभी खेलों को समान रूप से देखना चाहिए। चिराग ने 2022 में भारत को थॉमस कब की ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस टीम में वह महाराष्ट्र के एकमात्र खिलाड़ी थे। चिराग ने कहा, ' थॉमस कप भी क्रिकेट विश्व कप की तरह है। मैं उस भारतीय बैडमिंटन टीम का हिस्सा था जिसने फाइनल में चैंपियन इंडोनेशिया को हराकर अपना पहला खिताब जीता था। मैं भारतीय टीम में महाराष्ट्र का एकमात्र खिलाड़ी था. जब सरकार विश्व कप जीतने वाले क्रिकेट सितारों को सम्मानित कर सकती है, तो उन्हें मेरे प्रयासों को भी सराहना मिलनी चाहिए थी। सरकार को किसी भी अन्य खेल को समान रूप से महत्व देना चाहिए' चिराग ने कहा किया कि उन्हें क्रिकेट या क्रिकेटर्स से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने अपने साथी बैडमिंटन खिलाड़ियों के साथ भारत की टी20 विश्व कप जीत का जश्न मनाया। उन्होंने सरकार से कहा कि खेलों को अगर बढ़ाव देना है तो उसे विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों की उपलब्धियों को मान्यता देनी होगी। चिराग, ' मैं क्रिकेट के खिलाफ नहीं हूं। बैडमिंटन खिलाड़ियों ने टी20 विश्व कप जीत पर खुशी मनायी पर हम चाहते हैं वैसा ही व्यवहार अन्य खेलों के साथ भी होना चाहिये।

निरंतरता की कमी के कारण पाक टीम हार रही : गिलेस्पी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट पिछले काफी समय से खराब दौर से गुजर रही है। उसे सभी तीनों प्रारुपों में अधिकतर मुकाबलों में हार मिली है। आईसीसी टूर्नामेंट में भी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। अब इसी का कारण पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने बताया है। गिलेस्पी के अनुसार पाक टीम में निरंतरता की कमी है। गिलेस्पी टेस्ट प्रारुप में टीम के गेंदबाजी कोच भी हैं। गिलेस्पी के अनुसार अगले माह अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में उनकी टीम को अपनी इस कमी को दूर करने का प्रयास करना होगा। पिछले साल भारत में हुए एकदिवसीय विश्वकप में भी पाक टीम शुरुआत में ही बाहर हो गयी थी। इसके बाद टीम को सफेद गेंद वाले प्रारुप में अमेरिका , आयरलैंड, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, भारत और अन्य टीमों के खिलाफ भी हार ही मिली थी। वहीं अब पाकिस्तान की टीम को 21 अगस्त से अपनी ही जमीन पर बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। इसका पहला मुकाबला 21 अगस्त को रावलपिंडी में शुरू होगी। वहीं दूसरा टेस्ट 30 अगस्त को कराची में खेला जाएगा। लाल गेंद क्रिकेट में पिछले साल के अंत में उन्होंने शान मसूद की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी। ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पाक को आने वाली मुश्किलों को के बाद भी गिलेस्पी ने उनके प्रदर्शन के सकारात्मक पहलुओं पर भी बात की। ध्यान दिया। गिलेस्पी ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में पाकिस्तान की टीम 3-0 से हारी थी पर उन्होंने अच्छा खेला। सीरीज में कुछ ऐसे पल भी आए जब वे विरोधियों पर हावी रहे। उन्होंने टीम में प्रतिभा होने के बाद भी निरंतरता की कमी को हार का मुख्य कारण करार दिया।

भारतीय टीम वनडे सीरीज के लिए रोहित विराट और बुमराह को दे सकती है ब्रेक

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, चैंपियन बल्लेबाज विराट कोहली और स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अगस्त में श्रीलंका के विरुद्ध तीन मैचों की वनडे सीरीज से आराम दिया जा सकता है और केएल राहुल या हार्दिक पांड्या इस प्रारूप में कप्तानी कर सकते हैं। समझा जाता है कि रोहित और विराट ने बीसीसीआई से लंबा ब्रेक मांगा है चूंकि दोनों आईपीएल की शुरुआत से लगातार खेल रहे हैं। रोहित ने छह महीने से ब्रेक नहीं लिया है। उन्होंने दिसंबर जनवरी में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध टेस्ट सीरीज से लगातार खेला है। उसके बाद अफगानिस्तान के विरुद्ध टी-20, इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट सीरीज, आईपीएल और टी-20 विश्व कप शामिल है। बोर्ड के बताया, चैंपियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड के विरुद्ध तीन वनडे तैयारी के लिए काफी है। इसके बाद अगले कुछ महीने दोनों टेस्ट को प्राथमिकता देंगे क्योंकि भारत को सितंबर से जनवरी के बीच 10 टेस्ट खेलने हैं।

गौतम गंभीर बने टीम इंडिया के हेड कोच द्रविड़ की जगह लेंगे, 2027 तक रहेगा कार्यकाल

मुंबई, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बन गए हैं। बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने मंगलवार को इसका ऐलान किया। 42 साल के गंभीर ने द वॉल के नाम से मशहूर राहुल द्रविड़ की जगह ली है।

द्रविड का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो गया। गंभीर का कार्यकाल जुलाई 2027 तक रहेगा।

गंभीर ने डेढ़ महीने पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल-2024 का चैंपियन बनाया था। वे इसी साल कोलकाता की फ्रेंचाइजी के मेंटॉर बने थे। इतना ही नहीं, गंभीर ने अपनी मेंटॉरशिप में लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार 2 सीजन के प्लेऑफ में पहुंचाया था।

शाह ने द पोस्ट में लिखा- मॉडर्न-डे क्रिकेट का विकास तेजी से हुआ है और गंभीर ने इसे बड़े करीब से देखा हैं। गौतम ने अपने करियर में कई कठिनाइयों को पार किया है। उन्होंने अलग-अलग रोल निभाया है। मुझे भरोसा है कि वे भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए आइडियल पर्सन हैं। उनका क्लियर विजन, एक्सपीरियंस उन्हें भारतीय टीम की कोचिंग भूमिका को निभाने के लिए सक्षम बनाता है।

इंडिया मेरी पहचान, देश की सेवा करना गर्व की बात: गंभीर

खुद को हेड कोच बनाए जाने के बाद गौतम गंभीर ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- इंडिया मेरी पहचान है और देश की सेवा करना मेरे लिए गर्व की बात है। टीम इंडिया में वापसी करके गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं, हालांकि कैप अलग होगी, लेकिन मेरा लक्ष्य वही होगा, जो हमेशा से रहा है...हर भारतीय को गौरवान्वित करना। मैन इन ब्लू के कंधों पर 140 करोड़ भारतीयों के सपने हैं और मैं उन्हें पूरा करने का हर संभव प्रयास करूंगा।

गंभीर को इंटरनेशनल या डोमेस्टिक लेवल पर कोचिंग का कोई अनुभव नहीं है, वह 2 आईपीएल फ्रेंचाइजी में कोचिंग स्टाफ के इंचार्ज रहे हैं। आईपीएल 2022 और 2023 में वे लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटॉर थे, वहीं 2024 सीजन में कोलकाता के साथ जुड़े। गंभीर ने लखनऊ में रहते पहले दोनों सीजन में टीम को प्लेऑफ तक पहुंचाया। वहीं, इस सीजन में कोलकाता को चैंपियन बनाया।

गंभीर बतौर खिलाड़ी 2007 में भारत की टी-20 वर्ल्ड कप जीत और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीत का हिस्सा थे। उन्होंने 2011 से 2017 तक सात आईपीएल सीजन के लिए कोलकाता की कप्तानी की और उन्होंने पांच बार प्लेऑफ के लिए भी क्वालिफाई किया। बतौर कप्तान उन्होंने साल 2012 और 2014 में दो खिताब जीते।

राहुल द्रविड़ को नवंबर 2021 में भारत का हेड कोच बनाया गया, तब टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में टीम ने फिर सेमीफाइनल खेला। 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के बाद द्रविड़ का कार्यकाल खत्म हो गया था, लेकिन टीम इंडिया के फाइनल में पहुंचने के कारण उनका कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप तक बढ़ा दिया गया था। फिर द्रविड़ ने भारत को टी-20 में वर्ल्ड चैंपियन बना दिया। 29 जून को भारत ने साउथ अफ्रीका को 7 रन से हराते हुए टी-20 वर्ल्ड कप जीता।

द्रविड़ की कोचिंग में टीम इंडिया 2023 में एशिया कप भी जीत चुकी है। भारत ने मेजबान श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था।

टीम इंडिया ने साल 2000 के बाद विदेशी हेड कोच अपॉइंट करने को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया था। इस दौरान न्यूजीलैंड के जॉन राइट, ऑस्ट्रेलिया के ग्रेग चैपल, साउथ अफ्रीका के गैरी कर्स्टन और जिम्बाब्वे के डंकन फ्लेचर ने कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली।फ्लेचर का कार्यकाल 2015 में खत्म हुआ, उनके बाद भारतीय हेड कोच बनाने का सिलसिला शुरू हुआ। तब से रवि शास्त्री 2 बार, वहीं अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ 1-1 बार कोच पद संभाल चुके हैं। 2007 में लालचंद राजपूत भी टीम के कोच बने थे। अब गंभीर ने कोचिंग पद संभाला है। इस तरह 21वीं सदी में वह टीम इंडिया के 5वें भारतीय कोच बने। उनका कार्यकाल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक रहेगा।

भारतीय एथलीटों को मिलेगा जेब खर्च आईओए की कार्यकारी परिषद ने कही ये बात

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत होने में अब चंद दिन शेष रह गए हैं और भारतीय एथलीट इसके लिए तैयार हैं। भारत इस बार भी ओलंपिक में 100 से अधिक सदस्यों का दल भेज रहा है और उम्मीद है कि देश को पिछली बार की तुलना में और बेहतर सफलता मिलेगी। भारतीय एथलीटों को इस दौरान पेरिस में जेब खर्च मिलने का मामला काफी चर्चा में है, लेकिन भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी परिषद (ईसी) पेरिस ओलंपिक में खेलने जा रहे भारतीय खिलाड़ियों को प्रति दिन 50 अमेरिकी डॉलर (लगभग चार हजार रुपये) का जेब खर्च देने के पक्ष में नहीं है। ईसी का मानना है कि जब ओलंपिक के दौरान खिलाड़ियों को खेल मंत्रालय दैनिक जेब खर्च दे रहा है तो आईओए को यह भत्ता देने की जरूरत नहीं है। इससे पहले ईसी सदस्यों ने ओलंपिक के दौरान उन्हें मिलने वाला 300 डॉलर प्रतिदिन (लगभग 25 हजार रुपये) का दैनिक भत्ता लेने से इन्कार कर दिया था। आईओए की ओर से ओलंपिक के बजट में खिलाड़ियों को 50 और ईसी सदस्यों को 300 डॉलर प्रति दिन का जेब खर्च प्रस्तावित था। टोक्यो ओलंपिक के दौरान भी यही जेब खर्च खिलाड़ियों और ईसी सदस्यों को दिया गया था।

ओलंपिक बजट पास करने के लिए 30 जून को बुलाई गई कार्यकारी परिषद की बैठक में सदस्यों ने अपना दैनिक भत्ता लेने से इन्कार कर दिया, लेकिन यह भी कहा कि किसी को भी दोहरा जेब खर्च देना नहीं बनता है। खेल मंत्रालय पहले से ही खिलाड़ियों को एशियाई, राष्ट्रमंडल और ओलंपिक में 50 डॉलर का दैनिक जेब खर्च देता आ रहा है। ऐसे में आईओए की ओर से भी जेब खर्च दिए जाने का प्रावधान नहीं होना चाहिए। ईसी ने कहा कि खिलाड़ियों को जेब खर्च दिए जाने का प्रस्ताव खेल मंत्रालय को भेजा जाना चाहिए।

प्रशिक्षकों को भी मिलेगी इनामी राशि

पदक विजेताओं के प्रशिक्षकों को भी ईनामी राशि देने का फैसला किया गया है। आईओए ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाले को एक करोड़, रजत जीतने वाले को 75 लाख और कांस्य जीतने वाले को 50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देगा, लेकिन ईसी ने उनके प्रशिक्षकों को भी इनामी राशि देने का फैसला लिया है। ओलंपिक में जो प्रशिक्षक पदक विजेता के साथ होगा, उसी को कोच माना जाएगा।

रूने को हराने के बाद दर्शकों से भिड़े नोवाक जोकोविच, चिढ़ाने का लगाया आरोप

लंदन, 09 जुलाई (एजेंसियां) ।

सर्बिया के नोवाक जोकोविच वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले के बाद टेनिस कोर्ट पर मौजूद कुछ दर्शकों से भिड़ गए। जोकोविच ने आरोप लगाया कि होल्गर रूने के खिलाफ मैच के दौरान स्टैंड पर मौजूद कुछ दर्शकों ने बू करने (चिढ़ाने) की कोशिश की। जोकोविच रूने को हराकर 15वीं बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। विंबलडन में सात बार के चैंपियन जोकोविच रिकॉर्ड 25वें ग्रैंडस्लैम की तलाश में उतरे हैं। जोकोविच उस वक्त अपना आपा खो बैठे जब सेंटर कोर्ट पर मौजूद कुछ दर्शक लगातार मैच के दौरान रूने के समर्थन में नारेबाजी कर रहे थे। जोकोविच का कहना है कि वे उन्हें बू करने की कोशिश कर रहे थे। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, उन सभी प्रशंसकों को जिन्होंने सम्मान दिया, मैं आपको तहे दिल से धन्यवाद देता हूं और इसकी सराहना करता हूं। जिन लोगों ने एक खिलाड़ी का अपमान करने की कोशिश की, उन्हें गूड नाइट। कहा कि कुछ फैंस रूने के समर्थन में नारे लगा रहे थे, ना कि आपको बू करने की कोशिश कर रहे थे। इस पर जोकोविच ने पलटवार करते हुए कहा, वे चिढ़ाने की कोशिश ही कर रहे थे। मैं इसे

स्वीकार नहीं कर सकता। मुझे पता है कि वे रूने के समर्थन में नारे लगा रहे थे, लेकिन यह बू करने का एक बहाना है। मैं 20 साल से टूर का हिस्सा हूं और मुझे सभी तरह के ट्रिक पता हैं। मैं ध्यान सिर्फ उन सम्मानित लोगों पर रहता है जो पैसे देकर टिकट लेते हैं और टेनिस को पसंद करते हैं तथा खिलाड़ियों का सम्मान करते हैं। मैंने बहुत अधिक प्रतिकूल वातावरण में खेला है, मुझ पर विश्वास करें, आप लोग मुझे छू नहीं सकते। जोकोविच ने कहा, दर्शकों का अधिकार है कि वे किसका समर्थन करें। मुझे नहीं पता इस मामले में विंबडलन क्या करेगा। अगर कोई गलत व्यवहार करता है तो आप पूरे स्टैंड को बाहर नहीं भेज सकते।

एम्मा नवारो ने कोको गफ को दी शिकस्त इटली के खिलाड़यिों ने किया बड़ा कारनामा

लंदन, 09 जुलाई (एजेंसियां) ।

सेंटर कोर्ट में अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी एम्मा नवारो के विरुद्ध कोको गफ बेहतर प्रदर्शन करने में नाकाम रहीं। नवारो ने उन्हें विंबलडन के चौथे दौर में 6-4, 6-3 से शिकस्त दी। मौजूदा यूएस ओपन चैंपियन और ऑल इंग्लैंड क्लब में नंबर 2 वरीयता प्राप्त गफ ने कहा, हमारे पास एक गेम प्लान था, लेकिन मैं उसे लागू करने में नाकाम रहीं। मैं मैच के दौरान कोच से सलाह मांग रही थी, लेकिन मैं अच्छा नहीं खेल सकी।

इस वर्ष विंबलडन से शीर्ष महिलाओं की विदाई में गफ नई खिलाड़ी थीं। नंबर 1 इगा स्वियातेक हार गईं, नंबर 3 अरिना सबालेंका एक मैच खेलने से पहले घायल होकर हट गईं और नंबर 6 मार्केटा वोंड्रोसोवा अंतिम स्थान पर रहीं। पिछले वर्ष की

चैंपियन भी पहले दौर में हार गई थीं। 19वीं वरीयता प्राप्त नवारो पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। उन्होंने दूसरे दौर में दिखाया कि वह किस प्रकार की टेनिस खेलने में सक्षम हैं, जब उन्होंने चार बार की प्रमुख चैंपियन नाओमी ओसाका को हराया था। 23 वर्षीय नवारो ने कहा, मुझे विश्वास था कि मैं जीत सकती हूं और यह संभव है। मैं ग्रैंड स्लैम के अंत तक जाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हूं। महिला सिंगल्स में मेडिसन कीज के तीसरे सेट में 5-5 के स्कोर पर हट जाने के कारण जैस्मीन पाओलिनी ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पाओलिनी का अगला मुकाबला एम्मा नवारो से होगा। रिबाकिना वाकओवर के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं पूर्व विंबलडन चैंपियन एलिना रिबाकिना रूसी 17वीं वरीयता प्राप्त एन्ना कलंस्काया के चोट के कारण मुकाबले से हटने के बाद क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। वह 6-3, 3-0 स्कोर से आगे चल रही थी, जब कलंस्काया को चोट लगी। इसके कारण रिबाकिना वॉकओवर मिला। इटली के तीन खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में इटली के लोरेंजो मुसेत्ती ने फ्रांस के जियोवान्नी एमपेत्सी को हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मुसेत्ती ने 21 वर्ष के प्रतिद्वंद्वी को विंबलडन प्री क्वार्टर फाइनल में 4-6, 6-3, 6-3, 6-2 से मात दी। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन जानिक सिनर और महिला वर्ग में सातवीं रैंकिंग वाली जैस्मीन पाओलिनी ने भी अंतिम आठ में जगह बना ली। यह पहली बार हुआ है कि इटली के तीन खिलाड़ी किसी ग्रैंडस्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हों।

टी20 चैंपियन भारत जीत का जश्न मालदीव में मनाए, बिगड़े रिश्तों को सुधारने में जुटा द्वीपीय राष्ट्र

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां) ।

हाल ही में टी20 विश्व विजेता बनी भारतीय क्रिकेट टीम को मालदीव के पर्यटन विभाग ने देश में अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए आमंत्रित किया है। बता दें कि रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम ने 29 जून को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर बारबाडोस में टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीती है।

विश्व विजेता टीम की मेजबानी करने के लिए उत्सुक

एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि, मालदीव विपणन और जनसंपर्क निगम (एमएमपीआरसी/विजिट मालदीव) ने मालदीव पर्यटन उद्योग संघ (एमएटीआई) के साथ मिलकर भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को विशेष और खुला निमंत्रण दिया है। इस मामले में एमएमपीआरसी के सीईओ और

प्रबंध निदेशक इब्राहिम शिउरी और एमएटीआई के महासचिव अहमद नजीर ने कहा कि वे भारत की विश्व विजेता टीम की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हैं।

विश्व विजेता का स्वागत करना सम्मान की बात

इब्राहिम शिउरी और अहमद नजीर ने अपने संयुक्त बयान में कहा, कि हमें आपकी मेजबानी करने और दौरे को और यादगार बनाने में काफी गर्व महसूस होगा। उन्होंने कहा कि यह निमंत्रण मालदीव और भारत के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक और खेल संबंधों को भी दर्शाता है। शिउरी ने आगे कहा, मालदीव के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का स्वागत करना और उनकी जीत की खुशी में शामिल होना बहुत सम्मान की बात होगी। उन्होंने कहा, हम भारतीय क्रिकेट टीम की मेजबानी करने के अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, ताकि उन्हें अपनी जीत के जश्न की यादें बनाने के लिए एक आदर्श माहौल मिल सके।

देश में विश्व चैंपियन का हुआ था भव्य स्वागत

बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम के टी-20 में विश्व विजेता बनने के बाद दिल्ली और मुंबई दोनों जगहों पर क्रिकेट प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया, इस कड़ी में मुंबई के मरीन ड्राइव पर लाखों समर्थकों की मौजूदगी में विजय परेड भी निकाली गई है। फिलहाल भारत की टी-20 विश्व विजेता टीम ब्रेक पर है। जिसका अगला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दौरा 27 जुलाई से श्रीलंका के खिलाफ छह मैचों की श्रृंखला है। जिसमें तीन वनडे और तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं।

दिल्ली के बाद मुंबई में भी सीएनजी और पीएनजी गैस की कीमतों में बढ़ोतरी, एमजीएल ने किए ये बदलाव

नई दिल्ली,10 जून (एजेंसियां)।

दिल्ली के बाद मुंबई में भी सीएनजी की कीमत 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम और पाइप से घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस (पीएनजी) की कीमत में एक रुपये की बढ़ोतरी की गई है। मुंबई और आसपास के शहरों में वाहनों के लिये सीएनजी और घरों में पाइप से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति करने वाली महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने कहा है कि बढ़ी हुई कीमतें आठ और नौ जुलाई की मध्य रात्रि रात से लागू होंगीं।

कंपनी ने एक बयान में कहा, सीएनजी और घरेलू पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) सेगमेंट की बढ़ती मात्रा को पूरा करने के लिए और घरेलू गैस आवंटन में कमी के कारण, एमजीएल अतिरिक्त बाजार मूल्य पर प्राकृतिक गैस (आयातित एलएनजी) की सोर्सिंग कर रही है, जिसके कारण गैस की लागत अधिक है।

कंपनी के अनुसार गैस लागत में हुई वृद्धि की आंशिक भरपाई के लिए सीएनजी की डिलीवरी कीमत में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम और घरेलू पीएनजी की कीमत में 1 रुपये प्रति मानक क्यूबिक मीटर (एससीएम) की बढ़ोतरी की गई है। इससे, मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में सभी करों सहित सीएनजी की संशोधित डिलिवरी मूल्य 75 रुपये प्रति किलोग्राम और घरेलू पीएनजी की कीमत 48 रुपये प्रति एससीएम होगी।

राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहरों के लिए सिटी गैस लाइसेंस धारक इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने 22 जून को दिल्ली में सीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाकर 75.09 रुपये कर दी थी। हालांकि, दिल्ली में पीएनजी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है यह 48.59 रुपये प्रति एससीएम बनी हुई है।

कंपनी ने कहा, उपरोक्त संशोधन के बाद भी, एमजीएल की सीएनजी मुंबई में मौजूदा मूल्य स्तरों पर पेट्रोल और डीजल की तुलना में क्रमशः लगभग 50 प्रतिशत और 17 प्रतिशत की आकर्षक बचत प्रदान करती है, जबकि एमजीएल की घरेलू पीएनजी उपभोक्ताओं को बेजोड़ सुविधा, सुरक्षा, विश्वसनीयता और पर्यावरण के लिहाज से श्रेष्ठता प्रदान करती है। मामूली वृद्धि के बाद भी, एमजीएल की सीएनजी और घरेलू पीएनजी की कीमत देश में सबसे कम है।

न्यूज ब्रीफ

एचएमडी विव फोन मिलेगा मेटल फ्रेम और बेहतरीन डिज़ाइन में, फोन को लेकर लीक रिपोर्ट में भी जानकारी मिली

नई दिल्ली । स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी एचएमडी ग्लोबल ने नए फोन एचएमडी विव का ऐलान कर दिया है। अब आने वाले मिड-रेंज एचएमडी विव फोन को लेकर लीक रिपोर्ट में भी जानकारी मिली है। लीक में रेट्रो नोकिया लूमिया डिज़ाइन और दमदार 108-मेगापिक्सेल कैमरे के साथ हाई-एंड एचएमडी स्काईलाइन की झलक पहले ही पेश की जा चुकी है। एचएमडी विव के डिजाइन के बारे में बात करें तो उम्मीद की जा रही है कि फोन थोड़ा राउंड डिज़ाइन वाले मेटल फ्रेम के साथ आएगा। इसका फिंगरप्रिंट सेंसर इसके पावर बटन में दिया जाएगा।इसमें दो लेंस और एक एलईडी फ्लैश के साथ एक रेक्टैंगुलर कैमरा मॉड्यूल होगा। बताया गया है कि ये फोन तीन कलर ऑप्शन मेट्योर ब्लैक, आइस और वेलवेट में आ सकता है। कहा जा रहा है कि ये एक मिड-रेंज फोन होगा, और इसमें 1080 पी प्लस रेज़ोलूशन वाला ओलेड डिस्प्ले होने की बात सामने आई है।ये नया 6एनएम एआरएम प्रोसेसर 2.3 जीएचझेड तक चलने वाले दो हाई-परफॉर्मेंस वाले एआरएम कारटेक्स-ए78 कोर और 2.0 जीएचझेड पर चलने वाले छह कारटेक्स-ए55 कोर के साथ आता है। ऐसा कहा जा रहा है कि एचएमडी व्यू को कम से कम एक वेरिएंट 8 जीबी रैम के साथ पेश किया जाएगा। फोन की कीमत के बारे में कोई खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन लीक में एक कॉम्पैक्ट डिज़ाइन, एक ओलेड डिस्प्ले, एक 50-मेगापिक्सल कैमरा और एक लंबे समय तक चलने वाली बैटरी होने की बात कंफर्म की गई है। ऐसा कहा जाता है कि कैमरा सेटअप के तौर पर फोन में 50-मेगापिक्सल के प्राइमरी सेंसर के साथ एक सेकेंडरी लेंस मिलता है। पावर के लिए फोन में 4700 एमएएच की बैटरी होने की उम्मीद की जा रही है।

मारुति ब्रेजा उरबानो एडिशन किया पेश

नई दिल्ली । बेहतरीन कारें बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी ने ब्रेज़ा कॉम्पैक्ट एसयूवी के लिए एक स्पेशल एडिशन पेश किया है। उरबानो एडिशन अपनी उपकरण सूची को बेहतरीन बनाने के लिए एंट्री-लेवल एलएक्सआई और मिड-लेवल वीएक्सआई वेरिएंट पर उपलब्ध करवाया गया है। यह एडिशन पेट्रोल और सीएनजी दोनों पावरट्रेन ऑप्शन के साथ उपलब्ध है। मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रिम्स को नया पैकेज मिलता है। इस एडिशन को 8.49 लाख रुपये की कीमत पर पेश किया गया है। इसमें अनिवार्य रूप से रियायती मूल्य पर कई सहायक उपकरण शामिल हैं। ब्रेज़ा एलएक्सआई के लिए उरबानो एडिशन में एक रियर पार्किंग कैमरा, एक टचस्क्रीन, स्पीकर, फ्रंट फॉग लैंप, फॉग लैंप गार्निश, फ्रंट और रियर स्किड प्लेट, फ्रंट ग्रिल क्रोम गार्निश, बॉडी साइड मोल्डिंग और एक व्हील आर्क किट शामिल है। स्टैंडअलोन खरीदने पर इन एक्सेसरीज़ की कीमत 52,370 रुपये होगी। वीएक्सआई वेरिएंट के साथ जोड़े जाने पर, उरबानो एडिशन एक रियर कैमरा, फॉग लैंप, एक विशेष डैशबोर्ड ट्रिम, बॉडी साइड मोल्डिंग, व्हील आर्क किट, मेटल सिल गार्ड, एक पंजीकरण प्लेट फ्रेम और 3 डी फ्लोर मैट के आएगा। इसमें आप अलग से 26,149 रुपये के प्राइज़ पर एक्सेसरीज़ और 18,500 रुपये की किट खरीद सकते हैं।

सोना 72300 और चांदी 92,500 के पार

नई दिल्ली । सोना-चांदी की कीमतों में मामूली बढ़त देखने को मिली है। सोने का भाव लगभग 20 रुपये प्रति 10 ग्राम मजबूत हुआ है, जबकि चांदी में भी करीब 20 रुपये प्रति किलो की बढ़त देखने को मिली है। इससे पहले सोना और चांदी दोनों धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 5 अगस्त की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72343 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है, जबकि 4 अक्टूबर की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72755 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाला सोने में लगभग 250 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है, जिसके बाद यह 72964 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी...

भारत अब विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि पीएम मोदी ने अपना जीवन भारत के लोगों को समर्पित कर दिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूस दौरे के बीच अमेरिका के विदेश विभाग ने भारत से अपील की कि यूक्रेन युद्ध का समाधान संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार हो और इसके लिए भारत रूस को राजी करने की कोशिश करे। व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को कजान में हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। यह शिखर सम्मेलन 22 से 24 अक्टूबर को रूस में आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रपति पुतिन के प्रति सद्भावना और आभार जताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत के लोगों ने मुझे मातृभूमि की सेवा करने का एक और मौका दिया है। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि मैंने अपना पूरा जीवन भारत के लोगों को समर्पित कर दिया है। हां, आप सही कह रहे हैं, मेरा केवल एक ही लक्ष्य है, देश और देशवासियों की सेवा करना। दोनों विश्वस्तरीय नेताओं ने मॉस्को के बाहर आधिकारिक आवास पर चाय के साथ एक अनौपचारिक चर्चा की। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को इलेक्ट्रिक कार में घुमाया। उल्लेखनीय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच पीएम मोदी का यह पहला रूस दौरा है। रूस से रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा कि भारत एक शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए सहायक भूमिका निभाना चाहता है। पीएम मोदी ने कहा, मुझे इस बात का संतोष है कि कल हम इतने खुले मन से बात कर रहे थे। कोई लीपापोती नहीं थी। मैंने देखा कि बहुत सारे विचार थे। मैं एक नई सोच महसूस कर रहा हूं और एक नई सोच सामने आई है। शांति की बहाली में भारत हर संभव सहयोग करने के लिए तैयार है। विश्व समुदाय को आश्वस्त करता हूं कि भारत शांति के पक्ष में है। शांति के लिए मेरे मित्र पुतिन की बातों को सुनकर मुझमें नई आशा जगी है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता में कहा, मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हमारे संबंध और मजबूत होंगे। ऊर्जा क्षेत्र में भारत और रूस के सहयोग से दुनिया को भी मदद मिली है। भारत लगभग 40 वर्ष से आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहा है। मैं सभी प्रकार के आतंकवाद की निंदा करता हूं। दुनिया को पिछले पांच वर्ष में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस की सेना में भारतीयों की भर्ती का मसला भी उठाया। पीएम मोदी द्वारा राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष रूसी सेना में भारतीयों के फंसे होने का मुद्दा उठाए जाने के बाद रूस ने रूसी सेना में कार्यरत सभी भारतीयों को फौरन मुक्त करने का निर्णय लिया। दो दिवसीय रूस यात्रा पर मॉस्को आए प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार शाम राष्ट्रपति पुतिन के साथ निजी रात्रिभोज में यह मुद्दा उठाया। रूसी राष्ट्रपति ने तत्काल प्रभाव से अपनी सेना में कार्यरत सभी भारतीयों को मुक्त करने और उनकी भारत वापसी में मदद करने का आदेश जारी कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को रूस के दो दिवसीय दौरे पर राजधानी मॉस्को पहुंचे। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने गर्मजोशी से गले मिलकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। पुतिन के आवास पर दोनों शीर्ष नेताओं की मुलाकात हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुतिन से कहा, आपने मुझे अपने घर पर बुलाया। अपने घर पर बुलाने के लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। इसके बाद पुतिन ने पीएम मोदी को अपने गोल्फ कार्ट में बिठाया। राष्ट्रपति पुतिन गोल्फ कार्ट खुद ड्राइव कर रहे थे। इसके बाद पुतिन पीएम मोदी को अपना अस्तबल दिखाने भी ले गए।

मॉस्को में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा मैं अपने साथ हिंदुस्तान की मिट्टी की महक लेकर आया हूं। मैं अपने साथ 140 करोड़ हिंदुस्तानियों का प्यार लेकर आया हूं। ये बहुत सुखद है कि तीसरी बार सरकार में आने के बाद भारतीय समुदाय से मेरा पहला संवाद यहां मॉस्को में आपके साथ हो रहा है। (हमारा नेता कैसा हो, मोदी जी जैसा हो के नारे लगे) आज वैसे 9 जुलाई है। आज मुझे शपथ लिए पूरा एक महीना हुआ है। आज से ठीक एक महीने पहले नौ जून को मैंने तीसरी बार भारत के पीएम पद की शपथ ली थी और उसी दिन मैंने एक प्रण लिया था। मैंने प्रण किया था कि अपने तीसरे कार्यकाल में मैं तीन गुना ताकत से काम करूंगा।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, जब भारत जी-20 का आयोजन करता है, तो दुनिया एक स्वर में बोलती है कि भारत बदल रहा है। जब 10 साल में भारत अपने एयरपोर्ट की संख्या बढ़ाकर दोगुना कर देता है, तब दुनिया कहती है कि भारत बदल रहा है। जब भारत सरकार 40 हजार किमी से ज्यादा रेल लाइन का विद्युतीकरण कर देती है तो दुनिया को भारत की ताकत का अहसास होता है। उन्हें लगता है देश बदल रहा है। आज जब भारत डिजिटल पेमेंट का रिकॉर्ड बना रहा है। आज जब भारत एल-1 पॉइंट से सूरज की परिक्रमा पूरी करता है। आज जब भारत दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज बनाता है। आज जब सबसे ऊंचा स्टैच्यू बनाता है, तब दुनिया कहती है भारत बदल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, यह भी एक संयोग है कि सरकार के कई लक्ष्यों में तीन का अंक छाया हुआ है। सरकार का लक्ष्य है तीसरे टर्म में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना। सरकार का लक्ष्य है तीसरे कार्यकाल में गरीबों के लिए तीन करोड़ आवास बनाना। सरकार का लक्ष्य है तीसरे कार्यकाल में तीन करोड़ लखपति दीदी बनाना। यह लक्ष्य देखने में बड़े लग सकते हैं। लेकिन आप लोगों के होते ये छोटे लगने लगते हैं। आज का भारत जो लक्ष्य ठान लेता है, उन्हें पूरा कर के ही रहता है। आज भारत वह देश है जो चंद्रयान को चंद्रमा पर वहां पहुंचाता है, जहां दुनिया का कोई देश नहीं पहुंचा। आज भारत वह देश है, जो डिजिटल ट्रांजेक्शन का सबसे बेहतरीन मॉडल दुनिया को दे रहा है। आज भारत वह देश है, जो सोशल सेक्टर की बेहतरीन नीतियों से अपने नागरिकों का सशक्तिकरण कर रहा है। आज भारत वह देश है, जहां दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप ईकोसिस्टम है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत 140 करोड़ नागरिकों के सामर्थ्य पर भरोसा करता है, विश्वभर में फैले हुए भारतीयों के सामर्थ्य पर भरोसा करता है, गर्व करता है। इस वजह से भारत बदल रहा है। 140 करोड़ देशवासियों ने करके दिखाया है। भारत को अपने सामर्थ्य पर भरोसा है। भारत डिजिटल ट्रांजैक्शन का सबसे बड़ा मॉडल है। आज हिंदुस्तान मेहनत कर रहा है। विदेशों में रहने वाले भारतीय आज भारत पर गर्व करते हैं। पीएम मोदी ने कहा, मेरे डीएनए में है, चुनौती को चुनौती देना। हमने अभी तक जो विकास किया है, वो सिर्फ ट्रेलर है। आगे आने वाले दस साल में सेमीकंडक्टर से मैन्युफैक्चरिंग तक, ग्रीन हाइडोन से ग्रीन व्हीकल तक भारत की नई गति दुनिया के विकास का प्रतीक होगी। दुनिया के विकास का अध्याय लिखेगी। ग्लोबल स्तर पर 15 फीसदी विकास में भारत की हिस्सेदारी है। आने वाले समय में इसका और ज्यादा विस्तार होना तय है।

पीएम मोदी ने कहा कि देशवासियों ने विकसित भारतीयों का संकल्प लिया है। सामर्थ्य पर भरोसे की वजह से भारत बदला है। दुनिया भारत का नवनिर्माण देख रही है। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए कहा, आज मैं आपके साथ एक खुशखबरी साझा करना चाहता हूं। रूस के कजान और येकातेरिनबर्ग में भारत के दो नए काउंसलेट खुलने जा रहे हैं। इससे यहां आना-जाना और व्यापार और आसान हो जाएगा। पीएम मोदी से मिलने के लिए भारतीय समुदाय में उत्सुकता और उत्साह का माहौल था। रूस के कलाकारों ने पीएम मोदी के संबोधन से पहले रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए और इस दौरान पूरा माहौल भारतीयता के रंग में रंगा दिखाई दिया। भारतीय समुदाय के एक व्यक्ति ने कहा, हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखकर बहुत उत्साहित हैं। वे हमेशा हमारी मदद करते रहे हैं। हम सभी उनसे मिलने के लिए उत्साहित हैं और मास्को आने के लिए उनका धन्यवाद किया।

मोदी की पहल...

युद्ध में कम से कम चार भारतीय नागरिक मारे जा चुके हैं। यही कारण है कि भारत सरकार ने ऐसी भर्ती पर तत्काल रोक लगाने और रूसी सेना में लड़ रहे भारतीयों की शीघ्र रिहाई का मुद्दा रूस के सामने उठाया। इसी साल मई में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने धोखा देकर रूसी सेना में भर्ती कराने वाले मानव तस्करी नेटवर्क से जुड़े चार लोगों को गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने कहा था कि इस नेटवर्क से जुड़े लोग युवाओं को आकर्षक नौकरी या विश्वविद्यालय में प्रवेश दिलाने का वादा करके रूस ले जाते थे, ताकि उन्हें यूक्रेन में युद्ध में लड़ने के लिए मजबूर किया जा सके। सीबीआई ने मार्च में बताया था कि इस तरीके से लगभग 35 पुरुषों को ठगा गया।

मई में गिरफ्तार किए गए चार भारतीय नागरिकों में एक अनुवादक, वीजा प्रक्रिया और एयरलाइन टिकटों की बुकिंग में मदद करने वाले एक व्यक्ति के साथ-साथ केरल और तमिलनाडु के लिए दो मुख्य भर्तीकर्ता शामिल थे। युद्ध में मारे गए दो भारतीय व्यक्तियों के परिवारों ने कहा है कि वे सेना में सहायक के रूप में काम करने की उम्मीद से रूस गए थे। भारत के अलावा अन्य दक्षिण एशियाई देशों में भी ऐसे तस्करी नेटवर्कों का खुलासा हुआ। श्रीलंका ने भी कहा कि उसके कई सेवानिवृत्त सैनिकों को रूस-यूक्रेन युद्ध मोर्चे पर सेना में सेवा करने के लिए अच्छा वेतन, नागरिकता और अन्य फायदे देने का वादा करके लाया गया था, जिनमें से कुछ भी उन्हें नहीं दिया गया। भारत के पड़ोसी देश नेपाल ने भी कहा है कि कई युवा बेरोजगार नेपालियों को एजेंटों द्वारा अवैध रूप से रूसी सेना में भर्ती किया गया है, जिन्होंने उनसे वीजा के लिए भारी रकम वसूली थी। यही कारण है कि जनवरी में इसने रूस और यूक्रेन के लिए वर्क परमिट जारी करना रोक दिया था। अधिकारियों ने बताया कि अनुमान है कि कम से कम 200 नेपाली रूसी सेना में कार्यरत हैं और लगभग 100 लापता हैं।

तिरंगे के रंग...

रूस ने पीएम मोदी का स्वागत करने के लिए उनसे वरिष्ठ पद पर बैठे राजनेता को भेजा है, जो दिखाता है कि रूस अपन संबंधों में भारत को चीन से अधिक प्राथमिकता देता है। मंटुरोव ने न सिर्फ पीएम मोदी का एयरपोर्ट पर स्वागत किया, बल्कि उनके साथ एक ही कार में बैठ कर होटल तक उन्हें छोड़ने गए। शीत युद्ध के समय से ही भारत-रूस के संबंध अच्छे हैं, साथ ही रूस भारत को सबसे अधिक हथियार सप्लाई करने वाले देशों में भी शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर्स पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी के आगमन के दौरान मास्को के 540 मीटर ऊंचे लोकप्रिय ऑस्टैनकीनो टावर को तिरंगा झंडे के रंग में रंगा गया था।

कांग्रेस...

कांग्रेस के तीनों लोकसभा प्रत्याशियों उदित राज, जेपी अग्रवाल और कन्हैया कुमार ने कांग्रेस की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के सामने स्वीकार किया है कि आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चुनाव के दौरान उनका साथ नहीं दिया, जिसके कारण उनकी करारी हार हुई। पूर्व के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने अकेले दम पर चुनाव लड़ने का फैसला किया था, तब उसका प्रदर्शन इससे कहीं बेहतर रहा था।

लोकसभा चुनाव में हार की समीक्षा के लिए कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता पीएल पुनिया, रजनी पाटिल और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में एक कमेटी गठित की थी। इस कमेटी ने तीनों लोकसभा प्रत्याशियों से बातचीत करने के बाद अपनी रिपोर्ट पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को सौंप दी है। इस रिपोर्ट में तीनों प्रत्याशियों ने यही दावा किया है कि आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ता ने चुनाव में उनका साथ नहीं दिया। उन्हें इस बात का डर था कि यदि कांग्रेस दिल्ली में खड़ी हो जाएगी तो इससे विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की जमीन खिसक सकती है। यही कारण है कि दोनों दलों के कार्यकर्ताओं में कोई सामंजस्य नहीं बना और कांग्रेस को अपने हिस्से की सभी तीनों सीटों पर करारी हार का सामना करना पड़ा।

कांग्रेस नेता राजेश लिलोठिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर पार्टी के ही कई नेता असहज थे। उनका मानना था कि कांग्रेस को अकेले दम पर चुनाव में उतरना चाहिए और उसे केजरीवाल के भ्रष्टाचार का बोझ अपने कंधों पर नहीं उठाना चाहिए। लेकिन बड़े उद्देश्यों को ध्यान में रखकर चुनाव लड़ रही पार्टी ने अंततः कई अन्य राज्यों की तरह दिल्ली में भी आम आदमी पार्टी के साथ चुनाव लड़ने का निर्णय किया। हालांकि इसका उसे कोई लाभ नहीं मिला। दोनों दल मिलकर चुनाव लड़ने के बावजूद एक भी सीट पर सफलता नहीं हासिल कर सके।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरे देश में मुसलमान और दलित मतदाताओं ने कांग्रेस के प्रति अपनी निष्ठा दिखाई है। उनके अंदर यह भावना प्रबल हो गई है कि यदि देश में धर्मनिरपेक्षता और भाईचारे को यदि कोई बचा सकता है तो वह कांग्रेस ही है। दलित समुदाय इस बात से बहुत आशंकित रहा कि भाजपा को पूर्ण बहुमत की सत्ता मिल जाने के बाद देश के संविधान में परिवर्तन किया जा सकता है। इसलिए उसने पूरे दमखम के साथ कांग्रेस का साथ दिया और पूरे देश में भाजपा को हराने का काम किया। अब कांग्रेस अपने इन्हीं दो मूल मतदाता वर्ग को अपने साथ लेते हुए अन्य समाज के लोगों को भी साधने का काम करेगी। कांग्रेस नेता ने विश्वास जताया कि पार्टी दिल्ली में एक बार फिर मजबूत वापसी करने में सफल रहेगी।

कांग्रेस की पूरी उम्मीद मुसलमान और दलित मतदाताओं के समर्थन पर टिकी हुई है। मुसलमान मतदाता पूरे देश में रणनीतिक वोटिंग करने के लिए जाना जाता है। मुसलमान मतदाता उसी राजनीतिक दल को वोट करता है, जो भाजपा को हराने की स्थिति में होता है। ऐसे में पिछले तीन लोकसभा चुनाव और तीन विधानसभा चुनाव में शून्य पर अटक रही कांग्रेस को मुसलमान मतदाता वोट देंगे, इस पर कांग्रेस की निगाह है। नगर निगम चुनाव में भी कांग्रेस ने इसी वोट बैंक पर भरोसा किया था, इसका उसे कुछ लाभ अवश्य मिला और 250 सीटों वाले नगर निगम में उसके नौ प्रत्याशियों को (11.68 फीसदी वोट के साथ) जीत हासिल हुई थी। लेकिन ज्यादातर मामलों में मुस्लिम मतदाताओं ने आम आदमी पार्टी को ही सपोर्ट किया। ऐसे में इस बार विधानसभा चुनाव में वह किसको सपोर्ट करेगा, यह देखने वाली बात होगी। इसी प्रकार दलित समाज के मतदाता भी दिल्ली में आम आदमी को पर भरोसा जता रहे हैं। ऐसे में अपने इस पुराने वोट बैंक को साथ लाना कांग्रेस के लिए बहुत चुनौती का काम साबित होने वाला है।

त्रिपुरा में...

एक बार इस वायरस की चपेट में आने पर अगर समय रहते इसे काबू में नहीं किया गया, तो यही असाध्य एड्स रोग बन जाता है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम) का अभी तक कोई पुख्ता इलाज नहीं है। ऐसे में समय रहते इस वायरस की पहचान कर सही इलाज लेना बेहद जरूरी हो जाता है।

मुस्लिमों की...

एनएफएचएस 1 (1992-93) में यह 4.4 थी जो एनएफएचएस 5 (2019- 21) में 2.3 हो गई है।

जनसंख्या नियंत्रण और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) संघ की प्रमुख वैचारिक परियोजनाओं में से एक हैं जो अधूरी रह गई हैं। लोकसभा में कम संख्या के साथ भाजपा के सत्ता में आने के साथ, यूसीसी पर एक राष्ट्रीय कानून का निर्माण अब पहले से कहीं अधिक कठिन लगता है क्योंकि उसके प्रमुख सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने इसके बारे में आपत्ति व्यक्त की है। 2019 में राज्यसभा के लिए मनोनीत हुए संघ विचारक राकेश सिन्हा ने एक निजी सदस्य विधेयक पेश किया था जिसमें छोटे परिवार की प्रथा को अपनाने वालों के लिए प्रोत्साहन और इसका उल्लंघन करने वालों के लिए दंड देकर दो बच्चों के नियम को लागू करने की मांग की गई थी।

संघ का कहना है कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी अन्य खतरे से अधिक देश को अस्थिर कर सकता है। कट्टरपंथी इस्लामी ताकतों द्वारा अतीत में किया गया विश्वासघात, जिन्होंने भारतीय संस्कृति को लूटा और नष्ट करने की कोशिश की, हमारे सामने आने वाले जोखिमों की याद दिलाता है। यह राष्ट्रीय और राज्य की राजनीति को भी प्रभावित कर रहा है। उदाहरण के तौर पर हाल ही में पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में एक पुरुष और एक महिला की पिटाई पूरे देश में चर्चा का विषय रही। का हवाला दिया गया है। इस लोकसभा चुनाव में भी, अधिकांश मुसलमानों ने इंडी गठबंधन को वोट दिया और कांग्रेस से लेकर समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस तक ने वहां अच्छा प्रदर्शन किया जहां मुस्लिम निर्णायक संख्या में थे।फरवरी में अंतरिम बजट भाषण में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस पर विचार करने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित करने की योजना की घोषणा की थी जो तीव्र जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों से उत्पन्न चुनौतियों पर विचार करेगी। हालांकि, अभी तक कमेटी का गठन नहीं हुआ है। इससे पहले जनवरी 2024 में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सदन में कहा था कि लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन के दौरान दक्षिणी राज्यों की चिंताओं का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने पांच राज्यों को आश्वासन दिया कि उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा। अधिकारी ने कहा, जनगणना 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद की जाएगी। जनगणना समाप्त होने के बाद उसके आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन किया जाएगा। परिसीमन के दौरान, दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को ध्यान में रखा जाएगा। दरअसल, दक्षिण भारतीय राज्यों के कई नेताओं ने चिंता व्यक्त की है कि उत्तर भारत की विशाल आबादी के कारण उन्हें अधिक लाभ मिलेगा।

तमिलनाडु विधानसभा ने भी फरवरी, 2024 को केंद्र सरकार के 2026 के बाद प्रस्तावित परिसीमन के खिलाफ सर्वसम्मति से प्रस्ताव रखा था। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया के खिलाफ प्रस्ताव में कहा गया, इस सम्मानित सदन ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि 2026 के बाद जनगणना के आधार पर की जाने वाली परिसीमन प्रक्रिया को नहीं किया जाना चाहिए। अपरिहार्य कारणों से अगर जनसंख्या के आधार पर सीटों की संख्या में वृद्धि होती है, तो इसे राज्यों की विधानसभाओं और संसद के दोनों सदनों के बीच 1971 की जनसंख्या के आधार पर निर्धारित निर्वाचन क्षेत्रों के वर्तमान अनुपात पर बनाए रखा जाएगा।

परिसीमन का शाब्दिक अर्थ है किसी देश या प्रांत में निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं तय करने की प्रक्रिया। परिसीमन का कार्य परिसीमन आयोग द्वारा किया जाता है। भारत में परिसीमन आयोगों का गठन चार बार किया गया है- 1952 में परिसीमन आयोग अधिनियम, 1952 के तहत; 1963 में परिसीमन आयोग अधिनियम, 1962 के तहत; 1973 में परिसीमन अधिनियम, 1972 के तहत और 2002 में परिसीमन अधिनियम, 2002 के तहत।

उत्तराखंड...

घटना के दोषी आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा जाना चाहिए। कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा, यह कायराना घटना है। मैं शहीदों को शत शत नमन करता हूं। उनकी शहादत खाली नहीं जाएगी। शहीदों की शहादत का बदला लिया जाएगा।

शहीद होने वाले जांबाजों में शामिल आदर्श नेगी डागर पट्टी के रहने वाले थे। शहीद राइफलमैन अनुज नेगी रखती खाल विकासखंड के डाबरिया गांव में रहते थे। शहीद अनुज के दो भाई-बहन है। पिता भारत सिंह वन विभाग में दैनिक श्रमिक के पद पर काम करते हैं। जबकि मां सुमित्रा देवी गृहिणी है। अनुज की शादी बीते साल नवंबर माह में हुई थी। नई टिहरी जाखणीधार ब्लॉक के चौंड-जसपुर निवासी विनोद सिंह (33) ने भी कठुआ में हुए आतंकी हमले में अपनी शहादत दी। वीर सिंह भंडारी और शशि देवी के पुत्र विनोद सिंह 10वीं गढ़वाल राइफल में तैनात थे। वर्तमान में उनका परिवार भानियावाल देहरादून में रहता है। विनोद 2011 में सेना में भर्ती हुए थे। वह घर के इकलौते बेटे थे। विनोद का चार साल का बेटा और चार माह की बेटी है। डेढ़ माह पहले ही वह घर भानियावाला आए थे। शहीद विनोद सिंह के पिता वीर सिंह भंडारी भी पूर्व सैनिक हैं।

कीर्तिनगर ब्लॉक के थाती डागर निवासी राइफलमैन आदर्श नेगी भी कठुआ में शहीद हुए। 26 वर्षीय आदर्श नेगी 2018 में सेना में भर्ती हुए थे। उनके पिता दलबीर सिंह नेगी गांव में ही खेतीबाड़ी का काम करते हैं। आदर्श की 12वीं तक की पढ़ाई राजकीय इंटर कालेज पिपलीधार से हुई। 2018 में वह गढ़वाल राइफल्स में भर्ती हो गए। उस दौरान वह गढ़वाल विश्वविद्यालय में बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र थे। आदर्श तीन भाई-बहन में सबसे छोटे थे।

रुद्रप्रयाग जखोली ब्लाक के कांडा-भरदार निवासी नायब सूबेदार आनंद सिंह रावत भी देश के लिए शहीद हो गए। 41 वर्षीय आनंद सिंह रावत का परिवार देहरादून में रहता है। पौड़ी जिले के रिखणीखाल विकासखंड के पापड़ी गांव पोस्ट धामधार के निवासी हवलदार कमल सिंह तीन बहनों के इकलौते भाई थे। उनके पिता का काफी साल पहले निधन हो गया था। गांव के घर में मां सुमति देवी, पत्नी रजनी देवी अपनी तीन और पांच साल की बेटियों के साथ रहती हैं। इसी साल कमल सिंह ने बच्चों को पढ़ाने के लिए कोटद्वार में किराए पर मकान लिया था।

जम्मू संभाग में ...

इसके ठीक एक पखवाड़े बाद राजौरी जिले के कंडी में आतंकवादियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में पांच पैरा कमांडो शहीद हो गए और एक मेजर घायल हुए।

शहादतों का क्रम यहीं नहीं रुका, 22 नवंबर 2023 को राजौरी के कालाकोट के धर्मशाल इलाके के बाजीमाल में दो विदेशी आतंकियों को ढेर करते हुए पांच सैन्यकर्मी शहीद हो गए, जिनमें दो कैप्टन शामिल थे। 21 दिसंबर 2023 को पुंछ के सुरनकोट इलाके के डेरा की गली में पांच और बहादुर जवान शहीद हो गए और दो अन्य घायल हुए।

यह क्रम इस साल भी जारी है। 28 अप्रैल 2024 को उधमपुर जिले के बसंतगढ़ में एक वीडीजी जवान शहीद हो गया। 4 मई 2024 को पुंछ के सुरनकोट में एक भारतीय वायुसेना के जवान ने अपनी जान गंवाई। 11 जून 2024 को कठुआ के हीरानगर में एक सीआरपीएफ जवान ने अपनी जान कुर्बान कर दी। और अब कठुआ जिले के बिलावर इलाके के मच्छेड़ी में कल सेना के पांच जवान शहीद हो गए।

15 जुलाई को शुभ योगों में मनाई जाएगी भडल्या नवमी

सनातन धर्म में भडल्या नवमी का विशेष महत्व है। इसे अबूझ मुहूर्त भी कहा जाता है। आसान शब्दों में कहें तो भडल्या नवमी पर बिना किसी ज्योतिषीय सलाह के सभी प्रकार के शुभ कार्य कर सकते हैं। इस वर्ष देवशयनी एकादशी 17 जुलाई को है। इससे पूर्व 15 जुलाई तक शुभ कार्य कर सकते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 14 जुलाई को संध्याकाल 05:26 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन 15 जुलाई को शाम 07:19 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार 15 जुलाई को भडल्या नवमी मनाई जाएगी।

भडल्या नवमी हर वर्ष आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाता है। भडल्या नवमी पर एक साथ 07 शुभ योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से सभी प्रकार के मनोरथ सिद्ध हो जाएंगे। यह दिन अक्षय तृतीया की तरह शुभ कार्य के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। भडल्या नवमी स्वंयसिद्ध तिथि है। इस तिथि पर सभी प्रकार के शुभ कार्य कर सकते हैं। साथ ही शुभ कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं। इसके लिए किसी ज्योतिष से सलाह लेने की आवश्यकता नहीं होती है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 14 जुलाई को संध्याकाल 05:26 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन 15 जुलाई को शाम 07:19 मिनट पर समाप्त होगी।

उदया तिथि के अनुसार 15 जुलाई को भडल्या नवमी मनाई जाएगी। इस दिन गुप्त नवरात्र की नवमी भी होगी। इस वर्ष 06 जुलाई से लेकर 15 जुलाई तक गुप्त नवरात्र है। इन नौ दिनों में दस महाविद्याओं की देवी की भक्तिभाव से पूजा-अर्चना की जाती है। तंत्र साधना सीखने वाले साधक इन नौ दिनों में मां की कठिन तपस्या करते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

सिद्ध योग :- भडल्या नवमी पर सिद्ध योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण सुबह 07 बजे तक है। इसके बाद साध्य योग का संयोग बन रहा है। साध्य योग 16 जुलाई को सुबह 07:19 मिनट तक है। सिद्ध और साध्य को बेहद शुभ मानते हैं। इन योग में शुभ कार्य कर सकते हैं। साथ ही शुभ कार्य का श्रीगणेश कर सकते हैं।

रवि योग :- आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की नवमी पर रवि योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण दिन भर है। ज्योतिष रवि योग को शुभ मानते हैं। इस योग में भगवान शिव की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

शिववास योग :- भडल्या नवमी पर शिववास योग का भी संयोग बन रहा है। इस योग का निर्माण संध्याकाल 07:19 मिनट तक हो रहा है। इस समय देवों के देव महादेव कैलाश पर्वत पर मां गौरी के साथ विराजमान रहेंगे। इस दौरान भगवान शिव एवं मां पार्वती की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि आती है।

करण योग :- भडल्या नवमी पर अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:59 मिनट से लेकर दोपहर 12:55 मिनट तक है। इस दिन बालव, कौलव और तैतिल योग का भी निर्माण हो रहा है। कुल मिलाकर भडल्या नवमी पर दिन के किसी समय राहुकाल को छोड़कर शुभ कार्य कर सकते हैं। इस तिथि पर राहु काल प्रातः काल 07:17 मिनट से 09 बजे तक है।

महत्व :- भड़ली नवमी तिथि स्वयंसिद्ध मुहूर्त है। इस तिथि पर शुभ कार्य करने के लिए ज्योतिष गणना की आवश्यकता नहीं पड़ती है। किसी भी समय जातक अपनी सुविधा के अनुसार शुभ कार्य कर सकते हैं। साथ ही शुभ कार्य का श्रीगणेश कर सकते हैं। इस तिथि पर शुभ कार्य करने से अक्षय तृतीया के समतुल्य फल प्राप्त होता है।

सावन में इस बार अद्भुत संयोग, 5 सोमवार और 4 मंगला गौरी व्रत, 3 शुभ योग में शुरू पवित्र माह

हिंदू धर्म में श्रावण मास का विशेष महत्व है। ये शिव की पूजा आराधना का मास है । श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित होता है। मान्यता है सावन के महीने में जो भी पूजा पाठ की जाती है उसका विशेष फल प्राप्त होता है। इस बार सावन पर काफी अद्भुत संयोग बन रहे हैं। इस बार सावन के महीने की शुरुआत और समापन सोमवार से हो रहा है।

सावन माह में इस बार भक्तों को भगवान शिव की आराधना करने का ज्यादा मौका मिलेगा। क्योंकि सावन में इस बार पांच सोमवार होंगे। पहला सोमवार 22 जुलाई को होगा। इस बार सावन माह 29 दिन का होगा। सावन माह की जैसे-जैसे तिथि नजदीक आती जा रही है वैसे वैसे शिवालयों में भी तैयारी शुरू होने लगी है। इस माह शिवरात्रि भी पड़ेगी। 22 जुलाई को श्रावण के पहले सोमवार की शुरुआत होगी। 29 जुलाई को दूसरा, 5 अगस्त को तीसरा, 12 अगस्त चौथा और 19 अगस्त को पांचवा और अंतिम सोमवार रहेगा।

5 सावन सोमवार, 4 मंगला गौरी पूजन

गांव गुरु पं। ओमप्रकाश जोशी बताते हैं सावन का पहला सोमवार 22 जुलाई को है। इसी दिन से सावन मास आरंभ हो रहा है। साथ ही इस बार सावन मास में यह शुभ संयोग बन रहा है। सावन की शुरुआत सोमवार से और समापन भी सोमवार को हो रहा है। 22 जुलाई को सावन श्रवण नक्षत्र, प्रीति और स्वार्थ सिद्धि योग में हो रहा है। उन्होंने बताया श्रावण मास में भोलेनाथ ही नहीं बल्कि महिलाओं को मंगला गौरी पूजन के भी चार दिन मिलेंगे। चार मंगलवार मंगला गौरी यानि माँ पार्वती की पूजा की जाएगी।

शिवालयों में सावन की तैयारी

शहर के ऑफिसर्स कॉलोनी स्थित मनोकामना पूर्ण महादेव मंदिर, जसदेर धाम स्थित शिव शक्ति धाम,महाबार रोड स्थित सफेद आकड़ा महादेव मंदिर, रातानाड़ा स्थित शुजेश्वर महादेव मंदिर, हल्देश्वर महादेव मंदिर में सावन की तैयारी शुरू हो गयी है। इन मंदिरों में बड़े स्तर पर शिव अभिषेक और पूजन किया जाएगा।

सावन शिवरात्रि पर बन रहा हैं विशेष संयोग, इस शुभ मुहूर्त में करें पूजा

कब मनाई जाएगी सावन शिवरात्रि

सावन शिवरात्रि का पावन त्योहार इस बार 2 अगस्त 2024 को मनाया जाएगा, इसकी शुरुआत 2 अगस्त को दोपहर 3:24 से हो जाएगी जो कि अगले दिन 3 अगस्त शाम 3:26 पर होगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार 2 अगस्त को ही सावन शिवरात्रि का त्योहार मनाया जाएगा। सावन शिवरात्रि के दिन निशा काल में भगवान शिव की पूजा अर्चना करने से भक्तों के सभी दुख और कष्ट दूर होते हैं और भगवान उन्हें मनचाहा वरदान देते हैं।

सावन शिवरात्रि पर बन रहा है यह शुभ संयोग

सावन शिवरात्रि के पावन त्योहार पर इस बार विशेष संयोग बन रहा है। ज्योतिषों के अनुसार, इस बार सावन शिवरात्रि शुक्रवार के दिन पड़ रही है। ऐसे में सवार्थ सिद्धि योग बन रहा है। साथ ही यज संयोग में भगवान शिव के साथ मां लक्ष्मी की कृपा के लिए अद्भुत संयोग है, ऐसे में आप इस दिन भगवान शिव की पूजा अर्चना करने के साथ ही मां लक्ष्मी की भी सच्चे मन से आराधना करें।

सावन शिवरात्रि पर करें ये विशेष काम

सावन शिवरात्रि के मौके पर आप गन्ने के रस में गंगाजल और गुलाब जल मिलाकर भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया जाए, तो इससे भगवान भोलेनाथ बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं। अगर आप भगवान शिव का रुद्राभिषेक नहीं कर पाए, तो शिव मंदिर में जाकर उनके शिवलिंग पर जल अर्पित करें और तीन बेलपत्र चढ़ाएं ऐसा करने से भगवान शिव की कृपा आप पर बनेंगी और आप इस सावन शिवरात्रि पर अपना मनचाहा वरदान पा सकते हैं।

55 फीट जमीन के अंदर स्थित है यह चमत्कारी मंदिर, 500 साल पुराना है इसका इतिहास

उत्तर प्रदेश के मथुरा के विश्राम घाट पर एक ऐसा मंदिर स्थित है, जिसे रूद्र चर्चिका के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर जितना ऊपर है उतना ही जमीन के अंदर। इस मंदिर की खास बात यह है कि इसमें एक मूर्ति स्थापित है। लाल सिंदूर से उस मूर्ति का चोला चढ़ाया जाता है। यह मंदिर करीब साढ़े 500 वर्ष से अधिक पुराना है।

500 साल से अधिक पुराना है मंदिर

मथुरा में हमेशा से ही राजाओं ने राज किया है। प्राचीन समय में भी राजा यहां पर राज किया करते थे। राजाओं के राज करने की निशानी यहां आज भी मौजूद है। राजस्थान के एक राजा भारमल ने मंदिर का निर्माण कराया था। रुद्र चर्चिका का मंदिर के पुजारी जगदीश्वर चतुर्वेदी ने बताया कि यह मंदिर साढ़े 500 वर्ष से अधिक पुराना है। मंदिर का निर्माण राजस्थान के राजा भारमल ने कराया था। मंदिर के चारों ओर शुभ कलाकृति बनी हुई हैं। यह मंदिर यमुना के किनारे विश्राम घाट पर स्थित है। उन्होंने बताया कि यह मंदिर 55 फीट ऊंचा है। उतना ही हिस्सा जमीन में बना हुआ है।

जब इस मंदिर का निर्माण पूरा हुआ तो हमारे पिताजी को राजा भारमल ने इसे दान में दे दिया। राज्य से इमारत की देखरेख के लिए 10 प्रति साल का कर निर्धारण राजा भारमल ने कर रखा था। 10 साल इसका कर आता था। इस मंदिर को सती मंदिर के नाम से जाना जाता है। ब्रिटिश काल के कलेक्टर रहे एफ। एस ग्राउस ने अपनी पुस्तक में यह लिखा था, कि राजा भारमल की पत्नी की याद में यह बनाया गया था। यह पवित्र देवी का मंदिर है। जगदीश्वर चतुर्वेदी ने बताया कि इसका जो इतिहास है आप डेढ़ और दो साल पुराने इतिहास में देख सकते हैं। यह एक ऐतिहासिक इमारत है। उन्होंने बताया कि राजा भारमल ने हमारे पिताजी के पूर्वजों को दान किया था और वह हमारे जजमान थे। उन्होंने बताया कि इस मंदिर की खास बात यह है कि एक लाल पत्थर की मूर्ति इनबिल्ट है। यह मथुरा की सबसे पुरानी ऐतिहासिक इमारत है। 550 वर्ष पहले 10 रुपए साल के शुल्क पर इसे दिया गया था।

आखिर कौन हैं बिमला देवी जिन्हें भोग लगाने के बाद ही प्रसाद ग्रहण करते हैं भगवान जगन्नाथ

पुरी का जगन्नाथ मंदिर पवित्र चार धामों में से एक है। हर स्थान पर राधा रानी के साथ विराजने वाले प्रभु यहां भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ स्थापित हैं। मान्यता है कि पुरी की जगन्नाथ भगवान की मुर्ति में भगवान श्री कृष्ण का हृदय धड़कता है। हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितिया तिथि को पुरी में भव्य रथ यात्रा निकलती है, जिसमें देश-विदेश से हजारों लोग शामिल होते हैं। पुरी के भगवान जगन्नाथ का बिमला देवी से गहरा नाता है। भगवान से पहले बिमला देवी को भोग लगाए जाने की परंपरा है। मान्यता है कि बिमला देवी के भोग लगाए बगैर भगवान जगन्नाथ भोग ग्रहण नहीं करते हैं। तो चलिए जानते हैं आखिर कौन हैं बिमला देवी और क्यों प्रभु से पहले उन्हें लगाया जाता है भोग।

माता पार्वती का रूप

भगवान जगन्नाथ के धाम पुरी में बिमला देवी की भी पूजा की जाती है। देवी बिमला को आदि शक्ति मां पार्वती का स्वरूप माना जाता है, जो भगवान विष्णु की बहन हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, बिमला देवी पुरी की अधिष्ठात्री देवी हैं। पुरी मंदिर परिसर में देवी बिमला की पीठ स्थापित है। मंदिर में भोग तैयार होने पर भगवान जगन्नाथ को लगाया जाने वाला भोग पहले बिमला देवी को चढ़ाया जाता है उसके बाद ही प्रभु को भोग लगाया जाता है।

बिमला देवी को क्यों चढ़ाया जाता है भोग

पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान विष्णु के लिए देवी लक्ष्मी स्वयं भोग तैयार करती थीं। नारद मुनि को इस भोग को चखने की बड़ी इच्छा थी। आखिरकार माता लक्ष्मी को प्रसन्न कर वरदान में भोग चखने का वर मांग लिया।

माता लक्ष्मी ने उन्हें भोग प्रसाद दिया लेकिन इसे अपने तक ही सीमित रखने के लिए कहा। नारद मुनि प्रसाद लेकर कैलाश चले गए और उनके मुंह से महाभोग की बात निकल गई। भगवान शिव ने भी प्रसाद ग्रहण करने की इच्छा जताई। प्रसाद ग्रहण कर भोलेनाथ प्रसन्न होकर नृत्य करने लगे जिससे कैलाश डगमगाने लगा। देवी पार्वती ने इसका कारण पूछा और भोग की बात पता चलने पर प्रसाद ग्रहण करने की इच्छा जताई लेकिन प्रसाद समाप्त हो गया था। इससे देवी रुष्ट हो गईं। इसके बाद भगवान शिव देवी के साथ जगन्नाथ धाम पहुंचे। देवी पार्वती ने मायके में भोजन करने की इच्छ प्रकट की। भगवान जगन्नाथ जी सब कुछ समझ गए और कहा देवी लक्ष्मी के हाथ से बने भोग का प्रसाद पाने से कर्म का सिद्धांत बिगड़ सकता है इसलिए मैंने इसे सीमित रखा था लेकिन अब सभी इसे ग्रहण कर पाएंगे। मेरे लिए तैयार भोग सबसे पहले मेरी बहन पार्वती देवी को अर्पित किया जाएगा। संतानों के प्रति बिमल प्रेम के कारण देवी पार्वती बिमला देवी के रूप में जगन्नाथ धाम में विराजेगी।

सूर्य करने वाले हैं कर्क राशि में गोचर

कर्क संक्राति के दिन जरूर करें इन नियमों का पालन

ग्रहों के राजा सूर्य देव 30 दिनों में एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं। सूर्य के एक राशि से दूसरे राशि में गोचर करने को संक्रांति कहा जाता है। सूर्य देव अभी मिथुन राशि में हैं जल्द ही कर्क राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। सूर्य के कर्क राशि में गोचर करने के दिन को कर्क संक्रांति कहा जाता है। हर संक्राति को भगवान सूर्य की विधि-विधान से पूजा की जाती है। इस दिन कुछ नियमों का पालन करना जरूरी होता है जिसके बारे में आपको बताने वाले हैं।

सूर्य देव का राशि परिवर्तन

पंचांग के अनुसार, ग्रहों के राजा सूर्य देव 16 जुलाई को प्रात: 11 बजकर 29 मिनट पर मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। कर्क राशि में सूर्य देव 19 जुलाई को पुष्य नक्षत्र, 2 अगस्त को अश्लेषा नक्षत्र और 16 अगस्त को मघा नक्षत्र में गोचर करेंगे। 16 अगस्त को सूर्य देव अपनी राशि सिंह में भी गोचर करेंगे।

कर्क संक्रांति के दिन करें इन नियमों का पालन

सूर्य देव 16 जुलाई को प्रात: 11 बजकर 29 मिनट पर मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। इस शुभ दिन पर सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और पूजा घर की साफ-सफाई करें। इसे दिन पवित्र नदियों में स्नान करना बेहद शुभ और फलदाई माना जाता है। अगर गंगा स्नान करना संभव नहीं हो तो घर में नहाने के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए। इस दान-पुण्य करने का भी बहुत महत्व है। संक्राति के दिन सात्विक भोजन करना चाहिए और मांस मदिरा से दूर रहना चाहिए। संक्राति के दिन भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर उनकी पूजा करनी चाहिए। शास्त्रों के अनुसार संक्रांति के दिन सूर्य को अर्घ्य देने से भाग्य मजबूत होता है और कुंडली में मौजूद दोष दूर होते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन पवित्र जल में स्नान करने और दान करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं।

वृष राशि में मंगल का गोचर होते ही इन 4 राशियों की जाग जाएगी सोई किस्मत

साहस, ऊर्जा के कारक ग्रह मंगल जुलाई में वृषभ राशि में गोचर करने वाले हैं। मंगल का राशि परिवर्तन कुछ राशियों के जीवन में सुख, ऐश्वर्य, संपत्ति और सेहत के मामले में लाभदायक होगा।

मंगल ग्रह 12 जुलाई 2024 को रात 07 बजकर 12 मिनट पर वृषभ राशि में प्रवेश करेंगा। मंगल मेष और वृश्चिक राशि के स्वामी हैं। मंगल के गोचर से मेष राशि वालों को बंपर लाभ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। करियर के लिहाज से अच्छे दिन शुरू होने वाले हैं। धन दौलत में बढ़ोत्तरी के योग बन रहे हैं।

कर्क राशि वालों को मंगल का राशि परिवर्तन आर्थिक और पारिवारिक मामले में लाभ देगा। व्यापार को लेकर बनाई योजना सफल हो सकती है। धन प्राप्ति के नए अवसर मिलेंगे। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिल सकते हैं।

कर्क राशि वालों को मंगल का राशि परिवर्तन आर्थिक और पारिवारिक मामले में लाभ देगा। व्यापार को लेकर बनाई योजना सफल हो सकती है। धन प्राप्ति के नए अवसर मिलेंगे। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिल सकते हैं।

वृषभ राशि – मंगल शुक्र की राशि वृषभ में गोचर कर रहे हैं, शुक्र-मंगल में मित्रता का भाव है। ऐसे में आपकी आध्यात्म में रूचि बढ़ेगी। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। कार्यस्थल पर आपके काम की सराहना होगी। सेहत अच्छी रहेगी।

कुंभ राशि – मंगल गोचर से आपके जीवन में सकारात्मक आएगी। नई नौकरी के योग बनेंगे। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

सारिपोधा सानिवारम के फर्स्ट लुक में पुलिस किरदार में दिखीं प्रियंका मोहन

नानी अभिनीत अपकमिंग फिल्म सारिपोधा सानिवारम से एक्ट्रेस प्रियंका मोहन का फर्स्ट लुक सामने आया है। तस्वीर में वह एक पुलिस अधिकारी के रूप में एक बैग पकड़े आसमान की ओर देखती दिखाई दे रही हैं।फिल्म में एक्ट्रेस चारू की भूमिका निभा रही हैं। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का पहला लुक शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सूर्या सैटरडे से चारुलता के रूप में प्रियंका मोहन ऑफिशियल का परिचय, वह सीधे आपके दिलों तक रिपोर्ट करने के मिशन पर हैं।हाल ही में फिल्म का पहला सिंगल गरम गरम भी रिलीज किया गया, जिसे काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।निर्माताओं ने फिल्म से नानी का लेटेस्ट लुक भी जारी किया था, जिसमें उनके किरदार का एक अलग पक्ष दिखाया गया था।

नए पोस्टर में नानी को ज्यादा शांत और संयमित दिखाया गया है, जो उनके किरदार के शांत पक्ष को दिखाता है।डीवीवी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, सारिपोधा सानिवारम विवेक अथरेया द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म में एसजे सूर्या और साई कुमार पी भी हैं।यह फिल्म 29 अगस्त, 2024 को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भाषाओं में सिनेमाघरों में आने वाली है।

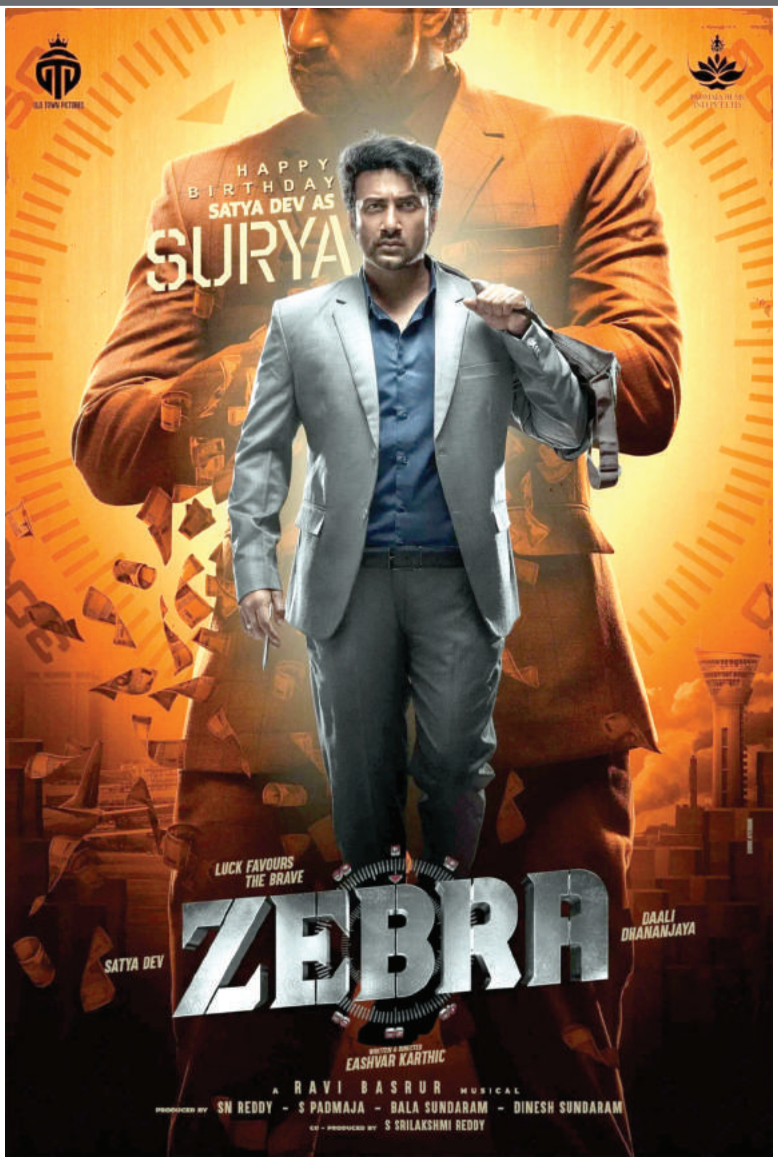

फिल्म जेबरा से दाली धनंजय का पहला लुक सामने आया

ईश्वर कार्तिक द्वारा निर्देशित मल्टी-स्टारर फिल्म में प्रतिभाशाली नायक सत्यदेव और कन्नड़ स्टार दाली धनंजय मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। ज़ेबरा नामक इस फिल्म का निर्माण पद्मजा फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड और ओल्ड टाउन पिक्चर्स के बैनर तले एसएन रेड्डी, एस पद्मजा, बाला सुंदरम और दिनेश सुंदरम ने किया है। फिल्म से सत्यदेव का पहला लुक उनके जन्मदिन के अवसर पर जारी किया गया।पोस्टर में सत्यदेव को सूट पहने स्टाइलिश अवतार में दिखाया गया है, लेकिन वे यहां बहुत गंभीर दिख रहे हैं और उनके चेहरे पर गहरी निगाहें हैं। वे कंधे पर बैग टांगे हुए उग्रता से चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। दूसरे हाथ में कलम है। बैकग्राउंड पोस्टर में सत्यदेव को करेंसी नोटों के साथ दिखाया गया है। फर्स्ट लुक से ही पता चलता है कि फिल्म में सत्यदेव का किरदार कितना दमदार होने वाला है।लक फेवर्स द ब्रेव फिल्म की टैगलाइन है जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। निर्माता जल्द ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करेंगे।प्रिया भवानी शंकर और जेनिफर पिकिनाटो इस क्राइम एक्शन एंटरटेनर में मुख्य भूमिका में हैं, जबकि अनुभवी अभिनेता सत्यराज फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। सत्य अकाला और सुनील अन्य प्रमुख कलाकार हैं।केजीएफ और सालार फेम रवि बसरूर ने फिल्म के लिए संगीत दिया है, जबकि सत्य पोनमार सिनेमैटोग्राफर हैं। एस श्रीलक्ष्मी रेड्डी सह-निर्माता हैं। अनिल कृष संपादन का काम संभालते हैं, जबकि संवाद मीराख द्वारा लिखे गए हैं।

ब्लैक आउटफिट में प्रज्ञा जायसवाल ने दिखाईं दिलकश अदा

साउथ की खूबसूरत एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही खूबसूरत सी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर फैंस उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही शानदार फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो अपने कातिलाना अंदाज से लोगों के बीच कहर बरपा रही हैं।एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स की तारीफ करते नहीं थकते हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने ब्लैक कलर का रिवीलिंग लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए नजर आ रही हैं।गले में नेकलेस, खुले बाल, मिनिमल मेकअप और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। प्रज्ञा जायसवाल सोशल मीडिया लवर हैं और आए दिन अपनी ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपने कातिलाना हुस्न का दीदार करवाती रहती हैं।एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। उन्हें 2।5 मिलियन यूजर्स इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं।

वेब सीरीज मिक्सचर में नजर आएंगी अनुष्का रंजन

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का रंजन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में हैं, बताया जा रहा है कि वह हनीश कालिया के निर्देशन में बनी एक्शन थ्रिलर सीरीज मिक्सचर में अहाना कुमरा के साथ नजर आएंगी।अहाना कुमरा द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर, सलाम वेंकी, लिपस्टिक अंडर माई बुर्का और खुदा हाफिज जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं।मिक्सचर एक मनोरंजक सीरीज है, जिसमें अपराध और रहस्य की दुनिया है।सीरीज का हिस्सा बनने पर अनुष्का रंजन ने कहा, मैं मिक्सचर के कलाकारों के साथ काम करके और इस एक्शन थ्रिलर में शामिल होकर बेहद एक्साइटेड हूं। इस प्रोजेक्ट ने अपनी कहानी और किरदारों के जरिए मुझे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।अनुष्का ने कहा: कहानी में आए उतार-चढ़ाव ने मुझे लगातार बांधे रखा। गोवा और मुंबई के शूटिंग एक्सपीरियंस ने रोमांच को बढ़ा दिया। मैं दर्शकों के साथ इस सफर को साझा करने के लिए बेताब हूं और ऐसी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने के अवसर के लिए आभारी हूं।पिनाका एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित मिक्सचर इस साल के आखिर में रिलीज होगी। इसकी शूटिंग गोवा के खूबसूरत लोकेशन्स और मुंबई की व्यस्त सड़कों पर हुई है, जो दर्शकों के लिए रोमांचक एक्सपीरियंस होगा।एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो, अनुष्का रंजन का जन्म मुंबई में 1 अक्टूबर 1990 को हुआ। उनके पिता एक्टर व डायरेक्टर शशि रंजन हैं। उन्होंने व्हिसलिंग वुड्स से 2 साल का एक्टिंग डिप्लोमा किया और फिर कई सालों तक नादिरा बब्बर के थिएटर ग्रुप में भी काम किया।अनुष्का ने गुरुजी वीरू कृष्णा से कथक की ट्रेनिंग ली, वह एक ट्रेंड कथक डांसर हैं। उन्होंने 2015 में फिल्म वेडिंग पुलाव से डेब्यू किया। इसके बाद वह बत्ती गुल मीटर चालू में नजर आईं। इसके अलावा, उन्होंने वेब सीरीज फितरत में काम किया।

इंडो वेस्टर्न आउटफिट पहन रकुल प्रीत सिंह ने ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ स्टाइलिश फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस लट्टू हो गए हैं।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में लेटेस्ट स्टाइलिश आउटफिट पहनकर फोटोशूट करवाया है।इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही स्टाइलिश स्कर्ट पहनी हुई है, उन्होंने साड़ी स्टाइल लुक से स्कर्ट को डिजाइन करवाया है।बालों का बन बनाकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा शानदार तरीके से निखारा है।रकुल प्रीत सिंह ने गले में हैवी ज्वैलरी पहनी हुई है जिसे वो फ्लॉन्ट करती हुई एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह अपने हर एक अंदाज में कहर ढाती हैं। चाहे वो इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक उनका नया लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है।रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया लवर हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा जबरदस्त है।

विजय सेतुपति स्टारर महाराजा का 12 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर होगा प्रीमियर, हिंदी में भी देख सकेंगे

साउथ सुपरस्टार विजय सेतुपति की बहुप्रतीक्षित फिल्म महाराजा 12 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है। निर्माताओं ने आज फिल्म का धमाकेदार पोस्टर जारी किया है, जिसमें विजय सेतुपति खून से लतपथ कुर्सी पर बैठे दिख रहे हैं, उनके पीछे पुलिस वाले खड़े हैं। यह पोस्टर फिल्म की कहानी और उसमें छिपे रहस्यों की एक झलक दिखाता है।महाराजा एक तमिल भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे पोंगल के मौके पर 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया गया था। फिल्म में विजय सेतुपति एक ऐसे शख्स की भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी लक्ष्मी चोरी हो जाती है। इस घटना के बाद कई चौंकाने वाले राज़ सामने आते हैं और महाराजा उन रहस्यों को सुलझाने और चीजों को ठीक करने के लिए हर हद तक जाने को तैयार है।यह फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी। फिल्म के निर्माताओं का मानना है कि यह फिल्म विभिन्न भाषाओं के दर्शकों को पसंद आएगी और यह नेटफ्लिक्स पर एक बड़ी सफलता हासिल करेगी।फिल्म में विजय सेतुपति एक नाई की भूमिका में दिखे हैं। जिसकी पूरी दुनिया उसका बच्चा है। घर में एक दिन डकैती पडड़ जाती है और वह बदला लेने के लिए निकलता है। वह पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत करता है कि तीन लोगों ने उसपर हमला किया है और उसकी बेटी के बचाने वाली लक्ष्मी की चोरी हो गई है। अब ये लक्ष्मी क्या है ये जानने के लिए फिल्म के ओटीटी पर रिलीज होने का इंतजार करें।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म मुंज्या ने भारत में पार किया 100 करोड़ रुपए की कमाई का आंकड़ा

मोना सिंह, शरवरी वाघ और अभय वर्मा की फिल्म मुंज्या को सिनेमाघरों में रिलीज का पांचवां सप्ताह चल रहा और यह दर्शकों के बीच अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है।कल्कि 2898 एडी के तूफान के आगे फिल्म अब भी टिकी हुई है, लेकिन वक्त के साथ इसकी रफ्तार धीमी हो चुकी है।हालांकि, 31वें दिन मुंज्या की कमाई में इजाफा देखने को मिला और अब इस फिल्म ने भारत में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंज्या ने अपनी रिलीज के 31वें दिन यानी पांचवें रविवार को 1।05 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 104।31 करोड़ रुपये हो गया है।दुनियाभर में मुंज्या ने 120 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।हॉरर के साथ कॉमेडी के तड़के से भरपूर इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजान ने किया है।

आदित्य सरपोतदार ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। बॉक्स ऑफिस पर मुंज्या का सामना कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन से हो रहा है।यह फिल्म 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर इसका दैनिक कारोबार 60 करोड़ रुपये की ओर है।इसके अलावा प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन जैसे सितारों से सजी फिल्म कल्कि 2898 एडी भी सिनेमाघरों में लगी हुई है।नाम अश्विन निर्देशत फिल्म की कहानी महाभारत काल से शुरू होकर कलयुग के अंत तक जाती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिन अच्छा है दिन भर उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों के साथ कहीं बाहर जाने का प्रोग्राम बनेगा अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हो सकता हैं. पड़ोस में कोई विवाद होने पर आप स्वयं सकारात्मक रहें.व्यायाम करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज धरती को प्रणाम करें कर दर्शन करें , दिन बढीया बितेगा . आप अपने कारोबार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं.दिन के पीछले भाग मे कुछ आराम का व्यवहार करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आमदनी मे बढोतरी होगी पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आपको फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें कार्यशैली मे बदलाव करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए.शिवजी पर काले तिल चढाए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

लोगों से व्यवहार करते समय चौकन्ना रहने की जरुरत हैं उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिलेगा.खर्चा ज्यादा होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दिन मिलाझुला रहेगा लेन–देन और निवेश के मामलों में नई नीति अपना होगा . आपके आसपास चहल–पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे फिर भी सिद्धि मिलेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लाभ मिलेगा चिंता मुक्त होंगे किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो मुश्किलें ही आएगी काम नही होंगे चलती हुई व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए ख अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है ख छात्रों के लिए समय अनुकूल हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप के काम बनेंगे आप की प्रशंसा होगी कुछ लोग आपसे प्रभावित भी हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी .उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.इससे आपको सफलता मिलेगी । कामकाजी महिलाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.गाय को गेहूँ गुड और नंदी को भूसा खिलाए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सूर्य उपासना करें आरोग्यता मिलेगी सूर्य अष्टक का पाठ करें आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग हैं आज आप गुस्से और व्यवहार मे बदलाव बहुत जरुरी हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज व्यापार मे और कार्य शैली मे साथ ही साथ बिजनेस में कुछ बदलाव करना पड सकता हैं किसी खास मामले को लेकर परिवार से बातचीत हो सकती है. ऑफिस के काम या अपने किसी शौक के कारण आप व्यस्त हो सकते हैं . कुछ जिम्मेदारियां और जरूरी काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं. निवेश करने या किसी को आर्थिक मदद देने के पहले सलाह कर लें. नए जमीन और वाहन खरीदने का विचार बन रहा है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आय के स्रोत खुले रहेंगे वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. व्यापार के कारण यात्रा सम्भव हैं नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा. व्यावसायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए समय अनुकूल हैं आप सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद लेंगे दाम्पत्यजीवन सुखमय बीतेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बडे बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर काम आरंभ करें कार्य सिद्ध होंगे जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा..सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए–नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहेंगे.सीनियर आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में पदोन्नति और प्रशंसा मिल सकती है.दोस्तों के साथ मौज–मस्ती में आपका दिन बीत सकता है.शिवजी पर दूध जल चढाए।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 10 जुलाई 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी प्रातः 07:54 तक
नक्षत्र : मघा प्रातः 10:15 तक
योग : व्यतिपात रात्रि 03:09 तक
करण : विष्टि प्रातः 07:54 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल प्रातः 10:15 तक , भद्रा प्रातः 07:53 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दीया दिखाएंगी डबल इंजन का दम

नई सरकार अपने पहले बजट में कर सकती है बंपर घोषणाएं

जयपुर,09 जुलाई (एजेंसियां)। इसी साल जनवरी में भजनलाल सरकार का अंतरिम बजट पेश करने के बाद कल बुधवार को वित्त मंत्री दीया कुमारी सुबह 11 बजे विधानसभा में पूर्ण बजट पेश करेंगी। बजट का आकार करीब 4 लाख 90 हजार करोड़ के आस-पास रह सकता है।

जानकारी के मुताबिक अंतरिम बजट में राजस्व संग्रहण के जो लक्ष्य तय किए गए थे, उनमें इस बार कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। यानी बजट का साइज भी लगभग वही रहने वाला है, जो अंतरिम बजट में पेश किया गया था। हालांकि अंतरिम बजट में घोषणा नहीं की गई थी और इस बार नई सरकार अपने पहले बजट में बंपर घोषणाएं कर सकती हैं।

रोजगार: बजट में करीब एक लाख नई भर्तियों का एलान हो सकता है। हालांकि सरकार 70 हजार भर्तियों की घोषणा पहले ही कर चुकी हैं। इन्हें शामिल करते हुए ही नई एक लाख भर्तियों की घोषणा की जा सकती है।

स्वास्थ्य: निसंतान दंपत्तियों के लिए आईवीएफ ट्रीटमेंट को स्वास्थ्य बीमा के दायरे में लाया जा सकता है। अब तक ये इलाज बीमा कवर से बाहर है। इसके अलावा कुछ गंभीर बीमारियों के लिए भी हेल्थ कवर का एलान किया जा सकता है।

महिला महाविद्यालय का एलान: राजस्थान में जिन जिलों में महिला महाविद्यालय नहीं हैं, वहां नए महाविद्यालय खोले जाने का एलान किया जा सकता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर: राजस्थान में इंफ्रास्ट्रक्चर का दायरा बढ़ाने के लिए स्टेट रोड फंड का दायरा बढ़ाया जा सकता है।

बिजली कंपनियों के घाटा कम करने के लिए घोषणा: राजस्थान की बिजली कंपनियों की स्थिति खराब है। अब तक करीब एक लाख करोड़ रुपये के घाटे में बिजली कंपनियां पहुंच चुकी हैं। इसलिए कुछ घाटे वाली जगहों पर प्राइवेट एडमिनिस्ट्रेशन की एंट्री की जा सकती है। घरों में सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना का दायरा बढ़ाया जा सकता है। जयपुर मैट्रो के लिए फेज टू को वित्तीय स्वीकृति देने का एलान किया जा सकता है।

मौजूदा वित्त वर्ष में सरकार की कमाई के आंकड़े

मौजूदा वित्त वर्ष के अप्रैल और मई माह में राज्य सरकार का कुल स्टेट टैक्स और नॉन टैक्स रेवेन्यू 19 हजार करोड़ रहा है। इनमें शराब से इस साल कुल 17100 करोड़ के टैक्स कलेक्शन का अनुमान है। इसमें से अब तक आया 1192 करोड़ सरकार को मिल चुका है। वहीं, कमर्शियल टैक्स को लेकर बजट अनुमान 88300 करोड़ रखा गया है। इसमें से अब तक आया 5678 करोड़ मिल चुका है। स्टांप रजिस्ट्रेशन को लेकर अंतरिम बजट अनुमान 11300 करोड़ रखा गया है, जिसमें अब तक आया 662 करोड़ मिला है। इसी तरह खनन से राजस्व प्राप्ति का बजट अनुमान 9500 करोड़ रखा गया है, जिसमें से अब तक 613 करोड़ आया है। वहीं, ट्रांसपोर्ट से टैक्स कलेक्शन का बजट अनुमान 8100 करोड़ है, जिसमें से अब तक आया 507 करोड़ रुपये सरकार के खजाने में आ चुका है। इसके अलावा 12 हजार करोड़ रुपये की मार्केट बोरोइंग की गई है। केंद्र से ग्रांट के रूप में भी लगभग साढ़े 4 हजार करोड़ रुपये मिले हैं। इस राजस्व प्राप्ति के विरुद्ध सरकार ने मई तक 41 हजार करोड़ रुपये का खर्च किया है।

दोस्त की नकली फेसबुक आईडी बनाकर मैसेज भेजा

साइबर ठग ने की दो लाख की ठगी

झुंझुनू,09 जुलाई (एजेंसियां)। झुंझुनू के नयासर गांव में साइबर ठग ने एक युवक शाहिद के दोस्त की नकली फेसबुक आईडी बनाकर मदद के नाम पर एक लाख रुपयों की मांग की। दोस्त की मदद करने के लिए पीड़ित युवक ने इधर-उधर से रुपये उधार लेकर दोस्त को ऑनलाइन भेज दिए लेकिन रुपये भेजने के बाद पता चला कि मदद के नाम पर पीड़ित युवक मुसीबत में फंस गया है।

नयासर निवासी शाहिद ने बताया कि उसका दोस्त घांघू निवासी अजय सऊदी अरब में रहता है। उसके पास फेसबुक पर एक मैसेज आया था, मैसेज भेजने वाले ने अजय की फोटो लगाकर आईडी बना रखी थी। मैसेज में बताया गया था कि उसने अकाउंट में पांच लाख रुपये भेजे हैं और यह रकम उसे एक दिन बाद मिल जाएगी।

उसने यह भी कहा कि उसका वीजा खत्म होने वाला है, इसलिए उसे तत्काल दो लाख रुपयों की जरूरत है, उसने एजेंट का बैंक अकाउंट नंबर भी भेजा।

शाहिद ने बिना जांच-पड़ताल किए अपने परिचितों से उधार लेकर ई-मित्र से एक लाख रुपये बैंक अकाउंट में जमा करा दिए। रुपये जमा कराने के बाद शाहिद ने अजय को फोन करके बताया तो अजय ने कहा कि उसने ऐसा कोई फोन नहीं किया था और न ही उसका वीजा खत्म हो रहा है।

इसके बाद शाहिद को उसके साथ हुए साइबर फ्रॉड के बारे में पता चला।

खुद को पुराने सिक्कों का सौदागर बताकर दिया एक करोड़ का लालच

3.58 लाख रुपए ठगे, पुलिस ने किया गिरफ्तार

दौसा,09 जुलाई (एजेंसियां)। यदि आपके पास भी पुराने नोट या सिक्के हैं तो सावधान हो जाइए, किसी ऑनलाइन साइबर ठग चक्कर में कहीं आप भी कंगाल न हो जाएं। ताजा मामला दौसा का है। यहां साइबर क्राइम पुलिस थाना ने पुराने सिक्कों को करोड़ों रुपये में खरीदने का झांसा देकर ठगी करने वाले आरोपी गिरफ्तार किया है। आरोपी ने रमेश शर्मा से 3.58 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी की थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी पूर्व में भी ठगी के मामले में जेल जा चुका है। दौसा पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा ने बताया कि साइबर अपराध की बढ़ती वारदात पर अंकुश लगाने और वांछित आ-पराधी की गिरफ्तारी के लिए बृजेश कुमार मीना पुलिस उप अधीक्षक साइबर क्राइम जिला दौसा की देखरेख में साइबर थाना दौसा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर आरोपी को 08 जुलाई 2024 को नगर जिला डीग से गिरफ्तार किया है।

27 अक्टूबर 2023 को परिवादी रमेश चंद शर्मा पुत्र गोविन्दनारायण शर्मा निवासी नांगल लोटवाडा जिला दौसा ने थाना पर एक रिपोर्ट दी। उसमें लिखा कि 08 अक्टूबर 2023 को इण्डियन आर्मी ओल्डट कोइन कंपनी के नाम से मेरे वाटसअप नम्बर पर मैसेज आया कि हम पुराने सिक्कों का व्यापार करते हैं। रमेश के पास पुराने सिक्के थे, जिनकी रमेश ने उस ठग को फोटो भेजी तो उन्होंने उन सिक्कों की कीमत 1 करोड़ 77 लाख रुपये बताई।

उधर, इस ठग ने अलग-अलग मोबाइल नंबरों से वाट्सएप और फोन कॉल के जरिए प्रार्थी से संपर्क कर कभी रजिस्ट्रेशन फीस, इनकम टैक्स, कभी गाड़ी खराब होना, पुलिस द्वारा गाड़ी को पकड़ना आदि का बहाना बनाकर रमेश से 357540 रुपये का फ्रॉड किया। इसके बाद रमेश ने आईटीएक्ट में मामला दर्ज कराया और पुलिस ने जांच शुरू की।

साइबर क्राइम पुलिस थाने से टीम का गठन किया गया। तकनीकि आधार पर आरोपी की तलाश करते हुए 08 जुलाई 2024 को उस बदमाश को नगर जिला डीग से गिरफ्तार कर लिया।

उसके बाद आज आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां न्यायालय में पीसी रिमांड दिया गया। अब पुलिस आरोपी से गहनता से पूछताछ कर रही है। आरोपी से और भी कही खुलासे होने की उम्मीद है।

सलाह केंद्र की काउंसलिंग ने बिछड़े दम्पति को फिर से एक किया

अब दोनों मिलकर करेंगे बच्चों की परवरिश

अजमेर,09 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर जिले के पुष्कर थाना परिसर में संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र में बिछड़े जोड़ों को काउंसलिंग के जरिये मिलाया जा रहा है। इसी क्रम में काफी समय से अलग रह रहे एक दम्पति की काउंसलिंग कर पूर्व में की गई न्यायालय की कार्रवाई को वापस लेकर फिर से एक साथ रहने के लिए सहमत किया गया।

पुष्कर थाने में महिला अधिकारिता विभाग एवं एस.के. शिक्षण एवं सामाजिक विकास संस्थान भरतपुर द्वारा संचालित महिला-सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र पुष्कर की प्रभारी विधि काउंसलर पूजा कुमारी दायमा व सामाजिक कार्यकर्ता कामिनी गुप्ता ने काउंसलिंग कर नागौर जिला निवासी सेठुराम व पुष्कर निवासी मंजु देवी के बीच आपसी समझौता करवाया। जिसके बाद वे दोनों पूर्व में की गई अपनी पुलिस कार्रवाइयों एवं दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा समेत अन्य कानूनी वादों को वापस लेकर अपने चार बच्चों की परवरिश साथ मिलकर करने को सहमत हो गए।

विधि काउंसलर पूजा कुमारी ने दंपती को पुलिस कार्रवाई एवं न्यायालय में चलने वाले वाद के चलते होने वाले लाभ-हानि की जानकारी दी। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता कामिनी गुप्ता ने तलाक के बाद जीवन में आने वाली परेशानियों एवं बच्चों के बिखरते भविष्य के बारे में अवगत कराया। दोनों की काउंसलिंग से दंपती पुनः एक साथ रहने के लिए सहमत हुए और एक-दूसरे को माला पहनाकर साथ रहने का वादा किया।

बाप-बेटी ने एक ही फंदे से लगाई फांसी

नागौर,09 जुलाई (एजेंसियां)। नागौर के जायल उपखंड में बड़ी खाटू थाना इलाके के गायलेली गांव में मृतक श्री राम पुत्र चेनाराम (60) और उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी ने एक ही फंदे से फांसी लगा ली। सूचना मिलते ही खाटू थाना पुलिस और नागौर जिला पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस सहित पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। परिजनों ने जिला पुलिस अधीक्षक को मामले में नामजद लोगों के खिलाफ लिखित में शिकायत दी है। फिलहाल पुलिस ने दोनों के शवों को उप जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है। दर्ज शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

एक से ज्यादा वोट डालने का आरोपी कांग्रेस पार्टी का प्रदेश मीडिया प्रभारी गिरफ्तार

करनाल,09 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी को प्रतिरूपण कर एक से ज्यादा वोट डालने के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार 31 मई को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक शिकायत प्राप्त हुई। जिसमें सोशल मीडिया अकाउंट पर अभिमन्यु सिंह गाल्याण उर्फ मन्यू ने लोकसभा चुनाव 2024 के मतदान के दिन 25 मई को करनाल लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में प्रतिरूपण कर एक से ज्यादा वोट डालने का खुलासा किया है।

इस शिकायत पर पुलिस अधीक्षक ने तुरंत संज्ञान लिया और सिविल लाइन थाना प्रभारी निरीक्षक विष्णु कुमार को मामला दर्ज कर जांच करने व आरोपी को गिरफ्तार करने के आदेश दिए। सिविल लाइन थाना में 31 मई को मामला दर्ज किया गया।

मामले की जांच करते हुए 8 जुलाई को आरोपी अभिमन्यु सिंह गाल्याण उर्फ मन्यू को गिरफ्तार कर लिया गया, इसके बाद उसके लिखित ब्यान लेकर व दोबारा बुलाने पर पेश होने के आश्वासन पर पुलिस बेल दे दी गई।

भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली को दी बड़ी जिम्मेदारी

चंडीगढ़,09 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी को नया प्रदे-शाध्यक्ष मिल गया है। मोहन लाल बड़ौली को नए प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मोहन

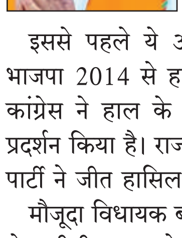

लाल बड़ौली राई से विधायक है। बड़ौली ने मुख्यमंत्री नायब सैनी का स्थान लिया है, सीएम बनने के बाद भी सैनी ये पद संभाले हुए थे। राज्य में कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं।

इससे पहले ये अहम फैसला लिया गया है। भाजपा 2014 से हरियाणा में सत्ता में है, लेकिन कांग्रेस ने हाल के लोकसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया है। राज्य की 10 में से पांच सीटों पर पार्टी ने जीत हासिल की।

मौजूदा विधायक बड़ौली सोनीपत लोकसभा सीट से करीबी मुकाबले में अपने कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी से लोकसभा चुनाव हार गए थे।

छात्रों के लिए हरियाणा सरकार की बड़ी घोषणा

रोडवेज बसों में छात्रों को 150 कि.मी. तक मिलेगी बस-पास की सुविधा

चंडीगढ़,09 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा की भाजपा सरकार विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी घोषणाएं कर रही हैं। सरकार ने जनता का लुभाने के के लिए बड़े-बड़े एलान कर रही है। अब सैनी सरकार ने छात्रों के लिए बड़ी घोषणा की है।सरकार के परिवहन मंत्री असीम गोयल ने मंगलवार को बड़ी घोषणा करते हुए प्रदेश के विद्यार्थियों के बस-पास सुविधा को बढ़ा दिया है। अब छात्रों का रोडवेज की बसों में बस पास 150 किलोमीटर तक मान्य होगा। ऐसे में छात्र अब 150 किलो मीटर तक मुफ्त सफर कर सकेंगे। इससे पहले बस पास की सुविधा केवल 60 किलोमीटर तक थी।

इससे पहले हरियाणा में नायब सैनी सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए 10वीं और 12वीं में 60 प्रतिशत नंबर पाने वाले हर स्टूडेंट्स का हैप्पी कार्ड बनाने की सुविधा दी है। वह हरियाणा रोडवेज की बसों में 500 किलोमीटर तक फ्री यात्रा कर सकेंगे।

निजी स्कूलों के बच्चों को भी फायदा

प्रदेश सरकार शिक्षा का स्तर और मजबूत करने में लगी हुई है। इसके तहत छात्रों के लिए नई योजनाएं और सुविधाएं लागू की जा रही हैं। सरकार के हैप्पी कार्ड की सुविधा का फायदा सरकारी के साथ सभी निजी स्कूलों के छात्रों को भी होगा। सरकार 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में 60 प्रतिशत या इससे अधिक अंक लेने वाले विद्यार्थियों को हैप्पी कार्ड देने की तैयारी की है। इसके तहत विद्यार्थी हरियाणा रोडवेज की बसों में 500 किलोमीटर फ्री यात्रा कर सकेंगे।

नगर निगम के गेट पर छोटे व्यापारियों का धरना

अजमेर,09 जुलाई (एजेंसियां)। शहर के चूड़ी बाजार से हटाए गए ठेले को लेकर मंगलवार को स्ट्रीट वेंडर्स का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने नगर निगम पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम की इस कार्रवाई से वह बेर-ोजगार हो गए हैं। गुस्साए छोटे व्यापारियों ने अजमेर नगर निगम के गेट के बाहर अपने परिवार के साथ धरना दिया।नगर निगम के पास चूड़ी बाजार क्षेत्र में 10 साल पूर्व बनाए गए वेंडिंग जोन में अस्थाई ठेला लगाकर व्यापार करने वाले व्यापारियों ने नगर निगम के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि नगर निगम के अधिकारियों द्वारा बड़े व्यवसाइयों पैसे लेकर हमारे ठेलों को हटाया जा रहा है।

नाबालिग से दुष्कर्म का मामला

बिहार में नीतीश सरकार के मंत्री रहे दिग्गज पर वारंट

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार की दोनों प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियों राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाइटेड के बैनर तने लंबे समय तक राजनीति करने वाले वृषिण पटेल इस बार बड़े झमेले में फंस गए हैं। मुजफ्फरपुर की पॉक्सो अदालत ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मंत्री रह चुके पटेल के खिलाफ एक शिकायत पत्र कोर्ट में दाखिल हुआ था।

उन पर आरोप है कि उन्होंने एक नाबालिग लड़की से बलात्कार किया था। विशेष अदालत ने इस मामले में संज्ञान लेते हुए सुनवाई शुरू कर दी है। जब यह केस दर्ज किया गया, उस समय पटेल लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल में थे। उन्होंने इसी साल अप्रैल में राजद से नाता तोड़ा है। राजद से नाता तोड़ने के पहले वृषिण पटेल पिछले साल तब चर्चा में आए थे, जब उन्होंने खुद को इसी तरह के केस के लिए ब्लैकमेल किए जाने की शिकायत आर्थिक अपराध इकाई में दी थी।

बताया जा रहा है कि आरोपी पूर्व मंत्री के 12 जून और छह जुलाई को हाजिर नहीं हुए थे। इसके बाद कोर्ट ने अब जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया। अब 31 अगस्त को पेश होने का आदेश दिया गया है। पूर्व मंत्री के खिलाफ धारा 323, 341, 354इ, 3070, 420, 376, 504 और पॉक्सो की धारा 4, 6 के तहत में मुजफ्फरपुर के विशेष पॉक्सो कोर्ट में सुनवाई चल रही थी और इस मामले में अब कोर्ट ने वारंट जारी किया है। इसके बाद अब पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता वृषिण पटेल की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले का है। कुढ़नी थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग लड़की ने बीते नवंबर 2023 में मुजफ्फरपुर की के विशेष पॉक्सो अदालत में एक कंप्लेंट दायर किया था। इसमें पूर्व मंत्री के खिलाफ पटना ले जाकर शारीरिक शोषण करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। विशेष अदालत ने मामले को संज्ञान लेते हुए सुनवाई शुरू की। इसके बाद इस मामले में कोर्ट ने हाजिर होने के लिए कहा लेकिन जब दूसरी बार हाजिर नहीं हुए तो कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि आपके खिलाफ क्यों नही वारंट जारी किया जाए?

पीड़िता की अधिवक्ता ने बताया ने कोर्ट में जो कंप्लेन दायर की गई है, उसमें बताया गया कि पूर्व मंत्री उनके गांव जनसभा करने आए थे।

कई अन्य लड़कियों के साथ जाकर मैं उनसे मिली थी। मैंने पूर्व मंत्री से कहा कि आप लोग सिर्फ चुनावी वादा करते हैं, कोई रोज-गार नहीं देते हैं। तब पूर्व मंत्री ने कहा कि कागज पर अपना मोबाइल नंबर, नाम, पता लिख कर दो और पटना आकर हमसे मिलो। मैंने नाम, पता और नंबर लिखकर उन्हें दे दिया। इसके बाद वापस घर लौट गई। कुछ दिन बाद फोन आया, कहा गया कि पटना में आकर मिलो। बोरिंग रोड में आकर फोन करना। जब मैं बोरिंग रोड पहुंची तो सड़क किनारे पहले से ही गाड़ी लगी थी। पूर्व मंत्री ने कहा कि गाड़ी लगी है, उसमें बैठ जाओ। इसके बाद मुझे एक फ्लैट में ले गए। वहां पर पूर्व मंत्री ने मुझे अपनी हवस का शिकार बनाया। इसके बाद शारीरिक शोषण करने लगे। विरोध करने पर पूर्व मंत्री ब्लैकमेल करने लगते थे। अश्लील वीडियो क्लिप भी दिखाकर कहते थे कि मेरी बात नहीं मानोगी तो यह वीडियो वायरल कर दूंगा।पीड़िता ने कोर्ट के समक्ष वीडियो क्लिप और एक व्यक्ति से अभियुक्त का कॉल रिकॉर्डिंग भी साक्ष्य के तौर पर उपलब्ध करवाया है।

पॉस्को कोर्ट 2 के पीपी अजय कुमार ने बताया कि इस मामले में पूर्व मंत्री वृषिण पटेल के खिलाफ में कोर्ट में पेश नहीं होने पर वारंट जारी किया गया है और अब इस मामले में कोर्ट ने 31 अगस्त तक का हाजिर होने के लिए कहा है। हालांकि, यह वारंट जमानती है। मामला नाबालिग लड़की के साथ यौन शौषण से जुड़ा हुआ है।

जदयू में नीतीश के पसंदीदा नौकरशाह की एंट्री

कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने दिलाई मनीष वर्मा को सदस्यता

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में लंबे समय तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीब रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मनीष वर्मा ने अवकाश ग्रहण करने के बाद आखिरकार जनता दल यूनाईटेड की सदस्यता ग्रहण कर ली। मंगलवार को पटना स्थित जदयू कार्यालय में पार्टी के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने उन्हें जदयू की सदस्यता दिलाई। कई मंत्रियों समेत जदयू के बड़े नेता इस स्वागत समारोह में शामिल हुए। बताया जा रहा है कि मनीष वर्षा विधानसभा चुनाव 2020 के वक्त से ही सीएम नीतीश कुमार से सीधे तौर पर जुड़े थे। जब उन्होंने वीआरएस लिया तो इन्हें सीएम नीतीश कुमार अतिरिक्त परामर्शी भी बना दिया गया था। इतना ही नहीं इनके लिए अलग से ही एक पद का सृजन किया गया। मनीष वर्मा बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकार के भी सदस्य हैं। सूत्रों की मानें तो मनीष वर्म लोकसभा चुनाव में भी पूरी तरह एक्टिव थे। पर्दे के पीछे से वह जदयू की सारी गतिविधियों की मॉनिटरिंग कर रहे थे।

ओडिशा कैडर के आईएएस अधिकारी रह चुके मनीष वर्मा ने 2018 में वीआरएस लिया था। ओडिशा के कई जिलों में वह डीएम भी रह चुके हैं। 2012 में वह अंतरराज्यीय प्रतिनियुक्ति के तहत बिहार आए थे। इसके बाद वह पटना और पूर्णिया के जिलाधिकारी भी रह चुके हैं। मनीष वर्मा सीएम नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा के हैं। वह कुर्मी जाति से आते हैं। कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में जदयू के अच्छे प्रदर्शन के पीछे मनीष वर्मा ने भी अहम भूमिका निभाई है। इस कारण सीएम नीतीश कुमार सक्रिय राजनीति में उनकी इंट्री करवा दी।

छापेमारी के दौरान छह से ज्यादा फर्जी क्लीनिक मिले, अब होगी सख्त कार्रवाई

मोतिहारी (एजेंसियां)।

जिले में छापेमारी के दौरान छह से ज्यादा फर्जी क्लीनिक मिले। इसके बाद क्लीनिक चलाने वाले लोगों की अनुज्ञप्ति, चिकित्सकों का सर्टिफिकेट व अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों की मांग कर जांच की गई। जांच के दौरान दो चार क्लीनिक के पास वैध कागजात पाए गए। निजी क्लीनिकों की जांच की खबर फैलते ही इस प्रकार के अवैध के अस्पताल संचालकों में हड़कंप मच गया है। ऐसे संचालक अपने अस्पतालों का शटर गिरा कर फरार होने लगे।

बता दें कि कल छपवा चौक के एक क्लीनिक के डॉक्टर पर इलाज के दौरान एक वृद्ध की मौत की खबर सुर्खियां बनी और इस खबर के बाद स्वास्थ्य महकमे की नींद टूटी है। सुगौली सीएचसी के द्वारा गठित धावा दल के द्वारा औचक छापेमारी शुरू कर दी गई है। उनकी इस कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। इस दौरान सरकारी अस्पताल के पुर्जे और आशा कार्यकर्ताओं को भी एक निजी अस्पताल में पाया गया। जांच अधिकारी के अनुसार स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मामले में वैसे लोग इलाज कर रहे हैं, जिनके पास कोई भी वैध बायो डिग्री और क्लीनिक चलाने का अनुज्ञप्ति नहीं है।

डॉक्टर रिजवी ने बताया कि जन सेवा हेल्थ केयर पर डॉक्टर श्वेता कुमारी इलाज कर रही थी। वहीं डॉक्टर जफर शमसुल के पास क्लीनिक चलाने का कोई भी वैध डॉक्यूमेंट नहीं है। शिवांगी हेल्थ केयर को बिना डिग्री के डॉक्टर चला रहे थे। सरस्वती शिशु केंद्र पर डॉक्टर सौरभ कुमार के पास ना तो डिग्री है और नहीं कोई डॉक्यूमेंट है।

नवजीवन चाइल्ड केयर के चिकित्सक के पास योगा की डिग्री है और एलोपैथिक का इलाज करते हैं। चंदन हेल्थ केयर का सर्वाधिक संदिग्ध हाल पाया गया। यहां एक विद्यार्थी श्वेता कुमार डांक्टर बन इलाज कर रहा था। यहां सरकारी अस्पताल का पुर्जा और आशा वर्कर्स को भी पाया गया। बताते चले कि जितने भी अवैध क्लीनिक संचालित होते है, वे सभी आशा वर्कर्स के भरोसे ही चलते हैं।

आर्केस्ट्रा के बाहरी चकाचौंध के साए में काले धंधे का सच, नेपाली नर्तक ने सच्चाई बताई तो उड़ गए होश

मोतिहारी (एजेंसियां)।

बॉर्डर इलाके के पलनवा थाना क्षेत्र के सौनाहा बाजार के एक अवैध आर्केस्ट्रा से रेस्क्यू की गई नर्तक ने नेपाल से जो खुलासा किया है, वह इन आर्केस्ट्रा के बाहरी चकाचौंध के साए में काले धंधे को उजागर करता है। नर्तक को पलनवा पुलिस ने अवैध आर्केस्ट्रा से बरामद किया। इसको दो माह तक बालिका सुधार गृह में रखने के बाद माइती नेपाल को सौंपा गया। माइती नेपाल एक सामाजिक संस्था है, जहां पर इस प्रकार की लड़कियों को रेस्क्यू करने का कार्य किया जाता है। यहां नर्तक ने जो कुछ बताया उसको सुनकर लोगों के दिल दहल जाएंगे।

इसके केंद्रीय कार्यालय काठमांडू में पीड़िता ने जो कुछ अपना दर्द बताया, वह आर्केस्ट्रा की काली कहानी को बताता है। उसने अपनी प्रारंभिक जिंदगी से लेकर आर्केस्ट्रा के दलदल से मुक्त होने के बीच की कहानी का उसने खुलासा किया है। इस दौरान उसने बताया कि 15 वर्ष की उम्र में ही वह पलनवा थाना क्षेत्र के सौनाहा बाजार स्थित उक्त आर्केस्ट्रा में आईं थी। यहां से मुक्त होने तक वह 5 माह की कुंवारी गर्भवती हो चुकी थी।

वह काठमांडू के सिंधुली में एक रेस्टोरेंट में अपनी बहन के साथ बैरा का काम करती थी। बाद में वह झापा गाउपालिका के वार्ड 7 स्थित अपने घर आ गई। यहां उरला बारी में मामा का भी घर था। वहां आना जाना लगा रहता था। वही उसकी मुलाकात सीता (बदला हुआ नाम) की एक लड़की से हुई। सीता का संपर्क आर्केस्ट्रा में लड़कियों को भेजने वाले तस्कर से था। इसको तीन हजार प्रति रात्रि डांस के मेहनताना का झांसा देकर बॉर्डर क्रॉस कराया गया।

अपने घर से बिना बताए वह बीरगंज एक और लड़की के साथ आईं, जहां से इनको मोटर साइकिल से रक्सौल व सौनाहा ले जाया गया। यहां पुलिस की रेड पड़ने तक कई वर्षों तक डांस करती रही। साथ ही अन्य कई प्रकार के अनैतिक कार्य भी करती रही। आर्केस्ट्रा में मारपीट को इसने आम बात बताया और यह भी बताया कि एक बार इनके चंगुल में फंस जाने के बाद निकलना मुश्किल होता है। वैसे नेपाली राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने भी इस बात को लेकर चिंता व्यक्त की है। इसके अनुसार नेपाल से भारत की तरफ महिला तथा किशोरियों के अवैध गमना गमन व तस्करी में वृद्धि हुई है। पहाड़ी इलाकों की महिलाओं और किशोरियों के साथ यह समस्या ज्यादा है।

उफान पर गंडक नदी : केसरिया में बाढ़ ने मचाई तबाही, छह से ज्यादा विद्यालयों में घुसा पानी

पूर्वी चंपारण

जिले में उफनाई गंडक नदी की वजह से बाढ़ का पानी आधा दर्जन स्कूलों में घुस गया है। जिससे स्कूल बंद हो गए है और बच्चों का पठन पाठन ठप हो गया है। मुजवानियां गांव जाने वाली सड़क पर पानी दो फीट के करीब बह रहा है।

इन गांवों के दर्जनों घर टापू बने हुए हैं। चूंकि घरों के चारों ओर बाढ़ का पानी चढ़ गया है। मझरिया गांव का तकिया टोला टापू बन गया है। जिससे टोले का सड़क संपर्क भंग हो चुका है। वहीं छरकी पर बसे दर्जनों घरों का सड़क संपर्क भंग हो चुका है। बाढ़ के पानी में अधिकांश धान की फसल डूब चुकी है।

मझरिया गांव जाने वाली पथ में स्थित एक मात्र पुलिया पर भी बाढ़ के पानी का दबाव बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण पुलिया को बचाने का प्रयास कर रहें हैं। काढ़ान गांव के वार्ड नंबर 10 भी बाढ़ के पानी से प्रभावित हैं। काढ़ान गांव के नवीन प्राथमिक विद्यालय अहिर टोली वार्ड नंबर 10 एवं नवीन प्राथमिक विद्यालय अनुसूचित जाति का टोला वार्ड 08 बाढ़ के पानी से चारों तरफ से घिर चुका है।

इन दोनों विद्यालय में पानी बह रहा है। उसी तरह उत्क्रमित मध्य विद्यालय मुजवानिया में भी बाढ़ का पानी घुस चुका है, जिससे सभी विद्यालय का पठन पाठन ठप हो चुका है।

नवीन प्राथमिक विद्यालय अनुसूचित जाति टोला के हेडमास्टर अशोक सिंह ने बताया की बाढ़ का पानी उनके विद्यालय में घुस चुका है। उन्होंने बताया की प्रतिवर्ष बाढ़ का पानी विद्यालय में घुसने से पठन पाठन ठप हो जाता है। मझरिया गांव के कुणाल सिंह ने बताया की पानी का बहाव बहुत तेजी से है।

कई जगहों का किया निरीक्षण,दिये निर्देश

योजनाओं का मुआयना करने सीएम नीतीश पहुंचे बख्तियारपुर

पटना (एजेंसियां)।

मंगलवार को विकास कार्यों की समीक्षा करने के लिए जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा, मंत्री विजय कुमार चौधरी समेत अन्य अधिकारियों के साथ नीतीश कुमार बख्तियारपुर पहुंचे। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री नीतीश ने सबसे पहले बख्तियारपुर प्रखंड के घंसूरपुर स्थित गंगा चैनल के प्रस्तावित लिंक का निरीक्षण किया। उसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के पास निर्माणाधिन रेलवे ओवरब्रिज का निरीक्षण करने पहुंचे।

वहीं, बख्तियारपुर सीढ़ी घाट के पास निर्माणाधिन गंगा घाट और पथवे का निरीक्षण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गणेश हाईस्कूल बख्तियारपुर के निर्माणाधिन भवन का निरीक्षण किया, साथ ही सीएम नीतीश कुमार बख्तियारपुर शिवराज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान बिहार सरकार के आला अधिकारी के साथ-साथ रेलवे के भी अधिकारी मौजूद थे।

अपर मुख्य सचिव के आदेश जारी

75 फीसदी से कम हुई छात्रों की उपस्थितितो शिक्षा सेवक होंगे चयनमुक्त

गोपालगंज (एजेंसियां)।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने इस संबंध में डीईओ रंजीत पासवान को पत्र भेजा है। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि शिक्षा सेवक संबद्ध विद्यालयों में केवल हाजिरी बनाएंगे। इसके बाद पोषक क्षेत्र में भ्रमण करेंगे।

शिक्षा सेवकों को छह से 14 आयु वर्ग के शत-प्रतिशत बच्चों को विद्यालय में नामांकन कराकर स्कूल पहुंचाने की जिम्मेवारी सौंपी गयी है। शिक्षा सेवकों को छह से 14 आयु वर्ग के बच्चों को संबंधित कोचिंग कराकर एक साथ बच्चों को विद्यालय पहुंचाने को कहा गया है। दोपहर एक से दो बजे तक संबंधित टोले में 15 से 45 आयु वर्ग के असाक्षर महादलित, दलित एवं अल्पसंख्यक अतिपिछड़ा वर्ग के महिलाओं को साक्षरता केन्द्र में पढ़ाने का आदेश दिया गया है। ताकि, असाक्षर महिलाओं को साक्षर बनाया जा सके। साथ ही, संबद्ध विद्यालयों में मध्याह्न भोजन में सहयोग, मुख्यमंत्री परिभ्रमण योजना, खेलकूद, पर्यावरण संबंधी गतिविधि व अन्य गतिविधियों में सहयोग करना व बच्चों को चिकित्सा जांच में आवश्यक सहयोग करने का आदेश दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com